धनबाद
सोमवार 16.12.2024
मूल्य- ₹ 1.50
वर्ष-30 अंक-292 पृष्ठ- 12
पौष कृष्ण पक्ष-1
संवत 2081

झारखण्ड से प्रकाशित सर्वाधिक लोकप्रिय दैनिक

बिहार ऑबजर्वर

मार्च 2026 तक खत्म करेंगे नक्सलवाद : गृहमंत्री

रायपुर के पुलिस परेड ग्राउंड में राष्ट्रपति पुलिस कलर अवॉर्ड- 2024 में शाह बोले ✪ नक्सली शस्त्र छोड़िए, विकास के रास्ते पर आइए

जगदलपुर (ईएमएस): केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने रायपुर में राष्ट्रपति पुलिस कलर अवॉर्ड कार्यक्रम में कहा कि हम सब मिलकर छत्तीसगढ़ को ३१ मार्च २०२६ तक नक्सल मुक्त करेंगे। जैसे ही छत्तीसगढ़ नक्सल मुक्त होता है, देशभर में नक्सलवाद का खत्म हो जाएगा। शाह ने कहा कि छत्तीसगढ़ पुलिस ने बहादुरी के साथ १ साल में खत्म करने का संकल्प लिया है। शाह ने नक्सलियों से अपील की है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने बहुत अच्छी सरेंडर पॉलिसी बनाई है। मुख्यधारा में आप शामिल हो जाइए। हथियार छोड़ दीजिए। विकास के रास्ते पर आ जाइए।

शाह ने कहा कि सरकार बदलने के बाद से टॉप १४ नक्सली न्यूट्रलाइज हुए हैं। ४ दशकों में पहली बार नागरिकों और सुरक्षाबलों के मृत्यु के आंकड़े में कमी आई है। १० साल में नक्सलवाद पर नकेल कसी गई। पुलिस ने १ साल में छत्तीसगढ़ समेत सभी राज्यों से नक्सलवाद के खिलाफ ताबूत में अंतिम कील ठोकने की तैयारी की है।

राष्ट्रपति पुलिस कलर फ्लैग पुलिस को सौंपा

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने रायपुर के पुलिस परेड ग्राउंड में राष्ट्रपति पुलिस कलर अवॉर्ड-२०२४ कार्यक्रम में पुलिस प्लाटून की सलामी ली।

इस दौरान शाह ने राष्ट्रपति पुलिस कलर फ्लैग पुलिस को सौंपा। जहां धर्म गुरुओं ने मंत्रों के साथ ध्वज का स्वागत किया।

कार्यक्रम में शाह और सीएम विष्णुदेव साय ने राष्ट्रपति के निशान को सलामी दी। राष्ट्रपति पुलिस कलर ध्वज में बस्तर की संस्कृति को भी दर्शाया गया है, जिसमें गौर, माडिय़ा सिंह और धान के खेत शामिल हैं। ध्वज के ऊपर और नीचे ३६ किले दर्शाए गए हैं।

नक्सलवाद पर शाह के रोडमैप मिली सफलता

तीन वर्ष के भीतर नक्सलवाद को समाप्त करने का प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का संकल्प रंग ला रहा है। जनवरी २०२४ में शाह ने नक्सल विरोधी मुहिम के लिए जो रोडमैप तैयार किया, उसका असर एक वर्ष के भीतर दिखा है।

जनवरी से लेकर अब तक २१५ नक्सली मारे गए हैं। ८७४ नक्सलियों को गिरफ्तार किया गया है और ७८७ नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया। गिरफ्तार व आत्मसमर्पित समेत डेढ़ हजार नक्सली ठिकाने लगा दिए गए। अब बस्तर के युवा नक्सलवाद की ओर आकर्षित न हों, इसके लिए सरकार ने उन्हें हर आधुनिक सुविधा से जोडऩे की रणनीति बनाई है।

टल गया वन नेशन वन इलेक्शन बिल

अब लोकसभा के शीतकालीन सत्र में नहीं होगा पेश

नई दिल्ली (ईएमएस): देश में वन नेशन, वन इलेक्शन की बीते कुछ दिनों से खूब चर्चा है। इससे जुड़े दो विधेयक सोमवार को लोकसभा में भी पेश किया जाने वाला था। अब बताया जा रहा है कि दोनों विधेयक सोमवार को लोकसभा में पेश नहीं किए जाएंगे। संशोधित कार्यसूची से बिल को हटा दिया या है।

इससे पहले शुक्रवार को जारी की गई कार्यसूची में कहा गया था कि बिल को सोमवार को लोकसभा में रखा जाएगा। अभी कारण स्पष्ट नहीं कि सरकार ने सोमवार को बिल न लाने का फैसला क्यों किया और अब किस दिन लाया जाएगा। हालांकि, लोकसभा का शीतकालीन सत्र २० दिसंबर को समाप्त हो रहा है।

सरकार ने वन नेशन, वन इलेक्शन पर आधारित विधेयकों को लोकसभा में पेश करने में डिले कर दिया है। सूत्रों के मुताबिक, ये विधेयक वित्तीय व्यवसाय के पूरा होने के बाद सदन में लाए जा सकते हैं। पहले ये विधेयक, संविधान (१२९वां संशोधन) विधेयक और संघ शासित प्रदेश कानून (संशोधन) विधेयक, सोमवार को लोकसभा में पेश किए जाने के लिए लिस्ट किए गए थे। लोकसभा सचिवालय द्वारा जारी संशोधित सूची में इन विधेयकों को सोमवार के एजेंडे में शामिल नहीं किया गया है। हालांकि, लोकसभा स्पीकर की इजाजत के बाद सरकार बिल को सप्लीमेंट्री लिस्टिंग के माध्यम से सदन में आखिरी समय में भी पेश कर सकती है।

नहीं रहे मशहूर तबला वादक उस्ताद जाकिर हुसैन

73 साल की उम्र में ली आखिरी सांस

नई दिल्ली (एजेंसी): सुप्रसिद्ध तबला वादक और पद्मविभूषण से सम्मानित उस्ताद जाकिर हुसैन (नरज़ळी कींीरळप) नहीं रहे. अपने तबले की थाप से एक पूरे युग को प्रभावित करने वाले जाकिर हुसैन पिछले कुछ वक्त से बीमार थे. उन्हें हृदय संबंधी समस्याओं के बाद अमेरिका के शहर सैन फ्रांसिस्को के एक अस्पताल के आईसीयू में भर्ती कराया गया था. उस्ताद जाकिर हुसैन के निधन की खबर से उनके चाहने वालों में दुख की लहर छा गई. हुसैन की प्रबंधक निर्मला बचानी ने बताया कि अमेरिका में रह रहे ७३ वर्षीय संगीतकार को रक्तचाप की समस्या थी.

बचानी ने कहा, 'हुसैन हृदय संबंधी समस्या के कारण पिछले दो सप्ताह से सैन फ्रांसिस्को के एक अस्पताल में भर्ती थे.'

दुनिया में तबले के पर्याय थे जाकिर हुसैन

महान तबला वादक अल्लाह रक्खा के सबसे बड़े बेटे जाकिर हुसैन ने अपने पिता के पदचिह्नों पर चलते हुए भारत और दुनिया भर में एक अलग पहचान बनाई. भारत के सबसे प्रसिद्ध शास्त्रीय संगीतकारों में से एक हुसैन को १९८८ में पद्म श्री, २००२ में पद्म भूषण और २०२३ में पद्म विभूषण से सम्मानित किया गया. हुसैन ने अपने करियर में पांच ग्रैमी पुरस्कार प्राप्त किए हैं, ▶▶ 8

कैनेडियन महिला ने पंजाबी गायक पर लगाए गंभीर आरोप, एनआरआई दर्ज

जालंधर (ईएमएस): पंजाबी गायक राज जुझार के खिलाफ एक एनआरआई महिला ने मामला दर्ज कराया है। कैनेडियन सिटीजन महिला ने गायक पर गंभीर आरोप लगाए हैं। महिला की शिकायत पर गायक राज जुझार के खिलाफ पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। महिला ने बताया कि राज जुझार से उसकी मुलाकात साल २००६ में हुई थी और जुझार ने उसे झांसे में लेकर फंसाया और लाखों रुपये ऐंठ लिए। महिला ने पंजाबी गायक पर और भी गंभीर आरोप लगाए हैं। राज जुझार आपत्तिजनक गाने बनाने को लेकर विवाद में भी पड़ चुके हैं। साल २०१८ में उन्होंने एक अज्ञात व्यक्ति से धमकी भरे कॉल मिलने की सूचना पुलिस को दी थी।

महाराष्ट्र में महायुति का महाविस्तार, नागपुर में हुआ भव्य शपथ ग्रहण समारोह

नागपुर, (ईएमएस): आख़िरकार महाराष्ट्र में महायुति का महाविस्तार हो गया जब रविवार शाम ३९ विधायकों को मंत्री पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलवाई गई। मालूम हो कि विधानसभा चुनाव के नतीजे शनिवार २३ नवंबर को घोषित किए गए। इसके १३ दिन बाद मुख्यमंत्री देवेन्द्र फड़णवीस, उपमुख्यमंत्री अजित पवार और एकनाथ शिंदे ने उपमुख्यमंत्री पद की शपथ ली। जिसके १० दिन बाद रविवार को आखिरकार कैबिनेट विस्तार का समय मिल गया। रविवर शाम नागपुर के विधान भवन में भाजपा महायुति का महाविस्तार हो गया और राज्यपाल सी.पी.राधाकृष्णन ने ३९ विधायकों को मंत्रिपद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। बीजेपी के १९, शिवसेना के १२ और एनसीपी के ८ विधायकों ने मंत्री पद की शपथ ली। इस अवसर पर मुख्यमंत्री देवेन्द्र फड़णवीस, उपमुख्यमंत्री अजित पवार और एकनाथ शिंदे भी मौजूद रहे। इस बीच कई विधायक मंत्री नहीं बनाये जाने से नाराज बताये जा रहे हैं। आने वाले समय मीन उनकी नाराजगी का क्या असर पड़ेगा ये तो वक्त ही बताएगा।

बीजेपी से इन्होंने ली मंत्री पद की शपथ

बीजेपी से मंत्री पद की शपथ लेने वालों में पंकजा मुंडे, अतुल सावे, चंद्रकांत पाटिल, गिरीश महाजन, राधाकृष्ण विखे पाटिल, संजय सावकारे, नितेश राणे, जयकुमार गोरे, शिवेंद्र राजे भोसले, आशीष शेलार, अशोक उइके, माधुरी मिसाल, पंकज भोईर, मेघना बोर्डिकर, चंद्रशेखर बावनकुल, मंगलप्रभात लोढ़ा, जयकुमार रावल, आकाश पांडुरंग फुंडकर और गणेश नाइक शामिल है।

एनसीपी- शिवसेना से इन्होंने ली शपथ

एनसीपी के विधायक हसल मुश्रीफ, दत्तात्रय भरणे, इंद्रनील नाइक, बाबासाहेब मोहनराव पाटील, नरहरि झिरवाल, माणिकराव कोकाटे, अदिति तटकरे और धनंजय मुंडे ने भी मंत्री पद की शपथ ली है। जबकि शिवसेना से गुलाबराव पाटिल, आशीष जायसवाल, योगेश कदम, संजय शिरसाट, प्रकाश अबितकर, भरत गोगावले, प्रताप सरनाइक, उदय सामंत, संजय राठौड़, शंभू राज देसाई और दादा भूसे ने शपथ ली है। मंत्री पद नहीं मिलने पर भंडारा विधानसभा क्षेत्र के शिवसेना (शिंदे) के विधायक नरेंद्र भोंडेकर ने अपनी ▶▶ 8

जम्मू में मादक पदार्थ के साथ पाकिस्तानी ड्रोन जब्त

जम्मू,(ईएमएस): जम्मू के अंतर्राष्ट्रीय सीमा के पास से सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने करीब आधा किलोग्राम उच्च श्रेणी का मादक पदार्थ ले जा रहे एक पाकिस्तानी ड्रोन को जब्त किया है। इस मामले की जानकारी रविवार को सुरक्षा बल के अधिकारियों ने मीडिया को दी है। जानकारी दे रहे अधिकारियों ने बताया कि पाकिस्तानी ड्रोन अंतर्राष्ट्रीय सीमा पार से भारत में घुसा था। उक्त ड्रोन को शनिवार देर रात अरनिया सेक्टर स्थित चिनाज सीमा चौकी क्षेत्र से जब्त कर लिया गया है। ड्रोन और मादक पदार्थ बरामदगी की पुष्टि करते हुए बीएसएफ के एक प्रवक्ता ने बताया कि जवानों ने शनिवार रात आठ बजकर १० मिनट पर पाकिस्तानी ड्रोन को मार गिराया था। इसी के साथ मादक पदार्थ की तस्करी के प्रयास को नाकाम कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि ड्रोन से ४९५ ग्राम मादक पदार्थ भी जब्त किया गया है। अपने एक बयान में अधिकारी ने कहा हा, कि 'बीएसएफ जम्मू के जवानों ने पुनः राष्ट्र विरोधी ताकतों के नापाक मंसूबों पर पानी फेर दिया है, जो राष्ट्र की सुरक्षा के प्रति उनकी अटूट श्रद्धा और प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

अप्रैल 2025 से शुरू होगी जनगणना

14 साल बाद पता लगेगा, आर्थिक प्रगति और जनसंख्या के बारे में 0 2013 के बाद होगी आर्थिक गणना

नई दिल्ली (ईएमएस): २०११ के बाद अब २०२५ में जनगणना होने जा रही है। अप्रैल २०२५ से देश में जनगणना शुरू हो सकती है। जनगणना के साथ आर्थिक गणना भी होगी। पिछले १४ सालों में कितनी आबादी बढ़ी है। कितना आर्थिक आधार बढा है। इसकी जानकारी इस जनगणना से निकलकर सामने आएगी।

२०१४ से केंद्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार है। पिछले ११ वर्षों में कितनी आर्थिक प्रगति हुई है। पहली बार देश को इसकी जानकारी लगेगी। सरकार द्वारा जो दावे किए जा रहे हैं। वहीं जनसंख्या के दौरान जो आर्थिक गणना के आंकड़े होंगे, उन्ही से आर्थिक स्थिति प्रमाणित होगी।

वित्त मंत्रालय ने स्थाई समिति को सूचित किया है। सचिवों की समिति ने सातवीं आर्थिक गणना के परिणाम जारी नहीं करने का फैसला किया है। सांख्यिकी और कार्यक्रम क्रियान्वयन मंत्रालय २०२५ में आर्थिक जनगणना की तैयारी कर रहा है। इसके बाद गैर कृषि क्षेत्र के सभी प्रतिष्ठानों, उनके कर्मचारियों की गणना होगी। देश में छठी आर्थिक गणना के बाद यह पहली गणना होगी। जिसमें २०१३ के बाद के आंकड़े स्पष्ट रूप से सामने आएंगे। सरकार ने सातवीं आर्थिक गणना के आंकड़े जारी नहीं किए हैं।

देश में जो आठवीं आर्थिक गणना हो रही है। उसमें गैर कृषि क्षेत्र की सभी गतिविधियां शामिल की जा रही हैं। जनगणना के साथ हो रही आर्थिक गणना में दुकानों-मकानो मे चल रही आर्थिक गतिविधियों को भी शामिल किया जाएगा। दुकानों और मकानो में गैर रजिस्टर्ड रूप से जो आर्थिक गतिविधियां हो रही हैं। उनमें कितने कर्मचारी काम कर रहे हैं। इसकी भी जानकारी इस गणना से प्राप्त होगी। ▶▶ 8

आडवाणी की हालत स्थिर डॉक्टरों की निगरानी में

नई दिल्ली(ईएमएस): भाजपा के वरिष्ठ नेता और पूर्व उपप्रधानमंत्री ला ल कृ ष ण आडवाणी का दिल्ली के अपोलो अस्पताल में इलाज चल रहा है। वे फिलहाल डॉक्टरों की निगरानी में हैं और उनका स्वास्थ्य स्थिर बताया जा रहा है। पिछले दो सप्ताह से उनकी तबीयत ठीक नहीं चल रही थी, जिसके बाद उन्हें इंद्रप्रस्थ अपोलो में भर्ती कराया गया था। इंद्रप्रस्थ अपोलो के हेल्थ बुलेटिन के मुताबिक, लालकृष्ण आडवाणी को मेडिकल मैनेजमेंट और जांच के लिए इंद्रप्रस्थ अपोलो अस्पताल के आईसीयू में भर्ती कराया गया है। वे सीनियर न्यूरोलॉजिस्ट डॉ.विनीत सूरी की देखरेख में हैं और फिलहाल उनकी हालत स्थिर है।

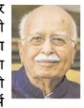

अतुल सुभाष सुसाइड केसः पत्नी निकिता गुरुग्राम से अरेस्ट, मां और भाई प्रयागराज से गिरफ्तार

नई दिल्ली (ईएमएस): अतुल सुभाष सुसाइड केस में अलग रह रही पत्नी निकिता सिंघानिया, उसकी मां निशा और भाई अनुराग को आत्महत्या के लिए उकसाने के मामले में गिरफ्तार किया गया है। पत्नी निकिता को गुरुग्राम से अरेस्ट किया गया है, जबकि मां और भाई प्रयागराज से गिरफ्तार किए गए हैं। अतुल ने कुछ दिनों पहले ही निकिता और उनके परिवार पर उत्पीड़न और जबरन वसूली का आरोप लगाया था, जिसके बाद उन्होंने आत्महत्या कर ली थी। सभी को अदालत में पेश किया गया, जहां से उन्हें न्यायिक हिरासत में भेजा गया है। इससे बेंगलुरु पुलिस ने निकिता सिंघानिया के जौनपुर में स्थित मकान पर नोटिस लगाया था। नोटिस में ३ दिन में बयान दर्ज करने के लिए कहा गया थ। इलाहाबाद हाईकोर्ट में ▶▶ 8

बिहार के पूर्व मंत्री कृष्णानंद झा का निधन, सीएम हेमंत ने जताया शोक

देवघर (एजेंसी): बिहार के पूर्व मंत्री सह कांग्रेस नेता कृष्णानंद झा का रविवार की सुबह देवघर में निधन हो गया. ७७ वर्षीय कृष्णानंद झा ने सुबह करीब ९.१५ बजे अंतिम सांस ली. वह लंबे समय से बीमार चल रहे थे. कृष्णानंद झा संयुक्त बिहार में मंत्री थे. वह बिहार के पूर्व मुख्मंत्री विनोदानंद झा के पुत्र थे. विनोदानंद झा १९६१ में बिहार के मुख्यमंत्री थे. उनके निधन पर झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने शोक जताया है. कृष्णानंद झा को करीब से जानने वाले लोग बताते हैं कि वह ऐसी शख्सियत थे, जिन्होंने कभी अनुशासन से समझौता नहीं किया. उनके पिता विनोदानंद झा जब १९६१ में बिहार के मुख्यमंत्री थे, तो प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू पटना स्थित उनके आवास पर आए थे. साल १९८३ में ▶▶ 8

जेएसएससी सीजीएल छात्र करेंगे कार्यालय का घेराव, भारी संख्या में पुलिस बल तैनात

हाई सेक्योरिटी जोन में तब्दील हुआ जेएसएससी कार्यालय 0 छात्रों के जुटान को लेकर रांची प्रशासन अलर्ट 0 जेएसएससी कार्यालय के बाहर फायर ब्रिगेड, वाटर कैनन, वज्र वाहन तैनात

रांची (एजेंसी): जेएसएससी सीजीएल में कथित पेपर लीक का मामला थमता नहीं दिख रहा है. इसको लेकर आज रविवार को रांची में विभिन्न जिलों के अभ्यर्थी जुटने वाले हैं. छात्र रांची के नामकुम स्थित जेएसएससी कार्यालय का घेराव और विरोध-प्रदर्शन करेंगे. छात्रों के कार्यालय घेराव को लेकर गडडउ कार्यालय के बाहर सुरक्षा व्यवस्था चकचौबंद कर दी गयी है. रांची जिला प्रशासन भी अलर्ट मोड पर है. पूरे मैदान में बैरिकेडिंग कर दी गयी है. वहीं सुरक्षा व्यवस्था को लेकर करीब २५०० जवानों और अधिकारी मौके पर तैनाती हैं. साथ ही जेएसएससी कार्यालय जाने वाले मार्ग में दो लेयर की सुरक्षा की गयी है. इसके अलावा अग्निशमन, वाटर कैनन और वज्र वाहन भी तैनात हैं. जेएसएससी कार्यालय के बाहर पुलिस प्रशासन के लिए टेंट और पूरे मैदान में बैरिकेडिंग की गयी है. जेएसएससी कार्यालय परिसर की ड्रोन से निगरानी रखी जा रही है. सभी मूवमेंट की वीडियोग्राफी भी की जा रही है. बता दें कि सीएम हेमंत सोरेन ने जेएसएससी सीजीएल में कथित पेपर लीक मामले की जांच सीआईडी को सौंपी है.

20 दिसंबर तक जेएसएससी कार्यालय और सदाबहार चौक के 500 मीटर के दायरे में धारा 163 लागू

वहीं शनिवार को डीआईजी ने अनूप बिरथरे ने नामकुम स्थित आयोग के कार्यालय जाकर सुरक्षा व्यवस्था का निरीक्षण किया. इस दौरान उन्होंने सुरक्षा में लगे पुलिसकर्मियों को जरूरी निर्देश दिये. जेएसएससी कार्यालय के १०० मीटर पहले से ही आवाजाही बंद कर दी गयी है. यहां दो लेयर की बैरिकेडिंग की गयी है. वहीं जेएसएससी कार्यालय और सदाबहार चौक के ५०० मीटर के दायरे में धारा १६३ लागू कर दी गयी है, जो २० दिसंबर तक रहेगी.

इस बीच आयोग ने भी शनिवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस की और पेपर लीक के सभी आरोपों को निराधार बताया. आयोग के सचिव ने कहा कि २१ और २२ सितंबर को आयोजित परीक्षा में किसी भी तरह की गड़बड़ी नहीं हुई है. परीक्षा के लिए शॉर्टलिस्टेड अभ्यर्थियों के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि २२३१ अभ्यर्थियों में २१४५ झारखंड के निवासी हैं और उनमें से ८३ फीसदी अभ्यर्थी आरक्षित वर्ग के हैं.

झारखंड कर्मचारी आयोग ने २१ और २२ सितंबर २०२४ को जेएसएससी सीजीएल की परीक्षा आयोजित की थी. छात्रों का कहना है कि परीक्षा के दिन इंटरनेट बंद कर पेपर लीक कराया गया है और बेचा गया है. वहीं आयोग इस तरह के सभी आरोपों से इनकार करता आ रहा है. चुनाव खत्म हो जाने के बाद आयोग ने परीक्षा के शॉर्टलिस्टेड छात्रों की लिस्ट जारी कर दी है और उन्हें डॉक्यूमेंट वेरीफिकेशन के लिए १६ दिसंबर से बुलाया है. बता दें इससे पहले भी जनवरी में जेएसएसी सीजीएल की परीक्षा ली गयी थी, जिसमें पेपर लीक हो गया था. इसके बाद परीक्षा रद्द कर दी गयी थी.

30 दिनों के अंदर दुर्घटना रिपोर्ट जमा करें : जिला जज

धनबाद (कासं) : झारखंड विधिक सेवा प्राधिकार व प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश वीरेंद्र कुमार तिवारी के निर्देश पर पुलिस पदाधिकारियों के लिए आयोजित एक दिवसीय जिला स्तरीय बिल्डिंग सह जागरूकता कार्यक्रम का उद्घाटन सिविल कोर्ट धनबाद में रविवार को धनबाद के प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश वीरेंद्र कुमार तिवारी, जिला एवं सत्र न्यायाधीश संजय कुमार सिंह, मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी आरती माला, एसएसपी एच पी जनार्दनन, बार एसोसिएशन के उपाध्यक्ष धनेश्वर महतो, बार एसोसिएशन महासचिव जीतेंद्र कुमार ने दीप प्रज्वलित कर किया।

इस मौके पर न्यायाधीश श्री तिवारी ने कहा कि समाज के प्रति हम सब की जिम्मेवारी है जिसे समय पर पूरा करना हमारा कर्तव्य है। अनुसंधानकर्ताओं को संबोधित करते हुए न्यायाधीश ने कहा कि सड़क दुर्घटना में समय पर कागजात कोर्ट में जमा नहीं किए जाने के कारण मृतकों के परिजनों को मुआवजा नहीं मिल पाता है। इस विषय पर पुलिस पदाधिकारियों को संदेश देते हुए जिला जज ने कहा कि सर्वोच्च न्यायालय ने अपने आदेश में स्पष्ट कहा है कि सड़क दुर्घटना के मामले में किसी भी हालत में ३० दिन के अंदर दुर्घटना सूचना रिपोर्ट कोर्ट को भेज देनी है, अन्यथा थाने के भार साधक अधिकारी पर कार्रवाई हो सकती है। उन्होंने कहा कि यदि समय पर पुलिस ऐसा कर दें तो मृतक के परिजनों की तमाम मुश्किलों का सामना नहीं करना पड़ेगा।

यह समाज के प्रति हमारा कर्तव्य है। एसएसपी जनार्दनन ने कहा कि पुलिस के पास अत्यधिक कार्य का बोझ होता है जिस कारण भी कई बार अनुसंधान में कई तरह की त्रुटियां रह जाती है। जिसका फायदा अभियुक्त ले जाते हैं। इसलिए यह कार्यशाला हमारे अनुसंधान कर्ताओं को अनुसंधान में काफी मदद करेगी। महिलाओं के प्रति बढ़ते अपराधों और उससे संबंधित कानून की जानकारी देते हुए न्यायाधीश संजय कुमार सिंह ने कहा कि दुष्कर्म पीड़ितों की गरिमा बनाए रखने में न्यायपालिका सहित आप सबों का अहम रोल है। नए आपराधिक कानून के संबंध में कार्यशाला को संबोधित करते हुए मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी आरती माला ने कहा कि सर्वोच्च न्यायालय द्वारा अरणेश व ऐनटिल के मामले में पारित निर्णय का पुलिस कठोरता से पालन करें।

अब किसी भी व्यक्ति को न्यायिक हिरासत में भेजने के लिए कोर्ट के समक्ष प्रस्तुत करने के समय उस व्यक्ति के विरुद्ध उसके अपराध में शामिल होने के पुख्ता साक्ष्य भी पेश करना होगा अन्यथा उस व्यक्ति को जेल नहीं भेजा जाएगा। लोक अभियोजक धनबाद अवधेश कुमार ने एनडीपीएस एक्ट में पुलिस पदाधिकारियों को अनुसंधान करने के तरीके के विषय में बताया। अधिवक्ता मो सिराज ने लोगों को सावधानीपूर्वक सड़क पर गाड़ी चलाने की सलाह दी और कहा कि असावधानी के कारण ही आए दिन दुर्घटना होती है। कार्यशाला के विषय में जानकारी देते हुए डालसा सचिव सह अवर न्यायाधीश राकेश रोशन ने पीड़ित से संबंधित कानून व उसके पुनर्वास से संबंधित कानून, योजना, कुमार विमलेंदु ने पोक्सो एक्ट से संबंधित कानून के विषय में बताया। डालसा सचिव ने बताया कि कार्यशाला में तमाम न्यायिक पदाधिकारी, बार एसोसिएशन के उपाध्यक्ष, महासचिव जीतेंद्र कुमार, लोक, अवधेश कुमार, अपर एवं सहायक लोक अभियोजक, विभिन्न थानों के पदाधिकारी, पारा लीगल वालंटियर, डालसा के पैनल अधिवक्ता, एलएडीसीएस के चीफ कुमार विमलेंदु, डिप्टी चीफ अजय कुमार भट्ट, सहायक कन्हैया लाल ठाकुर, नीरज गोयल, शैलेन्द्र झा, सुमन पाठक, स्वाति, मुस्कान समेत दर्जनों लोग उपस्थित थे।

जेल अदालत में दो बंदी रिहा

धनबाद (कासं) : जिला विधिक सेवा प्राधिकार के तत्वावधान में रविवार को धनबाद जेल में जेल अदालत व मेडिकल शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में अवर न्यायाधीश ऐंजोलिना जोन, प्रथम श्रेणी न्यायिक दंडाधिकारी ने मुकदमो की सुनवाई कर आनस्पाट फैसला सुनाया।

इस बावत जानकारी देते हुए प्राधिकार के सचिव सह अवर न्यायाधिश राकेश रोशन ने बताया कि जेल अदालत में निपटारे के लिए ६ केस चिन्हित किए गए थे जिसमे दो मुकदमे का निष्पादन कर बंदी आशीष मांझी व आशीष कुमार को मुक्त करने का आदेश दिया गया। वहीं डॉक्टर राजीव कुमार के नेतृत्व में सात सदस्यीय मेडिकल टीम ने बंदियों के स्वास्थ्य की जांच की। दूसरी ओर न्यायिक पदाधिकारी व लीगल एड डिफेंस काउंसिल की टीम द्वारा बंदियों को विभिन्न कानूनो की जानकारी विधिक जागरूकता शिविर के माध्यम से दी गई। मौके पर एलडीसीएस के डिप्टी चीफ अजय कुमार भट्ट, सहायक कन्हैया लाल ठाकुर, नीरज गोयल, शैलेन्द्र झा, कारा अधीक्षक ,डालसा सहायक, अरुण कुमार व राजेश सिंह आदि उपस्थित थे।

सभी अस्पताल करें आयुष्मान कार्डधारियों का इलाज : ब्रजेंद्र सिंह

धनबाद (कासं) : जिला बीस सूत्री के उपाध्यक्ष सह अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के सदस्य ब्रजेंद्र प्रसाद सिंह ने धनबाद उपायुक्त से कहा है कि धनबाद जिले के साथसाथ पूरे झारखंड में ऐसी शिकायतें मिल रही हैं कि कई अस्पतालों में आयुष्मान कार्ड धारी के मरीजों को अस्पताल में भर्ती होने के बाद उनसे पैसे की मांग की जाती हैं और मरीजों के साथ दुर्व्यवहार की भी सूचना मिली है। उन्होंने कहा है कि सरकार इस पर कड़ी कार्रवाई करें। क्योंकि अस्पतालों को सरकार के द्वारा पैसे का भुगतान भी किया जाता है। ऐसी स्थिति में निजी अस्पतालों के संचालकों द्वारा आयुष्मान कार्ड धारी या ७० वर्ष से अधिक उम्र के बुजुर्गों को हर अस्पताल में इलाज ठीक से हो और किसी तरह का संचालकों द्वारा आनाकानी नहीं किया जाए। श्री सिंह ने धनबाद उपायुक्त माधवी मिश्रा से आग्रह किया है कि वैसे अस्पतालों को चिन्हित कर करवाई की जाए तथा उनको उस परिधि से निकाल दिया जाए।

गुरु नानक कॉलेज में विंटर रिलीफ कैंप

धनबाद (कासं) : गुरुनानक कॉलेज के बीसीए विभाग के रोटरेक्ट क्लब के द्वारा विंटर रिलीफ कैंप का आयोजन किया गया। प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी दिसंबर के इस कड़ाके ठंडी में गरीबों को राहत उपलब्ध कराने के लिए आयोजन बैंक मोड़ बड़ा गुरुद्वारा परिसर में हुआ। इस कैंप में जरूरतमंदों के बीच ७० कंबल एवं गर्म कपड़े बांटे गए।

मौके पर महाविद्यालय शससि निकाय के अध्यक्ष सरदार आर एस चहाल, सचिव सरदार डी एस ग्रेवाल, महाविद्यालय के प्राचार्य डॉक्टर संजय प्रसाद, बीसीए विभाग की को-ऑर्डिनेटर एवं रोटरएक्ट क्लब की मॉडरेटर प्रोफेसर पुष्पा तिवारी, बीबीए विभाग के कोऑर्डिनेटर प्रोफेसर संजय सिंहस, बीसीए विभाग से प्रोफेसर उदय सिन्हा,कौशिक मुखर्जी, प्रियंका कुमारी, गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी सदस्यों की विशेष उपस्थिति रही। कैंप का आयोजन में शिवम, रोहित, अनुराग, आदित्य, रिया, अंजलि, उत्कर्ष, यश, अमृत, रोहन एवं अन्य सदस्यों की विशेष योगदान सराहनीय रही।

विधायक चंद्रदेव महतो ने किया पैक्स का उद्घाटन

गोविंदपुर (ससे) : गोविंदपुर ऊपर बाजार पलटनटांड़ स्थित गोविंदपुर पैक्स में धान क्रय केंद्र का उद्घाटन रविवार को विधायक चंद्रदेव महतो ने किया। उन्होंने किसानों से बिचौलियों को धान न देकर इस पैक्स में धान बिक्री करने की अपील की। विधायक ने इस धान खरीद की भी शुरुआत की और प्रथम दिन करीब ४० क्विंटल धान खरीदा गया। पैक्स अध्यक्ष मथन सेन एवं प्रबंधक कंसारी चंद्र दास ने विधायक का स्वागत किया। इस अवसर पर बीसीओ सुनील कुमार अग्रवाल, झामुमो नेता एजाज अहमद, माथुर अंसारी, बिराजपुर पैक्स प्रबंधक सुब्रत सिंह चौधरी, गोविंदपुर व्यापार मंडल अध्यक्ष समरेश चौधरी, लुकमान अंसारी, माले नेता जयजीत मुखर्जी, सोनू शर्मा, पंकज कुमार, रामेश्वर महतो, पुनु लाल महतो, असलम अंसारी, बहादुर मंडल, तपन चंद्र दास, चांद हसन आदि मौजूद थे।

एफसीआईएल टाउन की नहीं रहेगी बिजली

सिंदरी (ससे) : सोमवार की सुबह ९ बजे से लगभग दोपहर १२ बजे तक एफसीआईएल टाउन की बिजली नहीं रहेगी। झारखंड विद्युत बोर्ड के सिंदरी जूनियर इंजीनियर शशि मुंडा ने बताया कि डीबीसी मेंटेनेंस का काम करेगी। जिसके कारण सिंदरी शहर की एफसीआई वाली लाइन की ३५ नंबर फीडर और ९ नंबर फीडर की लाइन बाधित रहेगी।

क्रॉस कंट्री रेस में खिलाड़ियों ने दिखाया दमखम

धनबाद (कासं) : जिला क्रॉस कंट्री रेस में २०० से अधिक खिलाड़ियों ने भाग लिया। धनबाद जिला रेफरी और अंपायर संगठन के सचिव सुनील मिश्रा ने झंडा उत्तोलन कर रेस का उद्घाटन किया। रेस प्रारंभ बालक बालिका १४ वर्ष से प्रारंभ हुआ।

बालक १४ वर्ष- अरब कुमार प्रथम, विवेक कुमार द्वितीय, सौरव कुमार तृतीय, बालक १६ वर्ष -अंकित कुमार राम प्रथम, बिट्टू कुमार यादव द्वितीय, सनी कुमार पंडित तृतीया, बालक १८ वर्ष-राजू रजवार प्रथम, सागर कुमार महतो द्वितीय, छोटू कुमार तृतीय, बालक २० वर्ष - अभिषेक हजारी प्रथम, संतोष कुमार यादव द्वितीय, सुमित कुमार महतो तृतीया, पुरुष वर्ग में-रितिक कुमार रजवार प्रथम, विजय रवानी द्वितीय, सुमित यादव तृतीय, बालिका १४ वर्ष- श्रेया राज प्रथम, सलोनी कुमारी द्वितीय, अनन्या कुमारी तृतीय, बालिका १६ वर्षकिरण कुमारी प्रथम, प्रियंका कुमारी द्वितीय, राधा कुमारी तृतीय, बालिका १८ वर्षमोनिका कुमारी प्रथम, तनु कुमारी द्वितीय, आशा कुमारी तृतीय, बालिका २० वर्ष- रूबी कुमारी प्रथम, फाल्गुनी कुमारी द्वितीय, विद्या कुमारी तृतीय, महिला वर्ग में- मिस्टी कुमारी प्रथम, स्वेता कुमारी द्वितीय, पूजा कुमारी तृतीय, इस अवसर पर संघ के अध्यक्ष किरण रानी नायक कोषाध्यक्ष मोहम्मद जुबेर आलम, तारकनाथ दास, सुनील मिश्रा, एस. एन. गुप्ता, अभिजीत पत्र, विनय शर्मा, जयराम भगत, अरविंद तिवारी, पी.एन बनर्जी, पंकज कुमार, कृष्णपद महतो, मिथुन गोराई, सुजेश ठाकुर, प्रदीप घोष, भूपेंद्र महतो, शेखर कुमार, प्रदीप कुमार, राजेश राम, मोहम्मद फरीद, जे.पी. तिवारी आदि। ने रेस को संचालन किया यह जानकारी जिला एथलेटिक्स संघ के सचिव बंधन टोप्पो ने दी।

सीआईएसएफ ने अंतर सीएपीएफ वादविवाद प्रतियोगिता जीती

धनबाद (कासं) : शनिवार को केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल ने एक बार फिर राष्ट्रीय मानवाधिकार के तत्वावधान में सीमा सुरक्षा बल द्वारा आयोजित २९वीं इंटर सीएपीएफ वाद-विवाद प्रतियोगिता में ओवरऑल सर्वश्रेष्ठ टीम रोलिंग ट्रॉफी जीती है। आयोग (एनएचआरसी), अटलअक्षय उर्जा भवन, लोधी रोड, नई दिल्ली। यह जीत सीआईएसएफ द्वारा इस प्रतिष्ठित ट्रॉफी की १०वीं सफल जीत है और यह बल के निरंतर प्रदर्शन और बौद्धिक क्षमता को भी प्रदर्शित करती है। प्रतिवर्ष आयोजित होने वाली यह प्रतियोगिता सीएपीएफ कर्मियों के लिए मानवाधिकार मुद्दों पर अपने ज्ञान और समझ को प्रदर्शित करने के लिए एक महत्वपूर्ण मंच के रूप में कार्य करती है।

एसआई/एक्सई राहुल कुमार एवं सहायक. कमांडेंट कान्हा जोशी ने हिंदी भाषा वर्ग में क्रमशः दूसरा और तीसरा स्थान हासिल किया, जबकि अंग्रेजी भाषा वर्ग में सहायक कमांडेंट अक्षय बडोला और सहायक कमांडेंट भास्कर चौधरी ने क्रमशः दूसरा और तीसरा स्थान जीता।

सीआईएसएफ टीम की जीत उनके उत्कृष्ट वक्तृत्व कौशल, गहन शोध और मानवाधिकारों की गहरी समझ के कारण है। राष्ट्रीय औद्योगिक सुरक्षा अकादमी (एनआईएसए) में उनके प्रशिक्षण ने भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

एनएचआरसी वादविवाद प्रतियोगिता में मुख्य जूरी सुश्री ज्योतिका कालरा, एनएचआरसी की पूर्व सदस्य, जूरी सदस्य प्रोफेसर डॉ. जीएस बाजपेयी, एनएलयू दिल्ली के वीसी और डॉ. ईश कुमार, आईपीएस, सतर्कता के पूर्व महानिदेशक शामिल थे। और प्रवर्तन. सभी आठ सीएपीएफ अर्थात; प्रतियोगिता में सीआरपीएफ, बीएसएफ, सीआईएसएफ, आईटीबीपी, एसएसबी, एनएसजी, आरपीएफ और असम राइफल्स ने भाग लिया, जिसे तीन चरणों में आयोजित किया गया था। प्रत्येक चरण के विषय इस प्रकार थे। मानवाधिकारों की चिंता करने वाला पुलिस बल अधिक प्रभावी हो जाता है; सुरक्षा बल मानवाधिकारों के सर्वोच्च संरक्षक हैं; और हिरासत में मौत किसी भी स्थिति में स्वीकार्य नहीं है।

यह उपलब्धि मानव अधिकारों के प्रति सीआईएसएफ के समर्पण, जागरूकता को बढ़ावा देने और अपने रैंकों के भीतर बौद्धिक विकास को बढ़ावा देने को दर्शाती है। यह सीआईएसएफ कर्मियों की उल्लेखनीय प्रतिभा और समर्पण को भी उजागर करता है, जो अपनी पेशेवर जिम्मेदारियों के अलावा, महत्वपूर्ण सामाजिक मूल्यों को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं।

बांग्लादेश के विरुद्ध ठोस निर्णय लें केंद्र सरकार : विहिप

झरिया (ससे) : विश्व हिंदू परिषद व बजरंग दल द्वारा रविवार को मैन रोड देशबंधु सिनेमा घर के समीप गीता जयंती का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में केंद्रीय प्रवासी मंडल सदस्य जगन्नाथ शाही ने शिरकत की। कार्यक्रम के पूर्व झरिया के विभिन्न क्षेत्रों से भव्य शोभा यात्रा जुलूस निकाली गई। जुलूस में सैकड़ों कि संख्या मे बीएचपी और बजरंग दल के कार्यकर्ता शामिल हुए। जिसके बाद जुलूस देशबंधु सिनेमाघर के समीप सभा स्थल पहुंचा। जहां मंच पर उपस्थित विश्व हिंदू परिषद के सभी पदाधिकारियों को पुष्प गुच्छ और भगवा अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया।

मुख्य अतिथि जगन्नाथ शाही को विश्व हिंदू परिषद व बजरंग दल ने तलवार भेंट की। विश्व हिंदू परिषद के धनबाद जिला कोषाध्यक्ष अमित अग्रवाल ने बताया कि कार्यक्रम का मकसद हिंदुओं को एकजुट करना और गीता जयंती के प्रति हिंदू समाज जागरूक करना है। बांग्लादेश मे हो रहे हिंदुओं पर अत्याचार की अमित अग्रवाल ने घोर निंदा करते हुए उग्र आंदोलन की चेतावनी तक दे डाली। इस दौरान कांग्रेस के कार्यकर्ता रहे सुनील सिंह ने मंच पर विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल के झरिया नगर के सक्रिय कार्यकर्ता के रूप में उन्होंने सदस्यता ली है। विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल के नेताओं ने उन्हें अंगवस्त्र और तलवार भेंट करके उनका परिषद में स्वागत किया गया।

वर्तमान समय में हिंदू समाज को जागृत करने की आवश्यकता है बांग्लादेश में हो रहें हिंदू के ऊपर हो रहे अत्याचार को लेकर एक जूट होने की आवश्यकता है विश्व हिंदू परिषद के जिला कोषाध्यक्ष अमित अग्रवाल ने कहा कि बांग्ला देश में हों रहे अत्याचार के विरुद्ध केंद्र सरकार जल्ट से जल्द ठोस निर्णय ले जगन्नाथ शाही ने कहा कि आज के दिन हिंदुओं को एकजुटता का संकल्प लेने का दिन है। सभी हिंदू एकजुट होकर भारतवर्ष को महान बनाना है। उन्होंने कहा कि जो बाहर से आए लोग भारत के भूमि पर रह कर सनातन के संस्कृति को नष्ट कर रहे हैं उनके लिए इस देश में कोई जगह नहीं है उनको अपना रास्ता नापना चाहिए साथ ही। जिहादि मानसिकता वाले लोगों के लिए भारत में कोई जगह नहीं उसे भारत छोड़ के जाना ही होगा। ५५ पीढ़ियों से भारत संघर्ष कर रहा है अब अपना रूप में आने वाला है। अब समय आ गया है जब हिंदुओं को एक होने की आवश्यकता है। मंच पर उपस्थित अन्य विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल के नेताओं ने बताया कि विश्व हिंदू परिषद ने धनबाद जिले में दो प्रखंडों को जोड़ा गया है। जिसमें धनबाद प्रखंड को दो भागों में बांटा गया है और झरिया प्रखंड में लोदना को अलग करके एक प्रखंड बढ़ाया गया है। बताया गया कि गीता जयंती को श्रीमद् भगवद गीता के जन्म के प्रतीक के रूप में भी देखा जाता है क्योंकि इसी दिन भगवान श्रीकृष्ण ने युद्ध भूमि में अर्जुन को गीता का उपदेश दिया था. बताया जाता है कि भगवत गीता हिंदू धर्म के प्रमुख ग्रंथों में में शामिल है, जिसे बहुत ही पवित्र माना जाता है साथ ही आज के वर्तमान समय में सबसे अधिक पढ़े जाने वाला ग्रंथों में से एक है। जिसकी लोक प्रियता न सिर्फ भारत में ही नहीं बल्कि विदेशों में भी बढ़ती जा रही है .गीता में मानव मात्र के भलाई को लेकर कई बाते भी बताई गई है। कार्यक्रम में मुख्य रूप से प्रांतीय धर्माचार्य प्रमुख बलदेव पांडे, उमाशंकर तिवारी,हरीश जोशी, सोनू गिरी, देवकीनंदन पांडे, मधुसूदन अग्रवाल, दीपक मंडल, लालू झा, मंटू कुमार समेत विश्व हिंदू परिषद एवं बजरंग दल के कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

डी.बी. पब्लिकेशन्स प्रा. लि. के लिए जोड़फाटक रोड, धनबाद से राजेन्द्र कुमार अग्रवाल द्वारा मुद्रित एवं अंजना अग्रवाल द्वारा प्रकाशित. संपादक -गणेश मिश्रा. फोन -9431726337
e-mail : biharobserver@gmail.com RNI No- 58991/95. * पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन एवं प्रकाशन के लिए गणेश मिश्रा जिम्मेवार होंगे एवं समस्त विवाद धनबाद न्यायालय के अधीन होंगे

दास इंटर प्राइजेज में छापा, दो ट्रैक्टर व कोयला जब्त

निरसा (ससे) : निरसा थाना क्षेत्र के चापापुर बेनागढ़िया रोड कांटावन जंगल स्थित दास

एंटरप्राइजेज में शनिवार देर रात एसओजी टीम एवं निरसा एसडीपीओ रजत मानिक बाखला के नेतृत्व में छापेमारी की गयी।

छापेमारी में दो ट्रैक्टर एवं डेढ़ सौ टन कोयला जब्त करने में टीम को सफलता हाथ लगी। फैक्टरी में उपस्थित लोग अंधेरे का फायदा उठाकर भागने में सफल रहे। बताया जाता है कि जिस वक्त टीम फैक्टरी में छापेमारी करने पहुंची उस वक्त ट्रैक्टर से चोरी का कोयला अनलोड किया जा रहा था। पुलिस ने जब्त करीब डेढ़ सौ टन कोयला समेत दो ट्रैक्टरों को थाना ले आयी। एसडीपीओ रजत मानिक बाखला ने बताया कि फैक्टरी मालिक दास समेत संचालक व अन्य के खिलाफ मामला दर्ज करने की प्रक्रिया की जा रही है। धनबाद जिले में अवैध खनन व कोयला चोरी पर अंकुश लगाने को जारी चिंतन व मंथन कागजों तक ही सिमट कर रह जा रहा है।

हकीकत में अंकुश लगाने से संबंधित अधिकारियों के दिशा-निर्देश व विशेष अभियान हाथी के दांत साबित हो रहे हैं। दिखावे के लिए कुछ स्थानों पर छापेमारी व कोयला जब्ती की कार्रवाई जरूर होती है, कुछ गाड़ियां भी पकड़ी जाती हैं, परंतु अंत में स्थिति ढाक के तीन पात जैसी हो जाती है. यही कारण है कि जिले में सक्रिय कोयला तस्करों के सिंडिकेट पर कार्रवाई का कोई खास असर नहीं दिखता।

आलम यह है कि जिले के झरिया, निरसा व बाघमारा कोयलांचल में एक बार फिर पूरे हनक के साथ कोयले की तस्करी शुरू हो गयी है। पुलिस के इस कार्रवाई से क्षेत्र के कोयला तस्करों के बीच हड़कंप मच गया है। वहीं दिन के उजाले में भी धड़ल्ले से हो रही कोयले की चोरी, पुलिस व अधिकारी मौन। ईसीएल के मुगमा क्षेत्र के विभिन्न इलाकों से रात तो रात, दिन के उजाले में भी खुलेआम कोयले की चोरी हो रही है. यहां 'बाइकर्स गैंग' कोयला तस्करों के अगुवा बने हुए है. कुछ तो आउटसोर्सिंग कंपनी की मशीनों से कट रहे कोयले में से उठा लेते हैं।

आयुष्मान योजना के 70 लाभुकों का रजिस्ट्रेशन

धनबाद (कासं) : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रयास से ७०+ बुजुर्ग अभिभावकों के स्वास्थ्य योजना के तहत लागू आयुष्मान भारत योजना के तहत मुफ्त इलाज की सुविधा देने की घोषणा की गई है। जिसके तहत मटकुरिया सेवा समिति द्वारा दुर्गा मंडप मटकुरिया में कैंप लगाकर ७० वर्ष के ऊपर के बुजुर्गों के स्वास्थ्य की चिंता करते हुए आयुष्मान कार्ड के लिए नामांकन कैंप का उद्घाटन धनबाद विधायक राज सिन्हा ने किया। इस कैंप में लगभग १५० बुजुर्गों का आयुष्मान योजना के लाभुकों के रूप में रजिस्ट्रेशन किया गया।

आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (एबी-पीएमजेए) का लाभ अब ७० या इससे अधिक की आयु पूर्ण कर लेने वाले सभी बुजुर्ग ले सकते हैं। इसके तहत पांच लाख रुपये तक का प्रतिवर्ष निःशुल्क उपचार मिल सकेगा और परिवार पर रुपये का अतिरिक्त बोझ नहीं आएगा। उम्र बढ़ने के साथसाथ कई बीमारियां भी इंसान को घेरने लगती हैं। ऐसे में आयुष्मान भारत योजना उनके लिए सहूलियत की तरह होगी। मौके पर समिति के अध्यक्ष नितिन भट्ट, सचिव नरेंद्र शर्मा (राजू), कोषाध्यक्ष मंजित सिंह, सह सचिव लक्ष्मीकांत चावड़ा, पूर्व अध्यक्ष चन्द्रिका सिंह, पूर्व सचिव राजेश प्रसाद, पूर्व सचिव पिंटू सिंह, विकास जैन, बिनोद गुप्ता, हरीश जोशी, प्रभात रंजन, गोपू सिन्हा, प्रीतपाल सिंह आजमानी, शिवेंद्र सिंह सोनू, भावेश सिंह, अमिताभ गुप्ता, राहुल गुप्ता, रोहित शर्मा, मनोज राय, जीतू गुप्ता, शुभम सिंह, विशाल प्रसाद, परशुराम पासवान, नीरज सिन्हा गुड्डू सहित दर्जनों लोग उपस्थित रहे।

कुरियर कंपनी के गोदाम से 10 लाख की चोरी

कतरास (ससे) : बाघमारा थाना अंतर्गत डुमरा हरिणा रोड पर स्थित एक कुरियर कम्पनी के गोदाम में चोरों ने करीब १० लाख की संपति चोरी कर ली। गोदाम के लॉकर में रखे लगभग १० लाख रुपये लॉकर सहित ले उड़े। समीप के झाड़ियों में ही टूटा हुआ लॉकर भी मिला है। अपराधियों ने गोदाम का ताला तोड़कर घटना को अंजाम दिया। घटना में गोदाम में रखे सभी सामान सुरक्षित हैं।

गोदाम में लगे सीसीटीवी में घटना कैद हो चुकी है। पुलिस को सूचना देने के बाद पुलिस मामले की तफ्तीश में जुट गई है। साथ ही घटना की सूचना कम्पनी के उच्चाधिकारियों को दे दी गयी है।

बीसीसीएल में अखिल भारतीय खदान बचाव प्रतियोगिता शुरू

धनबाद (कासं) : डीजीएमएस के तत्वाधान में भारत कोर्किंग कोल लिमिटेड के धनसार स्थित खदान बचाव स्टेशन के सौजन्य से ५३वीं अखिल भारतीय खदान बचाव प्रतियोगिता का शुभारंभ होगा। यह प्रतिष्ठित अखिल भारतीय प्रतियोगिता १६ दिसंबर से १९ दिसंबर तक चलेगी, और समापन समारोह २० दिसंबर २०२४ को आयोजित किया जाएगा।

इस पांच दिवसीय आयोजन में देशभर की १८ कंपनियों (कोयला क्षेत्र की १२ और धातु क्षेत्र की ६ कंपनियां) की कुल ३२ टीमें भाग लेंगी। इन टीमों का प्रतिनिधित्व खनन क्षेत्र के प्रमुख संगठनों द्वारा किया जाएगा, जिसमें बीसीसीएल, कोल इंडिया लिमिटेड की अन्य सहायक कंपनियां, निजी क्षेत्र की खनन कंपनियां और धातु खनन क्षेत्र की प्रमुख कंपनियां शामिल हैं।

प्रतियोगिता से पहले आज का दिन विभिन्न तैयारियों और बैठक के लिए निर्धारित था। दिन की शुरुआत टीम पंजीकरण से हुई। इसके बाद टीम कप्तानों द्वारा खदान निरीक्षण किया गया। शाम ४:१५ बजे बीसीसीएल के गेस्ट हाउस में प्रेस कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया। श्याम मिश्रा, उप महानिदेशक, डीजीएमएस और इस प्रतियोगिता के मुख्य निर्णायक शंकर नागचारी, निदेशक (तकनीकी), पीएंडपी, बीसीसीएल अरुण कुमार, महाप्रबंधक, एसएंडआर, बीसीसीएल पी. आर. मुखोपाध्याय, रेस्क्यू अधीक्षक, एमआरएस, धनसार प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान, श्याम मिश्रा, उप महानिदेशक, डीजीएमएस ने कहा कि यह प्रतियोगिता खनन क्षेत्र में सुरक्षा और बचाव कार्यों की प्रभावशीलता को बढ़ाने का एक महत्वपूर्ण मंच है। यह न केवल बचावकर्मियों को अपने कौशल में सुधार करने का अवसर प्रदान करती है, बल्कि खदानों में सुरक्षा उपायों को भी सुदृढ़ बनाती है। मुझे विश्वास है कि यह आयोजन खदान बचाव प्रथाओं में उत्कृष्टता और टीम भावना को बढ़ावा देगा।

शंकर नागचारी, निदेशक (तकनीकी), बीसीसीएल, ने कहा कि बीसीसीएल को इस प्रतिष्ठित आयोजन की मेज़बानी करते हुए गर्व हो रहा है। यह प्रतियोगिता खनन क्षेत्र में सुरक्षा के उच्चतम मानकों को स्थापित करने और खदान बचाव कर्मियों की दक्षता को बढ़ावा देने का प्रयास है। हमें विश्वास है कि इस आयोजन से खदान सुरक्षा के प्रति जागरूकता और नवाचार को बढ़ावा मिलेगा।

प्रतियोगिता के दौरान स्टैच्यूटरी, फर्स्ट एड, फ्रेश एयर बेस, कंप्यूटर बेस्ड टेस्ट (ब्ठज), रेस्क्यू रिकवरी, रिले रेस, रोपवे रेस्क्यू, अग्निशमन, कैप्टन की रिपोर्ट आदि जैसी विभिन्न प्रतियोगिताओं और गतिविधियों का आयोजन होगा।

युवक ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

जोड़ापोखर (ससे) : जोड़ापोखर थाना क्षेत्र के नूनीडीह सात नंबर मोहल्ला निवासी महेंद्र पंडित के २५ वर्षीय पुत्र सूरज पंडित ने रविवार को अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतक युवक अविवाहित था तथा तीन भाइयों में सबसे छोटा था। बताते हैं कि मृतक युवक सूरज पिछले कई माह से मानसिक रूप से विक्षिप्त था। उसका इलाज कराया जा रहा था। इस दौरान वह मोहल्ला में लोगों के साथ तरह तरह के अव्यवहार करते रहता, जिससे लोग परेशान थे। शुक्रवार को उसने मुहल्ले के एक लड़का के साथ अभद्रता से मारपीट करने लगा, तभी उसके पिता और दोनों भाई विजय पंडित तथा चंदन पंडित ने सूरज की हरकतों से परेशान होकर उसको पकड़कर एक कमरा में बंद कर दिया। रविवार की दोपहर में भाई चंदन जब खाना लेकर उसके कमरा में गया तो सूरज को औरतों वाली एक स्टॉल की बनी फांसी के फंदे में एक कुर्सी के सहारे छत से लटका पाया। इस दौरान निवर्तमान पार्षद जय कुमार ने पहुंचकर स्वजन को सहयोग करते हुए सांत्वना दिया।

बकाएदारों के बैंक खाता फ्रिज करने की कार्रवाई शुरू

निरसा (ससे) : चिरकुंडा नगर परिषद क्षेत्र में होल्डिंग बकाएदार उपभोक्ताओं की अब खैर नहीं। बकाएदारों को विभाग द्वारा तीन नोटिस भेजे जाने के बावजूद भी अब तक उपभोक्ताओं द्वारा बकाए पैसे को जमा नहीं किया गया है। जिस कारण विभाग द्वारा उनलोगों के बैंक खाता को फ्रिज करने की कार्रवाई शुरू कर दी गई है। इसकी जानकारी देते हुए विभाग के कार्यपालक पदाधिकारी विजय कुमार हांसदा व सिटी मैनेजर मुकेश निरंजन ने कहा कि क्षेत्र में विभाग द्वारा ४६ होल्डिंग बकाएदार उपभोक्ताओं के खिलाफ करीब १० लाख रू बकाया होने के कारण विभाग द्वारा तीन नोटिस भेजा गया है फिर भी अभी तक इन बकाएदारों द्वारा बकाए पैसों को जमा नहीं किया गया है। उन्होने कहा कि वैसे होल्डिंग धारी ७ दिनों के अंदर नगर परिषद कार्यालय में आकर अपना बकाया होल्डिंग टैक्स का भुगतान कर दें अन्यथा झारखंड नगरपालिका अधिनियम की धारा१८४ के क्रम संख्या १६.१ के तहत उनके बैंक खाता को फ्रिज करने की कार्रवाई शुरू कर दी जाएगी।

बंगलादेश में हिंदुओं पर अत्याचार के खिलाफ नुक्कड़ सभा

सिंदरी (ससे) : रविवार को बंगलादेश में सनातनी हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार व नरसंहार के खिलाफ मंगलवार की संध्या मे आरती कर मुंजा मोड़ से होते हुए वीर कुंवर सिंह चौक

पर जुटकर नुक्कड़ सभा कर पुतला दहन किया। नरसंहार के खिलाफ आवाज बुलंद किया। एकजुटता के साथ आवाज बुलंद करते हुए पक्ष विपक्ष को संदेश दिया जाएगा की बंगलादेश में हो रहे अत्याचार पर अविलंब रोक लगाने हेतु एकीकृत संदेश दें।

प्रेस वार्ता में शामिल हुए सनातनी सभ्यता संस्कृति उत्थान समिति अध्यक्ष प्रशांत कुमार दुबे ने कहा कि सभी शांतिप्रिय सनातनी धर्मावलंबी बंगलादेशि सनातनी हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार से बहुत हीं दुखी मर्माहत हैं।

हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार को अविलंब बन्द करवाते हुए बंगलादेश की सरकार और अविलंब सभी बंगलादेश में मौजूद आतंक परस्त सनातनी विरोधियों पर कार्रवाई करें। उमा शर्मा ने कहा कि अविलंब कार्रवाई हो। राघव तिवारी बोले की बंगलादेश में रह रहे सनातनी हिंदुओं को सुरक्षा दिया जाए। अभय शंकर पांडेय ने कहा कि शांतिप्रिय हिन्दुओं पर अत्याचार निंदनीय है जिसपर अविलंब रोक लगे। विदेशी सिंह ने कहा कि धार्मिक आधार पर उन्माद फैलाने वाले कट्टरपंथीयों पर अविलंब कार्रवाई हो।

कार्यक्रम में पुर्व पार्षद मंदिर सचिव वरिष्ट भाजपा नेता दिनेश सिंह, राम प्रयाग सिंह, राम सुंदर दुबे, कोषाध्यक्ष सुरेन्द्र सिंह, विदेशी सिंह, प्रशांत कुमार दुबे, बहादुर तिवारी, अभय शंकर पांडेय, बिनोद कुमार प्रसाद, राजु तिवारी, अनामिका तिवारी, उमा शर्मा, अनिता श्रीवास्तव, राजेन्द्र राय, शैलेन्द्र कुमार, भरत सिंह, जीवीतेश जलज, राघव तिवारी, बिंदेश्वर सिंह, भाजपा कोषाध्यक्ष रामजी सिंह, बद्री सिंह, नकुल सिंह, सुमन सिंह चौहान, हीरालाल गुप्ता, संतोष सिंह, विजय जयसवाल, उमेश प्रसाद, योगेन्द्र प्रसाद, रामजन्म मिश्रा, उपस्थित होकर बंगलादेश में हो रहे अत्याचार का विरोध किया।

सड़क दुर्घटना में एक घायल

निरसा (ससे) : रविवार की शाम मैथन मेगनेट समीप असंतुलित स्विफ्ट कार सड़क किनारे खड़ी पल्सर को रौंदते हुए पेड़ से टकरा गयी। वही पल्सर के सहारे खड़े प्रीतम बाउरी उर्फ़ प्रेम

गंभीर रूप से घायल हो गया। उस टक्कर से प्रेम करीब १० मीटर दूर जा गिरा। उसे स्थानीय लोगों के सहयोग से मैथन स्थित बीपी नियोगी अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां उसकी इलाज चल रही है। वही उसके साथ पल्सर में बैठे कर्ण साव कार के धक्के से गिर पड़ा। जिसमें उसे मामूली चोट आई है। इधर, वहीं पर उपस्थित मैथन पुलिस कार में सवार एक युवक को पकड़कर थाने ले आई। घटना के संबंध में घायल के दोस्तों ने जानकारी देते हुए कहा कि हम लोग मैथन से लौटकर में मेगनेट के पास खड़े थे। तभी अचानक तेज रफ्तार में स्विफ्ट कार दूसरी तरफ खड़ी पल्सर को रोंदते हुए उसपर चढ़कर सीधे सामने पेड़ से टकराई। अन्यथा कई लोग और इसके चपेट में आ जाते। बता दे की नव वर्ष के आगमन को लेकर रोजाना मैथन में सैकड़ों लोगों का आनाजाना शुरू हो गया है। वहीं इसी बहाने कई लोग शराब का भी सेवन करते हैं। उसके बाद वाहन चलाने के क्रम इस तरह की दुर्घटना देखने को मिलती है।

टैलेंट हंट क्विज कंपटीशन आयोजित

धनबाद (कासं) : रविवार को आजाद नगर स्थित मदर हलीमा स्कूल में साथी फाउंडेशन के द्वारा हर साल की तरह इस साल भी टैलेंट हंट क्विज कंपटीशन का आयोजन किया गया जिसमें धनबाद जिला के प्राइवेट और गवर्नमेंट स्कूल और कॉलेज के छात्र एवं छात्राएं इस प्रतियोगिता में भाग लिए जिसमें कक्षा ४ से १२ के ५५० बच्चे इस प्रतियोगिता में भाग लिए। वहीं मीडिया को बताते हुए साथी फाउंडेशन के संचालक सह सचिव इरफान आलम ने कहा कि हर साल इस तरह के प्रतियोगिता कराने से बच्चों के बीच एक अलग उत्साह रहता है क्योंकि इससे बच्चों के सामान्य ज्ञान का पता चलता है।

संस्था का उद्देश्य है कि बच्चे बिना किसी भय के प्रतियोगिता प्रतीक्षा मे सम्मिलित हों और स्वावलंबी बनें और उनके अंदर सेल्फ कॉन्फिडेंस का सृजन हो। प्रतियोगिता के आयोजन में स्पॉन्सर्ड में जॉब वाले एकैडमी, पाठक प्रतियोगिता प्वाइंट, ग्लोबल स्कूल आफ इंडिया, माया डिजिटल स्टूडियो का विशेष योगदान रहा। वहीं इस प्रतियोगिता को सफल बनाने में साथी फाउंडेशन संस्था की सदस्य तैय्यबा परवीन, नीमा परवीन, वॉलंटियर में अलकमा परवीन, सबा परवीन, कलीमुद्दीन खान, तरन्नुम परवीन, सोनम परवीन, कैफ रूमान, संयम जमन, शिक्षिका सानिया आशिक, तरन्नुम खातून, फिरदौस आलिया, आजमा खातून आदि की सराहनीय भूमिका रही।

आप अपने गुरु व ईश्वर से प्रेम करना सीखें : ब्रह्मचारी प्रह्लादानन्द

कृष्ण बिहारी मिश्र

आप का समय किनके साथ ज्यादा बीतता है? आप कहां ज्यादा समय बीताते हैं? यह निर्णय आपके जीवन में काफी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। अगर आपके साथ रहनेवाले सही लोग हैं। तब ऐसे में आपका जीवन सकारात्मकता की ओर जायेगा, आप बेहतर स्थिति में होंगे, आपका सामान्य जीवन भी शाश्वत आनन्द की ओर प्रेरित होता रहेगा। लेकिन अगर ऐसा नहीं हैं तो फिर आपके जीवन में आत्मपरिवर्तन की यात्रा की बात भी व्यर्थ है। ये बातें आज योगदा सत्संग आश्रम में आयोजित रविवारीय सत्संग को संबोधित करते हुए ब्रह्मचारी प्रहलादानन्द ने योगदा भक्तों के बीच में कही।

उन्होंने कहा हर व्यक्ति चाहता है कि वो शांति और आनन्द में रहे। लेकिन ये पल तभी आ सकता है। जब आपके उपर गुरु और ईश्वर की कृपा सदैव बनी रहे। आखिर गुरु और ईश्वर की कृपा कब किसी व्यक्ति के उपर होती हैं, क्या आपने कभी इस पर विचार किया है? जब तक आप स्वयं में परिवर्तन लाने की कोशिश नहीं करेंगे, आप की चेतना जागृत कैसे होगी? आप की चेतना उस सबकॉन्शियस मन, फिर उसके बाद सुपर सबकॉन्शियस मन तक कैसे पहुंचेगी?

उस सुपर सबकॉन्शियस मन तक पहुंचने के लिए आपको ध्यान की ओर आकृष्ट होना होगा। आपको गहरे ध्यान में जाना होगा, क्योंकि यह गहरा ध्यान ही आपको शांति और आनन्द के मार्ग की ओर ले जाने

को प्रेरित करेगा। ध्यान आत्मपरिवर्तन की यात्रा के लिए परमावश्यक है। इसे नजरंदाज नहीं किया सकता। उन्होंने कहा कि आपके जीवन में धैर्य और दयालुता का भी होना जरुरी है, क्योंकि ये ध्यान के लिए आवश्यक हैं।

उन्होंने कहा कि आत्मपरिवर्तन में गुरु जी की टीचिंग भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। उनके द्वारा बताये गई बातें जो पाठमालाओं में निहित हैं। उसका गहरा अध्ययन, उसे बारबार पढ़ने और समझने तथा उनके बताये मार्ग पर चलने का अभ्यास आपके जीवन को पूर्ण रूपेण परिवर्तित करने में सहायक है।

लेकिन ये सबके लिए सबसे पहले आपके अंदर इच्छाशक्ति का होना बहुत जरुरी है। अगर आपके अंदर इच्छाशक्ति है, तो आप अपने जीवन को परिवर्तन कर सकते हैं और अगर इच्छाशक्ति का अभाव है तो आप किसी भी हालत में आपका कोई भी कुछ भी नहीं कर सकता। क्योंकि जो करना है, वो आपको ही करना है, आपके अंदर शांति और आनन्द को प्रतिस्थापित करने के लिए आपका दूसरा कोई सहायक नहीं बन सकता। जो करना है, आपको ही करना है। इसलिए आपके अंदर इच्छाशक्ति का होना बहुत ही जरुरी है। ये इच्छाशक्ति भी गुरु और ईश्वर की कृपा से ही बलवती होती जाती है। इसलिए आप अपने गुरु और ईश्वर के प्रति प्रेम करना सीखें।

उन्होंने यह भी कहा कि आपके जीवन में जो अहं है। उसकी समाप्ति आवश्यक है। बिना अहं के परित्याग के आप की आत्मा शुद्ध नहीं हो सकती और न ही आप आत्मपरिवर्तन की ओर बढ़ सकते हैं। अहं सबसे बड़ी बाधा है, आपके आत्मपरिवर्तन में, इसलिए अहं का परित्याग कर स्वयं को ढूंढे और इसका सबसे सुंदर तरीका हैं योग और ध्यान, जो योगदा सत्संग के गुरुओं द्वारा बताई गई हैं। जितना आप इसमें डूबेंगे आप उतने ही आनन्द व शांति में स्वयं को पायेंगे।

संपादकीय

सामाजिक शांति के लिए महत्वपूर्ण कदम

पिछले कुछ समय से जिस तरह उपासना स्थलों पर दावेदारी की कोशिशें चल रही हैं, उसमें सर्वोच्च न्यायालय का ताजा निर्देश निश्चय ही राहत देने वाला है। न्यायालय की तीन जजों की पीठ ने देश की सभी अदालतों से कहा है कि वे पूजा स्थलों से संबंधित सर्वेक्षण या अन्य किसी प्रकार की राहत के लिए अनुरोध वाली याचिका पर विचार न करें या कोई अंतरिम या अंतिम फैसला न सुनाएं। वाराणसी के ज्ञानवापी मस्जिद परिसर को लेकर दावा किया गया था कि वहां पहले हिंदू मंदिर था। विवाद बढ़ गया तो न्यायालय के निर्देश पर उस स्थान का सर्वेक्षण कराया गया। फिर उसके तथ्यों के आधार पर मस्जिद परिसर के एक हिस्से में हिंदू श्रद्धालुओं को पूजा करने का आदेश दे दिया गया।

वह फैसला एक नजीर बन गया और फिर देश के विभिन्न हिस्सों में मस्जिदों के नीचे किसी हिंदू मंदिर के अवशेष दबे होने के दावे किए जाने लगे। उत्तर प्रदेश के संभल में एक मस्जिद को लेकर इसी तरह के दावे की याचिका पर निचली अदालत ने सर्वेक्षण का आदेश दे दिया। उस पर हिंसा भड़क उठी और पांच लोग मारे गए। उसके बाद अजमेर दरगाह के हिंदू मंदिर की जगह बने होने का दावा किया गया, तो वहां की अदालत ने उसके सर्वेक्षण का आदेश दे दिया। इन घटनाओं से विवाद बढ़ता गया।

हालांकि पूजा स्थलों पर ऐसे दावे कोई पहली बार नहीं किए जा रहे हैं। पहले भी अयोध्या के विवादित ढांचे के साथ-साथ अलग-अलग शहरों में मस्जिदों और दरगाहों को अवैध ठहराने की कोशिशें की गई थीं। उसी के मद्देनजर उपासना स्थल (विशेष प्रावधान) अधिनियम, 1991

बनाया गया। उसमें स्पष्ट कहा गया है कि 15 अगस्त, 1947 को विद्यमान उपासना स्थलों का धार्मिक स्वरूप वैसा ही बना रहेगा, जैसा वह उस दिन था। इसमें अयोध्या के विवादित ढांचे को इसलिए अलग रखा गया था कि उसे लेकर मामले पहले से चल रहे थे। मगर ज्ञानवापी मस्जिद सर्वेक्षण के बाद फिर से वैसे दावे शुरू हो गए और उपासना स्थल अधिनियम को नजरअंदाज किया जाने लगा।

अब तो सर्वोच्च न्यायालय में एक याचिका दायर कराई गई है कि उपासना स्थल अधिनियम की धारा दो, तीन और चार को रद्द करने का आदेश दिया जाए। इस पर सर्वोच्च न्यायालय विचार करेगा। इसलिए भी निचली अदालतें स्वतः पूजा स्थलों के स्वरूप परिवर्तन आदि के लिए दायर याचिकाओं पर सुनवाई टालने को बाध्य हैं। जब भी समान प्रकृति के किसी मामले पर सर्वोच्च न्यायालय सुनवाई कर रहा होता है, तो उस पर निचली अदालतों को अपनी सुनवाई रोक देनी होती है। उपासना स्थल अधिनियम से जुड़े मामलों पर भी यही नियम लागू होता है।

सर्वोच्च न्यायालय इस मामले में क्या फैसला करता है, देखने की बात है, मगर हमारे संविधान की मूल भावना क्या है, उस पर भी ध्यान देने की जरूरत है। हमारा संविधान पंथ निरपेक्षता और दूसरे धर्मों का आदर करने की वकालत करता है। वैसे भी हमारा इतिहास आक्रांताओं की ज्यादतियों से भरा पड़ा है। अगर उनकी बनाई इमारतों, पूजा स्थलों को ढहा कर उन पर नया स्वरूप खड़ा भी कर दिया जाए, तो वह इतिहास नहीं बदलेगा। इस तरह की बदले की कार्रवाइयों से सामाजिक समरसता ही भंग होगी। अच्छी बात है कि सर्वोच्च न्यायालय ने इस तरह की दावेदारी वाली याचिकाओं की सुनवाई पर रोक लगा दी है। मगर इसे लेकर अंतिम रूप से कोई व्यवस्था बनाने की दरकार है।

शतरंज : गुकेश सबसे कम उम्र के विश्व चैंपियन

खेलों में बने कीर्तिमान सबका ध्यान खींचते हैं। हालांकि इसके साथ ही कीर्तिमान अगले किसी मजबूत इच्छाशक्ति रखने वाले खिलाड़ी के लिए चुनौती होते हैं कि क्या वह इसे अपने हिस्से कर सकता है। भारतीय ग्रैंडमास्टर गुकेश दोम्माराजू शतरंज में जब कोई भी चाल चलने से पहले अपनी आंखें बंद कर अपने भीतर ध्यान केंद्रित करते हैं, तो यह एक संकेत होता है कि वे किसी भी चुनौती को पार सकते हैं या कोई भी चुनौती पेश कर सकते हैं। सिंगापुर में काफी उतार-चढ़ाव से भरे एक खिताबी मुकाबले में गुकेश ने जिस तरह पिछले विश्व चैंपियन चीन के डिंग लिरेन को अंतिम बाजी में मात दी, वह गुकेश के साथ-साथ भारत के हिस्से में एक ऐसी जीत के रूप में दर्ज हुई, जिसका इंतजार सभी देशवासियों को अरसे से था। भारत में शतरंज की राजधानी माने जाने वाले चेन्नई के रहने वाले गुकेश जीत के इस मुकाम तक इसके बावजूद पहुंचने में कामयाब रहे कि उनके परिवार में किसी ने उन्हें यह नहीं सिखाया या प्रेरित किया था। हालांकि इस खेल के प्रति उनकी प्रतिभा, दीवानगी और लगातार कई प्रतियोगिताओं में जीत के सफर के समांतर उनके माता-पिता ने अपनी सीमा में सब कुछ किया। दरअसल, गुकेश ने शतरंज की विश्व प्रतियोगिता में यह उपलब्धि सिर्फ अठारह वर्ष की उम्र में हासिल की है और यही इस बार की जीत का सबसे खास पहलू है। गुकेश फिलहाल सबसे कम उम्र के विश्व चैंपियन हैं। इससे पहले नार्वे के मैगनस कार्लसन ने बाईस वर्ष की उम्र में विश्व प्रतियोगिता जीती थी। गुकेश को मिली खिताबी जीत का यह मुकाबला इस लिहाज से भी ऐतिहासिक था कि इसके एक सौ अड़तीस वर्ष के इतिहास में आमने-सामने दोनों एशियाई खिलाड़ी थे। इस खेल में दोनों पक्षों की ओर से टक्कर कितनी जबर्दस्त थी, इसे सिर्फ इससे समझा जा सकता है कि खेले गए चौदह दौर की बाजियों में से तेरहवें दौर तक मुकाबला बराबरी पर चलता रहा। यही नहीं, हर चक्र को पूरा होने में कई घंटे का वक्त लगा। खेल में टक्कर के इस स्तर का ही नतीजा था कि समूची प्रतियोगिता में इसे देखने वालों की दिलचस्पी कायम रही।

आज का कार्टून

बांग्लादेश मामले में कूटनीति व राजनीति पर एक कदम आगे निकली ममता बनर्जी

भारत हमेशा से विश्व में शांति का प्रतीक रहा है। ममता बनर्जी ने कहा कि इस समय बांग्लादेश में टकराव का माहौल बन गया है। इसे निपटाने के लिए अंतरिम यूनुस सरकार नाकाम नजर आती है। ऐसे में शांति सेना भेजकर वहां पर शांति स्थापित की जाए। ममता बनर्जी ने उक्त अंतरराष्ट्रीय मुद्दे पर मोदी सरकार के साथ खड़े होने की बात करते हुए यह साबित कर दिया है कि वह राजनीति से लेकर कूटनीति के मामलों में एक सफल नेता हैं और उन्हें पता है कि कब क्या करना चाहिए। साथ ही तृणमूल प्रमुख ने समाज को यह भी संदेश दिया कि, कुछ लोग आपसी सद्भावना को खराब कर सकते हैं ऐसे में शांति और सूझबूझ से काम लेना चाहिए। देखा जाए तो बांग्लादेश के मामले पर मोदी सरकार से हिंदू समाज जिस तरह की प्रतिक्रिया की उम्मीद कर रहा था वह नहीं दिखा। यह अलग बात है कि पीएम भले ही सामने नहीं आए हों लेकिन केन्द्र ने बांग्लादेश को संकेत में बता दिया है कि मामले पर भारत की आंखें बंद नहीं हैं।

जगदीश यादव

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर केंद्र की भाजपा नीत सरकार के द्वारा अल्पसंख्यकों को लेकर तुष्टिकरण से लेकर बंगाल में बांग्लादेशियों को शरण देने का आरोप लगाया जाता रहा है। लेकिन इन दिनों बांग्लादेश में हिंदू अल्पसंख्यकों पर लगातार अत्याचार हो रहे हैं और मीडिया में उक्त खबरें हर रोज आ रही है। ऐसे में भले ही देश के पीएम नरेंद्र मोदी का उक्त मुद्दे पर कोई बयान नहीं आया है लेकिन ममता बनर्जी ने सशक्त तौर पर इस अंतरराष्ट्रीय मुद्दे को उठाया है और बांग्लादेश की मोहम्मद यूनुस सरकार को नाकाम तक करार दिया है। ममता बनर्जी ने बांग्लादेश से उपजे एक बयान का जवाब देते हुए साफ कह कि, अगर वह लोग बिहार, बंगाल ओडिशा जैसे हमारे देश के राज्यों पर कब्जे की बात करेंगे तो वह बैठकर लॉलीपॉप नहीं चूसेगी। साथ ही मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बेहद गंभीर और अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर बात कही। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने आज राज्य विधानसभा में कहा कि, बांग्लादेश के हालात पर यूएन हस्तक्षेप करे और वहां विशेष शांति सेना भेजे।

भारत हमेशा से विश्व में शांति का प्रतीक रहा है। ममता बनर्जी ने कहा कि इस समय बांग्लादेश में टकराव का माहौल बन गया है। इसे निपटाने के लिए अंतरिम यूनुस सरकार नाकाम नजर आती है। ऐसे में शांति सेना भेजकर वहां पर शांति स्थापित की जाए। ममता बनर्जी ने उक्त अंतरराष्ट्रीय मुद्दे पर मोदी सरकार के साथ खड़े होने की बात करते हुए यह साबित कर दिया है कि वह राजनीति से लेकर कूटनीति के मामलों में एक सफल नेता हैं और उन्हें पता है कि कब क्या करना चाहिए। साथ ही तृणमूल प्रमुख ने समाज को यह भी संदेश दिया कि, कुछ लोग आपसी सद्भावना को खराब कर सकते हैं ऐसे में शांति और सूझबूझ से काम लेना चाहिए। देखा जाए तो बांग्लादेश के मामले पर मोदी सरकार से हिंदू समाज जिस तरह की प्रतिक्रिया की उम्मीद कर रहा था वह नहीं दिखा। यह अलग बात है कि पीएम भले ही सामने नहीं आए हों लेकिन केन्द्र ने बांग्लादेश को संकेत में बता दिया है कि मामले पर भारत की आंखें बंद नहीं हैं। जबकि आरएसएस ने बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे हमलों को लेकर चिंता जाहिर की है। साथ केंद्र सरकार से सख्त कदम उठाने की अपील की है। कांग्रेस ने भी मुद्दे पर अपना पक्ष सामने रख दिया है। लेकिन देखा जाए तो बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे हमलों को लेकर बंगाल की सीएम ममता बनर्जी राजनीति से लेकर कूटनीति के मामलों में एक कदम आगे निकल गई है।

ममता बनर्जी जब सांसद थी तब भी बंगाल में वाममोर्चा के शासन के दौरान बंगाल में अवैध बांग्लादेशियों का मुद्दा उठा चुकी है। लेकिन ममता बनर्जी की सरकार बनने के बाद भी बंगाल में अवैध बांग्लादेशियों का मुद्दा उठता रहा है। वैसे देखा जाए तो भाजपा के केन्द्रीय नेताओं के मुकाबले में बांग्लादेश में हिंदू अल्पसंख्यकों पर लगातार अत्याचार के मामले पर बंगाल भाजपा के नेता भी लगभग मौन ही है। लेकिन बंगाल में नेता प्रतिपक्ष व भाजपा नेता शुभेंदु अधिकारी जोरदार तौर पर उक्त मामले पर विरोध व्यक्त कर रहें हैं और बांग्लादेश को चेता भी रहे है। हलांकि अब जाकर बांग्लादेश ने यह माना कि शेख हसीना सरकार के अपदस्थ होने के बाद देश में अल्पसंख्यकों विशेषकर हिंदुओं पर हिंसा की 88 घटनाएं हुई हैं। अंतरिम सरकार के प्रमुख मोहम्मद यूनुस के प्रेस सचिव शफीकुल आलम ने कहा कि, इन घटनाओं में 70 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पांच अगस्त से 22 अक्टूबर के दौरान अल्पसंख्यकों से संबंधित घटनाओं को लेकर कुल 88 मामले दर्ज किए गए। उन्होंने कहा कि मामलें और गिरफ्तारियां और बढ़ सकती है, क्योंकि कई क्षेत्रों में हिंसा की नई घटनाएं सामने आई हैं। देखा जाए तो दरअसल, बांग्लादेश में हो रहे अल्पसंख्य हिन्दू उत्पीड़न कोई नई बात नहीं है। वहां कोई भी सरकार हो निशाने पर हिन्दू महेशा रहे है। बात बांग्लादेश में तत्कालीन घटना की करें तो इस्कॉन के संन्यासी चिन्मय कृष्ण दास के गिरफ्तारी से शुरु हुई। पहले इन्हें राष्ट्रद्रोह के आरोप में फिर इनके सहयोगियों को हिरासत में लिया गया है। यहां तक कि जेल में इन साधुओं को बाहर से भोजन उपलब्ध कराने के नाते भी गिरफ्तारियां हुई है, क्योंकि अपने भोजन संबंधित नियमों के नाते ये कुछ भी और कही का भी खाना नहीं खा सकते हैं। फिर जब हिन्दू समाज ने विरोध शुरु किया तो उनके उपर हमलें शुरु हो गए और हिंदू समुदाय को आज वहां यातना झेलनी पड़ रही है। बहरहाल दो देशों को सामने रख कर अगर सरल शब्दों में राजनीति व कूटनीति की बात करे तो कहा जा सकता है कि राजनीति में कब क्या बदल जाए कोई कह नहीं सकता। यहां कुछ भी दावे के साथ स्थायी नहीं होता है। लेकिन कूटनीति की बात करे तो कहा जा सकता है कि जब बात देश व उससे जुड़े लोग और मुद्दों की बात हो तो वहां राजनीति नहीं की जा सकती बरन वहां कूटनीति ज्यादतर कारगर होती है। देखा जाए तो उपरोक्त मुद्दे पर ममता बनर्जी एक कदम आगे निकली दिख रही है।

'रेल दुर्घटनाएं रोकने में सहायता देने वालों को' 'पुरस्कृत किया जाना चाहिए'

विजय कुमार

एक ओर देश में रेलगाड़ियों के बेपटरी होने की घटनाएं जोरों पर हैं तो दूसरी ओर पटरियों में दरारें आदि आने के कारण रेले दुर्घटनाओं के जोखिम पर हैं। ऐसे में कुछ जागरूक स्टाफ और नागरिक रेल दुर्घटनाएं रोकने में अपना योगदान दे रहे हैं जिसके चंद ताजा उदाहरण निम्न में दर्ज हैं:- 3 जून को 'समस्तीपुर' (बिहार) में 'शहबाज हुसैन (11) नामक एक बच्चा जब धूप से बचने के लिए सिर पर गमछा रख कर रेल पटरी के निकट से गुजर रहा था, तभी उसकी नजर जोड़ पर एक-दूसरे से अलग हो चुकी टूटी रेल पटरी पर पड़ी। उसी समय दूसरी ओर उसी पटरी पर एक ट्रेन आती देख कर वह सिर से उतार कर गमछा लहराते हुए ट्रेन को रोकने के लिए उस दिशा में दौड़ पड़ा। इस दौरान गिर जाने के कारण उसे चोट भी आई परंतु ट्रेन के ड्राइवर ने उसे देख लिया और समय रहते ट्रेन को रोक दिया जिससे दुर्घटना टल गई। 11 नवम्बर को बिहार में 'गौतम स्थान' और 'छपरा' जंक्शनों के बीच 'सेंगर टोला' गांव के निकट रेल पटरी के निरीक्षण के दौरान ट्रैक मैन ने एक जगह पर पटरी चार इंच टूटी हुई देखी जबकि इसी पर छपरा से बलिया की ओर जाने वाली कोलकाता-गाजीपुर एक्सप्रैस तेज गति से आ रही थी। इसे देखते ही उसने अपने हाथ से लाल झंडी दिखाकर ट्रेन को रुकने का संकेत दिया और इसकी सूचना स्टेशन मास्टर को भी दे दी। ट्रेन के चालकों 'दीपक कुमार' तथा 'शुभांशु राज' ने एमरजैंसी ब्रेक लगाकर टूटी पटरी से 100 मीटर पहले ही ट्रेन को रोक कर एक बड़ा हादसा होने से बचा लिया। और अब 8 दिसम्बर को उत्तर प्रदेश में 'इज्जत नगर' और 'भोजीपुरा' जंक्शनों के बीच रेल पटरी के निरीक्षण के दौरान 2 ट्रैकमैनों 'प्रेम पाल' और 'हरी बाबू' ने पटरी में एक इंच की दरार देख कर तुरंत कंट्रोल रूम को सूचना भिजवाकर 'इज्जत नगर' से रवाना होने वाली आगरा फोर्ट-रामनगर एक्सप्रैस को रुकवाया जिससे एक बड़ी दुर्घटना टल गई। अधिकारियों के अनुसार सर्दियों में सिकुड़ जाने के कारण पटरियों में दरारें आने की संभावना रहती है। अतः इस मामले में विशेष सावधानी बरतने व गश्त बढ़ाने की जरूरत है। यही नहीं, अपनी सूझबूझ से हजारों रेल यात्रियों की जान बचाने वाले जागरूक स्टाफ और अन्य लोगों को पुरस्कृत करने व लापरवाह कर्मचारियों को दंडित करने की आवश्यकता है।

हंसने का सलीका...

हास्य निश्चित रूप से खुशहाल जीवन का एक जरूरी हिस्सा है, मगर इसकी भी प्रासंगिकता होनी चाहिए। तभी इसका महत्व बना रह सकता है। जहां हंसने की आवश्यकता है, वहां हास्य का और जहां गंभीरता से किसी चीज का हल निकालने की जरूरत हो, वहां गंभीरता को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। कहने का आशय यह है कि हम संतुलित जीवन जी सकते हैं, लेकिन जीवन के इस पक्ष को अपने साथ से गायब न होने दें। दुख को आने से हर बार रोका नहीं जा सकता, मगर उसका समाधान जरूर निकाला जा सकता है। जीवन प्रवहमान है। इसमें हम जिस पल दुखी होते हैं, उसी पल उस दुख के कम या दूर होने की इच्छा भी रखते हैं।

रितुप्रिया शर्मा

हास्य हमारे जीवन का अभिन्न अंग है। यह मानवीय संवेदनाओं की सर्वश्रेष्ठ अनुभूतियों में से एक उत्कृष्ट अनुभूति है, जो किसी भी स्वस्थ मन से हंसने वाले व्यक्ति को एक अलग तरह की ऊर्जा देता है। इस लिहाज से शायद इसे अन्य ऊर्जाओं से भिन्न कहा जा सकता है, क्योंकि यह हम मनुष्यों के समाज को मानवीयता का एक और गुण प्रदान करता है। यों हास्य वह धारा है, जो कभी मजाक, कभी व्यंग्य, कभी मुस्कान, तो कभी हल्की-फुल्की बातों का हिस्सा होता है।

अगर दर्ज दस्तावेजों या गाथाओं के संदर्भ से इसे समझने की कोशिश करें तो इसकी अपनी एक प्रकृति रही है। हम सभी को पता है कि चाहे बीरबल हो या तेनालीराम या फिर चार्ली चैपलिन और महमूद तक, सभी हास्य जीवन के अनोखे पात्र रहे हैं। इनके बारे में पढ़ कर, इन्हें किताबों या फिल्मों में देख कर अनायास ही हमारे होठों पर मुस्कान आ जाती है। साहित्य के अंतर्गत यह काका हाथरसी से लेकर आज के कई युवा कवियों में भी हम इसकी लोकप्रियता को देख सकते हैं। दरअसल, यह एक जानी- मानी विधा है, हमारा संसार है और जीवन को आनंद देने का जरिया भी है। गंभीरता का मुखौटा ओढ़कर, इससे बचकर निकलने वालों का जीवन नीरज

और स्वादहीन बन जाता है। जैसे रसगुल्ले के लिए चाशनी जरूरी है, वैसे ही जीवन को सही तरीके से जीने के लिए हल्का-फुल्का, लेकिन स्वस्थ हंसी-मजाक होना जरूरी है।

देखा जाए तो यह उम्मीद का वह दीया है जो लगातार प्रकाशित रहता है। स्वस्थ रहने के लिए भी हमारा हंसना जरूरी है, चाहे हम कितना भी कहें कि जीवन कोई फिल्म का हिस्सा नहीं है, इसे थोड़ा गंभीरता से लेना चाहिए। मगर ऐसा मानना अपने आप को सरलता से दूर ले जाने की तरह है। हमारे सहज मन को हंसी और खुशी की आवश्यकता है। अगर स्वास्थ्य संबंधी कोई परेशानी हो तो सबसे पहले हंसी-खुशी को अपने जीवन का हिस्सा बनाना चाहिए। बड़ी से बड़ी बीमारियों का इलाज खुश होकर हंसने में छिपा है। खासकर तनाव का सर्वाधिक अच्छा उपचार तो हास्य ही है। कई जगहों पर हास्य को एक चिकित्सा के तरीके के तौर पर देखा जाता रहा है। अगर हमें अपने जीवन में हास्य के बारे में दूर-दूर तक अता-पता नहीं है, तो यह हमारी कमी है। इसकी तलाश हमें ही करनी होगी। यह हमारे आसपास ही कहीं होती है। सवाल है कि हास-परिहास के लिए हमें क्या करना चाहिए। उसकी एक कला है और वह सीखने के लिए हमें सकारात्मक लोगों की संगत करनी होगी। दुख के क्षणों का समाधान करके सुख के दिनों की ओर बढ़ने वाले लोगों का साथ हमारे भीतर खुशी भर सकती है। तनाव को हास्य के सहारे दूर करने वाले लोग माहौल में कई बार जीवन भर देते हैं। ये अगले चरण हैं। इससे पहले हल्की- फुल्की किताबों को पढ़कर मनोरंजन करने और हास्य फिल्मों का मजा लेकर भी हम हंसने के पल चुरा सकते हैं।

आजकल हर शहर में 'लाफ्टर क्लब' यानी हंसने-हंसाने वाले लोगों के जुटने की जगह होती हैं। उनका हिस्सा बनकर भी हम अपने जीवन में हंसी को शामिल कर सकते हैं। उदासी का दामन छोड़कर कुदरत की इस नियामत का सुख जीवन को एक अलग और सकारात्मक स्वरूप दे सकता है।

हालांकि इसका मतलब यह कतई नहीं है कि हर जगह हम अपनी हास्य-कला का प्रदर्शन करने लगें। जहां अचानक उपजी परिस्थितियों की वजह से दुख पहाड़-सा टूट पड़ा हो, वहां दुख को हास्य के सहारे दूर नहीं किया जा सकता। ऐसी जगहों और मौकों पर हंसना शुरू कर देना या हास्य में दुख का इलाज ढूंढ़ना संवेदनहीनता का ही परिचय माना जाएगा। किसी की मृत्यु से दुखी परिवार को हम तुरंत ही यह सलाह नहीं दे सकते कि हास्य से अपने दुख को कम कर लिया जाए।

हास्य निश्चित रूप से खुशहाल जीवन का एक जरूरी हिस्सा है, मगर इसकी भी प्रासंगिकता होनी चाहिए। तभी इसका महत्व बना रह सकता है। जहां हंसने की आवश्यकता है, वहां हास्य का और जहां गंभीरता से किसी चीज का हल निकालने की जरूरत हो, वहां गंभीरता को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। कहने का आशय यह है कि हम संतुलित जीवन जी सकते हैं, लेकिन जीवन के इस पक्ष को अपने साथ से गायब न होने दें। दुख को आने से हर बार रोका नहीं जा सकता, मगर उसका समाधान जरूर निकाला जा सकता है। जीवन प्रवहमान है। इसमें हम जिस पल दुखी होते हैं, उसी पल उस दुख के कम या दूर होने की इच्छा भी रखते हैं।

बीतते वक्त के साथ जीवन में सहजता आती है और इस तरह हमारे चेहरे पर एक दिन हंसी सजने लगती है। इसका जीवन में बहुत अधिक महत्व है और इसका जीवन से गायब होना हमें निराशा की ओर ले जा सकता है। इसलिए हास्य की लगातार खोज करने की जरूरत है। हम तभी स्वस्थ और मस्त रह सकते हैं। वरना जिंदगी की आपा-धापी में बचा-खुचा भी खत्म कर लेंगे। इसलिए कोशिश यही हो कि लोग खिलखिलाकर हंसने के मौके चुरा लें, कुदरत के करीब जाएं। फिर जो चमत्कार होगा, वह हमारी कल्पना से परे होगी। चेहरा चमकेगा, मित्र बनेंगे और परिवार के साथ खुशी का जीवन जी सकें, इसलिए खूब हंसे और जीवन को खुशहाल बनाएं।

विधिक सेवा सशक्तिकरण शिविर का आयोजन

डुमरी (सत्रे): प्रखंड सह अंचल कार्यालय सभागार में रविवार को वृहद विधिक सेवा सशक्तिकरण शिविर का आयोजन किया गया।शिविर का उद्घाटन एडिशनल सिविल जज (जूनियर डिवीजन) सुश्री रूबी बीडीओ डुमरी अन्वेषा ओना पैनल अधिवक्ता अमित सहाय ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया।इस दौरान प्रखंड के विभिन्न क्षेत्रों से दर्जनों महिला पुरुष और पंचायत प्रतिनिधि उपस्थित हुए।

वहीं विभिन्न विभागों का स्टॉल भी लगाया गया था। शिविर में उपस्थित लोगों को सुश्री रूबी ने कानूनी जानकारी दी साथ ही अपने अधिकार के लिए जागरूक होने की अपील की। वहीं इस दौरान लोगों के बीच परिसंपत्तियों का वितरण किया गया।जिसमें पीएमईजीपी के तहत ५ लोगों के बीच ३१ लाख ४६ हजार रूपये ऋण का वितरण, पीएमएफएमई के तहत ५ लोगों को ३८ लाख ५५ हजार रुपये का ऋण वितरण, जेएसएल पीएस से जुड़ी ३ महिलाओं को बीज चक्रीय निधि के तहत ८ लाख ४० हजार रुपये का चेक वितरण किया गया। जबकि ५ लोगों को बिरसा कूप की स्वीकृति दी गई। इसी तरह ५ लोगों को लेबर कार्ड,४ महिलाओं को अबुआ आवास,६ महिलाओं को मंईया सम्मान योजना,५ लोगों को पेंशन,७ युवतियों को सावित्री बाई फुले योजना की स्वीकृति पत्र दी गई वहीं एक दिव्यांग को व्हील चेयर,एक महिला की गोदभराई की गयी। जबकि ५ लोगों को मत्स्य पालन का प्रमाण पत्र दिया गया।

इस दौरान पीएलभी केदार महतो, मोहन राम, संगीता कुमारी, जावेद अख्तर अंसारी, खुशबू कुमारी, प्रियंका वर्मा, अनिता देवी, स्तनिस हेम्ब्रम, झुमकी देवी, सुनील कुमार बीईईओ जयकुमार तिवारी कांग्रेस नेता नागेश्वर मंडल,गुड्डु मलिक आदि उपस्थित थे।

शंकरसिंह वाघेला ने गुजरात में शराबबंदी पर उठाए सवाल

बनासकांठा (ईएमएस): गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री और नवगठित प्रजाशक्ति डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) के चीफ शंकरसिंह वाघेला ने राज्य में शराबबंदी को लेकर सवाल उठाये हैं। उन्होंने कहा कि जब राज्य के गांव गांव शराब के पाउच (पोटली) मिलती है तो राज्य में शराबबंदी का क्या फायदा? बेहतर होगा कि शराबबंदी हटा दी जाए। बनासकांठा के पालनपुर में पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ बैठक के बाद वाघेला ने कहा कि गुजरात से शराबबंदी पूरी तरह खत्म कर देनी चाहिए। क्योंकि जब गुजरात के गांव गांव में शराब की पोटली मिलती हो तो शराबबंदी का क्या फ़ायदा? उन्होंने कहा कि राजस्थान और महाराष्ट्र समेत राज्यों में शराबबंदी नहीं है। गुजरात के पड़ोसी राज्यों में खुलेआम शराब मिल रही है, ऐसे में गुजरात में शराबबंदी कहीं दिखती नहीं।

अवैध कोयला लदे 3 ट्रक व 3 पिकअप वैन पकड़ाया

डुमरी (सत्रे): निमियाघाट थाना क्षेत्र अंतर्गत असुरबांध समीप बीती रात्रि अवैध कोयला लदे ३ बारह चक्का ट्रक एवं ३ पिक-अप वैन को कुछ युवाओं ने पकड़ कर पुलिस को सूचना दी हालांकि पुलिस उक्त वाहनों को जांच के क्रम में घुटवाली से पकड़ने की बात कह रही है।उक्त ट्रकों में लगभग २०० टन अवैध कोयला लदा है। खबर प्रेषण तक पुलिस प्राथमिकी की कागजी प्रक्रिया पूरी करने में जूटी थी।बताया जाता है कि १४ दिसंबर की रात्रि कुछ युवाओं को गुरूटांड़ जंगल में अवैध कोयला डीप् संचालन की जानकारी मिली जहां पहुंचने पर उन्होंने देखा कि तीन ट्रक और तीन पिक-अप वैन में कोयला लोड किया जा रहा है। जिसकी सूचना पुलिस को दी गई।

सूचना मिलते ही पुलिस ने घटना स्थल पर पहुंच कर ६ वाहनों और कोयला को जब्त कर लिया।जिसे रविवार को खबर प्रेषण तक थाना लाया जा रहा था।

सूत्रों के अनुसार गुरूटांड़ जंगल में बीते माह से ही अवैध कोयले का भंडारण कर उसे मंडी में भेजा जाता था।वहीं जंगल में करीब ४०० टन अवैध कोयला था जिसे आनन फानन में हटवा दिया गया था।जबकि सूत्रों का कहना है कि ट्रक पकड़े जाने के पहले ६-७ ट्रक अवैध कोयला लोड कर मंडी की ओर निकल गया था अन्यथा और कोयला जब्त होता।वहीं जानकारों का कहना है कि इस अवैध धंधे में शामिल लोगों सिर्फ कोयला इकट्ठा कराते हैं जबकि स्थल से कोयला ले जाना मंडी वालों के जिम्मे रहता है।इधर भारी मात्रा में कोयला पकड़े जाने के बाद एक बार फिर क्षेत्र से अवैध कोयला का कारोबार प्रारम्भ हो जाने की बात पुख्ता हो गई है।वहीं कोयला धंधे में शामिल लोग केस हल्का करने के लिए भागदौड़ शुरू कर दिया था।इधर एसडीपीओ सुमित प्रसाद ने ३ ट्रक और ३ पिक अप वैन कोयला पकड़ने की पुष्टि की है।

हेड कांस्टेबल ने ट्रेन से कटकर की खुदकुशी

बेंगलुरु,(ईएमएस): बेंगलुरु में एआई इंजीनियर की आत्महत्या मामला अभी ठंडा भी नहीं था कि वहां एक पत्नी और ससुरालवालों से तंग आकर कर्नाटक पुलिस में हेड कांस्टेबल टिप्पन्ना ने १३ दिसंबर की रात ट्रेन से कटकर खुदकुशी कर ली। पुलिस के मुताबिक टिप्पन्ना के पास से सुसाइड नोट मिला है। इसमें पत्नी और ससुर पर टॉर्चर और हैरेसमेंट करने के आरोप लगाए गए हैं। पुलिस के मुताबिक घटना वाली रात टिप्पन्ना का अपनी पत्नी से विवाद भी हुआ था। पुलिस ने बताया कि हेड कांस्टेबल ने बायप्पनहल्ली इलाके में खुदकुशी की। वह हुलीमावु पुलिस स्टेशन में तैनात था। बेंगलुरु में पत्नी और ससुरालवालों से तंग आकर सुसाइड का बीते पांच दिन में ये दूसरा मामला है। ९ दिसंबर को एक एआई इंजीनियर का शव उनके फ्लेट से बरामद हुआ था। यह मामला काफी चर्चा में आया और उसके बाद पुलिस ने ससुराल पक्ष के लोगों की गिरफ्तारी भी की है।

पुलिस के मुताबिक हेड कांस्टेबल ने सुसाइड नोट में लिखा है कि १२ दिसंबर की शाम ७.२६ पर टिप्पन्ना को उसके ससुर ने धमकी दी थी। उसने टिप्पन्ना से कहा था कि या तो मर जाओ या फिर मारे जाओ, ताकि उनकी बेटी शांति से रह सके। १२ दिसंबर को टिप्पन्ना ने सुबह ८ बजे से दोपहर २ बजे तक अपनी ड्यूटी की। इसके बाद वह जब घर आया तब उसकी पत्नी से विवाद हुआ। इसके बाद वह घर से निकल गया था। रात में उसने ट्रेन के कटकर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने बताया कि टिप्पन्ना की शादी २०२१ में हुई थी। उसकी कोई संतान नहीं थी। पुलिस ने सुसाइड नोट के आधार पर टिप्पन्ना की पत्नी और ससुर के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने का मामला समेत बीएनएस की दूसरी धाराओं में केस दर्ज कर लिया है। मामले में आगे की जांच की जा रही है।

सलमान को मुठभेड़ में पुलिस ने मारी पैर में गोली

गाजियाबाद(ईएमएस): लंबे समय से एक बदमाश सलमान की पुलिस को तलाश थी। शालीमार गार्डन थाना पुलिस की बदमाश से मुठभेड़ हो गई। गोली लगने से घायल बदमाश को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। आरोपित के पास पुलिस ने दिल्ली से चोरी बाइक, तमंचा और कारतूस बरामद किया है। उसका अस्पताल में इलाज चल रहा है। सहायक पुलिस आयुक्त शालीमार गार्डन सलोनी अग्रवाल ने बताया कि शालीमार गार्डन थाना पुलिस वजीराबाद रोड की तरफ से आने वाले रास्ते पर चेकिंग कर रही थी।

दिल्ली की सभी 70 सीटों पर प्रत्याशी देने ऐलान

नई दिल्ली(ईएमएस): आम आदमी पार्टी ने दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए तीसरी लिस्ट जारी कर दी है, जिसमें ३८ सीटों पर प्रत्याशियों का ऐलान कर दिया गया है. इसके साथ ही आप ने दिल्ली में सभी ७० सीटों पर अपने उम्मीदवार उतार दिए हैं. सभी सीटों पर प्रत्याशियों के ऐलान के बाद केजरीवाल ने कहा कि भाजपा तो गायब है, उसके पास न तो सीएम फेस है और न ही टीम है.

अरविंद केजरीवाल ने भाजपा को घेरते हुए कहा कि उनका केवल एक ही नारा है, केवल एक ही नीति और एक ही मिशन है- केजरीवाल हटाओ. उनसे पूछो पांच साल क्या किया तो वो जवाब देते हैं- केजरीवाल को खूब गाली दी. दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि आप ने सभी ७० सीटों पर अपने प्रत्याशियों को घोषित कर दिया है.

पार्टी पूरे आत्मविश्वास और पूरी तैयारी के साथ चुनाव लड़ रही है. हमारी पार्टी के पास दिल्ली वालों के विकास के लिए विजन है, प्लान है और उसे लागू करने के लिए पढ़े लिखे लोगों की एक अच्छी टीम है.

पिछले १० सालों में किए कामों की लंबी लिस्ट है. उन्होंने कहा कि दिल्ली वाले काम करने वालों को वोट देंगे, ना कि गाली देने वालों को. केजरीवाल के साथ ही मनीष सिसोदिया ने भी आप उम्मीदवारों के ऐलान के बाद भाजपा पर हमला किया है. सिसोदिया ने कहा कि आम आदमी पार्टी ने चुनाव में पूरी ताकत से कदम रख दिया है. अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व में हम जनता के बीच जा रहे हैं, यह मांगने कि हमें ५ और साल दिए जाएं ताकि शिक्षा, स्वास्थ्य, बिजली, और पानी पर हुए अच्छे कामों को और आगे बढ़ा सकें. उन्होंने कहा कि दूसरी ओर, भाजपा अब भी भ्रमित है. न उनके पास कोई मुद्दा है, न कोई नेता, और न ही दिल्लीवालों के लिए कोई उम्मीद. केजरीवाल ही उम्मीद हैं और केजरीवाल ही भरोसा हैं. दिल्ली का विकास और उज्वल भविष्य केवल केजरीवाल जी के साथ ही संभव है.

बता दें कि आम आदमी पार्टी ने तीसरी लिस्ट में प्रमुख चेहरों को उतारा है, जिनमें नई दिल्ली से अरविंद केजरीवाल, कालकाजी से आतिशी, ग्रेटर कैलाश से सौरभ भारद्वाज, ओखला से अमानतुल्लाह खान, मालवीय नगर से सोमनाथ भारती, राजेंद्र नगर से दुर्गेश पाठक, तिलक नगर से जरनैल सिंह, उत्तम नगर से पोश बालियान (नरेश बालियान की पत्नी), बाबरपुर से गोपाल राय, बुराड़ी से संजीव झा, शकूर बस्ती से सत्येंद्र जैन, बल्लीमारान से इमरान हुसैन और मटिया महल से शोएब इकबाल का नाम शामिल है.

बस-कार की टक्कर में कपल सहित 4 की मौत

पथानामथिट्टा (ईएमएस): केरल के पथानामथिट्टा में एक दर्दनाक हादसा हुआ है। बस और कार की टक्कर में हनीमून से लौट रहे कपल सहित चार लोगों की मौत हो गई। पुलिस के अनुसार, दुर्घटना सुबह करीब पांच बजे पुनालुर-मुवत्तुपुझा राज्य राजमार्ग पर हुई। स्थानीय लोगों के अनुसार, कार में सवार यात्रियों को क्षतिग्रस्त वाहन से बाहर निकाला गया। पुलिस ने बताया कि तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई।

पुलिस ने अब्दुल सत्तार समेत 12 आरोपियों को किया गिरफ्तार

अहमदाबाद (ईएमएस): कच्छ से गिरफ्तार फर्जी ईडी टीम को लेकर एक के बाद एक चौंकाने वाले खुलासे हो रहे हैं। यह तो पहले ही खुलासा हो चुका है कि फर्जी ईडी टीम का सरगना अब्दुल सत्तार आम आदमी पार्टी (आप) महासचिव है। अब जांच में खुलासा हुआ है कि फर्जी ईडी टीम का सरगना अब्दुल सत्तार ठगी के रुपए आप को फंड के तौर पर देता था। बता दें कि गत पांच दिसंबर को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के फर्जी अधिकारी बनकर गांधीधाम शहर के एक ज्वैलरी शोप में छापा मारने के आरोप में कच्छ पुलिस ने अब्दुल सत्तार समेत १२ आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया था। इस घटना को लेकर राज्य में तब सियासी घमासान मच गया जब खुलासा हुआ कि फर्जी ईडी टीम का सरगना अब्दुल सत्तार आम आदमी पार्टी का नेता है। गत शुक्रवार को गुजरात के गृह राज्यमंत्री हर्ष संघवी ने इस मुद्दे को लेकर ट्वीट किया। इसके बाद भाजपा और आप के बीच जुबानी जंग तेज हो गई।

गुजरात प्रदेश के आप नेता गोपाल इटालिया और इसुदान गढ़वी ने कहा कि इस आरोप में कोई सच्चाई नहीं है। आप नेताओं ने गुजरात के गृह राज्यमंत्री ने पर राज्य के लोगों को गुमराह करने का आरोप लगाया। दूसरी ओर इस पूरे प्रकरण को लेकर पूर्व कच्छ एसपी ने बड़ा खुलासा किया है। जिसके मुताबिक इस मामले में संलिप्त फर्जी ईडी टीम का मुख्य सूत्रधार अब्दुल सत्तार मजेठी आम आदमी पार्टी से जुड़ा है और पार्टी के कार्यक्रमों के लिए ठगी के रुपए बतौर फंड देता था। इतना ही नहीं कुछ समय पहले अब्दुल सत्तार ने आप नेता गोपाल इटालिया और मनोज सोरठिया के साथ भुज सर्किट हाउस में बैठक की होने का भी जांच में खुलासा हुआ है। फिलहाल आरोपी ११ दिन की पुलिस रिमांड पर हैं और इस दौरान पूछताछ में और खुलासे होने पर इस मामले से प्रत्यक्ष या अपरोक्ष रूप से जुड़े लोगों से भी पूछताछ की जाएगी।

महाराष्ट्र में चिकित्सा सुविधा पर बॉम्बे हाईकोर्ट ने लिया संज्ञान

मुंबई, (ईएमएस): मुंबई समेत समूचे महाराष्ट्र में के सरकारी अस्पतालों में चिकित्सा व्यवस्था लडखड़ाईये हुई है।

भले सरकार बेहतर चिकित्सा सुविधा देने की बात कहती है लेकिन स्थिति बिलकुल ही चिंताजनक है। सरकारी अस्पतालों में मरीजों का इलाज राम भरोसे चल रहा है। अब बॉम्बे हाईकोर्ट ने चिकित्सा सुविधा पर संज्ञान लिया है और महाराष्ट्र सरकार को राज्य में चिकित्सा बुनियादी ढांचे के लिए किए गए खर्च और बजट में किए गए प्रावधान का विवरण प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है। साथ ही सरकारी अस्पतालों और चिकित्सा केंद्रों में मेडिकल, पैरामेडिकल और अन्य स्टाफ के रिक्त पदों का विवरण भी प्रस्तुत करने का निर्देश मुख्य न्यायधीश देवेन्द्र कुमार उपाध्याय एवं न्यायधीश अमित बोरकर की पीठ ने सरकार को दिया। कोर्ट ने शनिवार को कहा कि सरकार के जिम्मेदार अधिकारी द्वारा किए गए व्यय और कुल धनराशि का विवरण देने वाला एक शपथ पत्र प्रस्तुत किया जाना चाहिए।

कोर्ट ने निर्देश दिया कि अगर फंड का इस्तेमाल नहीं हुआ है तो इसका भी जिक्र किया जाए और कारण भी बताया जाए। दरअसल नांदेड़ और छत्रपति संभाजीनगर के सरकारी अस्पतालों में मरीजों की मृत्यु दर में वृद्धि पर चिंता व्यक्त करते हुए उच्च न्यायालय ने अपनी पहल पर एक जनहित याचिका दायर की। इसके अलावा अन्य लोगों ने भी जनहित याचिकाएं दायर की हैं। इन याचिकाओं पर शनिवार को सुनवाई चल रही थी।

साइबर ठग ने पुलिसकर्मी को लगाया 5 लाख का चूना

भरुच (ईएमएस): गुजरात समेत देशभर में साइबर ठगी की घटाएं लगातारा बढ़ती जा रही हैं। साइबर ठग नित नई तरकीबें आजमा कर आम लोगों को चूना लगा रहे हैं। जिससे अब कानून के रखवाले भी सुरक्षित नहीं हैं। जी हां, भरुच में एक पुलिस कांस्टेबल साइबर ठगी का शिकार हुआ है। घटना के बाद पुलिस कांस्टेबल ने साइबर पुलिस थाने में शिकायत दर्ज करवाई है, जिसके आधार पर पुलिस ने मामले की जांच शुरू की है। जानकारी के मुताबिक भरुच के ओसारा गांव निवासी भरुच में आर्म्स पुलिस कांस्टेबल के तौर पर हेड क्वार्टर्स में सेवारत योगेश ठाकोर को साइबर ठग ने एक्सिस बैंक के कर्मचारी की पहचान देकर उनसे सभी आईडी पासवर्ड हासिल कर लिए। जिसके बाद योगेश ठाकोर के एकाउंट से रु. ५४८९९९ निकाल लिए। साइबर ठगी के शिकार योगेश ठाकोर ने भरुच साइबर पुलिस थाने में शिकायत दर्ज करवाई है। शिकायत के मुताबिक योगेश ठाकोर के मोबाइल पर किसी अज्ञात नंबर से एक्सिस बैंक के राहुलजी नामक कर्मचारी की पहचान देकर केवाईसी डिटेल्स अपडेट करने के बहाने पान कार्ड अपडेट करने की नाम की एप्लिकेशन लिंक भेजी थी।

सनातन धर्म कभी नष्ट नहीं होगा : शंकराचार्य

इन्दौर (ईएमएस): बिजासन रोड स्थित अविनाशी अखंड धाम आश्रम पर रविवार को ५७वें अ.भा. अखंड वेदांत संत सम्मेलन का शुभारंभ देश के दो प्रमुख जगदगुरुओं की गर्जना के साथ हुआ। इनमें पहले रामस्नेही संप्रदाय के जगदगुरु आचार्य स्वामी रामदयाल महाराज ने जहां बांग्लादेश में हिन्दुओं पर हो रहे अत्याचारों के खिलाफ आवाज बुलंद की, वहीं भानपुरा पीठ के जगदगुरु शंकराचार्य ने भी लव जिहाद एवं बांग्लादेश में हो रही हिंसा के विरोध में कठोर शब्दों में विश्व मानव आयोग एवं भारत सरकार से कड़े कदम उठाने तथा वहां हो रहे अत्याचारों को तत्काल रोकने की आवाज उठाई। उन्होंने कहा कि सनातन धर्म कभी नष्ट नहीं हो सकता। उच्च पदों पर बैठे लोगों को अपनी जिम्मेदारी समझना चाहिए। शंकराचार्यजी ने लव जिहाद की बढ़ती घटनाओं पर भी चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि यह खतरनाक खेल है, इससे अपने बच्चों को बचाकर रखना होगा।

संत सम्मेलन का शुभारंभ आश्रम के महामंडलेश्वर डॉ. स्वामी चेतन स्वरूप के सानिध्य में जगदगुरु शंकराचार्य भानपुरा पीठाधीश्वर स्वामी ज्ञानानंद तीर्थ की अध्यक्षता और रामस्नेही संप्रदाय के जगदगुरु आचार्य स्वामी रामदयाल महाराज एवं वृंदावन से आए आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी भास्करानंद द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। प्रारंभ में ओंकारद्विज संस्कृत विद्यालय से आए वेदपाठी बटुकों ने आचार्य पं. कल्याणदत्त शास्त्री के निर्देशन में मंगलाचरण प्रस्तुत किया। स्वागत की श्रृंखला में आश्रम के संत स्वामी राजानंद, आयोजन समिति के अध्यक्ष हरि अग्रवाल, संयोजक किशोर गोयल, भावेश दवे, अशोक गोयल, सचिन सांखला, राजेन्द्र गर्ग, राजेन्द्र सोनी, ज्योति श्रीवास्तव, सुश्री किरण ओझा, राजेश गर्ग, शिव जिंदल, नवनीत शुक्ला, ओमप्रकाश नरेड़ा, शैलेन्द्र मित्तल, महेन्द्र विजयवर्गीय, राजेन्द्र मित्तल आदि ने सभी संतों का स्वागत किया। इसके पूर्व आश्रम के प्रवेश द्वार पर संतों के आगमन पर दिग्विजय सांखला, रणधीर दग्घी, शिवरतन सांखला, प्रो. गोविंद सिंघल, बी.एम.सोनी आदि ने पुष्प वर्षा कर अगवानी की।

सम्मेलन में महामंडलेश्वर स्वामी भास्करानंद ने कहा कि परमात्मा का नाम ही आनंद और परमानंद स्वरूप है। परमात्मा नित्य भी हैं और अविनाशी भी हैं। संत परमात्मा के ही अंश होते हैं। अखंड धाम आश्रम के संस्थापक ब्रह्मलीन अखंडानंद के दर्शन मात्र से ही लोगों के असंख्य कष्ट दूर होते थे। उनका जीवन दूसरों के लिए ही समर्पित रहा। शिवोहम महामंत्र के द्वारा उन्होंने सबके कल्याण का सहज मार्ग बताया है। साध्वी कृष्णानंद ने भी वेदांत की महिमा और संतों की भूमिका पर अपने प्रभारी विचार व्यक्त किए।

अंतर्राष्ट्रीय रामस्नेही संप्रदाय के जगदगुरु आचार्य स्वामी रामदयाल महाराज ने कहा कि वेदांत अमृत है। मोह-माया और ममता को मिटाने का सबसे आसान मार्ग वेदांत ही हैं। वेदांत का दर्शन सनातन धर्म, गुरू और धर्मग्रंथों को समझाता है। वर्तमान में भक्ति की नहीं, बल्कि मानवता की जरूरत है। यदि मनुष्य होते हुए भी हममें मानवता के गुण नहीं हैं तो फिर ऐसी भक्ति की क्या लाभ। भारत राम और कृष्ण के साथ संतों और महात्माओं का भी राष्ट्र है। पूरे विश्व में भारत को ही भारत माता का गौरव प्राप्त है। गुरू की कृपा कल्पवृक्ष के समान होती है। शिष्य में श्रद्धा और निष्ठा गुरू की कृपा से ही प्राप्त होगी।

आज बांग्लादेश में एक वर्ग विशेष के लोग सनातनियों पर अत्याचार कर रहे हैं, जबकि दिल्ली का ईमाम फतवा जारी करता है तो सारे मुस्लिम उसका पालन करते हैं, लेकिन हमारे यहां यदि शंकराचार्य कोई उपदेश, संदेश देते हैं तो उस पर अमल नहीं होता यह हमारी कमजोरी है। साधु, शिक्षक और सैनिक राष्ट्र को सजग करने वाले प्रहरी होते हैं।

विज्ञान तो गगन के चांद को चूमने की शिक्षा देता है परन्तु वेदांत शांति और सदभाव की ओर ले जाता है। मोबाईल के चक्कर में फंसकर हम भौतिकवाद में फंस रहे हैं। वर्तमान में हमें आवश्यकता है जागृत होने की। विडंबना है कि सरकार की एजेंसियां भी बांग्लादेश के मामले में कुछ कड़े कदम नही उठा रही है। ऐसी एजेंसियों को तो तत्काल बंद कर देना चाहिए।

जगदगुरू शंकराचार्य स्वामी ज्ञानानंद तीर्थ ने कहा कि अज्ञान के समूल नाश का काम गुरू ही करते हैं। गुरू के नाम और रूप को लेकर कभी भी कोई विवाद नहीं करना चाहिए। जब तक आकाश और धरती रहेंगे तब तक सनातन धर्म भी रहेगा। वेदांत का कभी अंत नहीं होता। हमारा सनातन वंश नष्ट नहीं हो सकता। सनातन धर्म में अच्छे संस्कारों से ही श्रेष्ठ संतान बनती है, जो लोग उच्च पदों पर बैठे हैं उन्हें अपनी जिम्मेदारी समझना चाहिए।

आज कुछ धर्म विशेष के लोग हमारा खून पी रहे हैं, इसलिए सत्य सनातन के स्वरूप में हमें भी आना होगा तभी अपराध करने वाले जघन्य अपराधियों को कठोर सजा मिल पाएगी। यह आत्मा सच्चिदानंद है। आज विश्व मानव आयोग को बांग्लादेश के मामले में कड़े कदम उठाने की जरूरत है, लेकिन हिन्दुओं पर लगातार अत्याचार लगातार बढ़ते जा रहे हैं। यह हम सबके लिए असहनीय और पीड़ादायक स्थिति है। संत सम्मेलन में स्वामी नारायणानंद, स्वामी परमानंद, स्वामी जगदीशानंद सहित अखंड धाम से जुड़े संतों ने अपने विचार व्यक्त किए। संत सम्मेलन में सोमवार, १६ दिसंबर को दोपहर २ बजे से कार्रवाई शुरू होगी। जगदगुरू शंकराचार्य एवं अन्य सभी प्रमुख संत उपस्थित रहेंगे।

नौकरी छोड़ने के लिए युवक ने काट ली उंगलियां

सूरत,(ईएमएस): देश हो दुनिया में कहीं भी युवक रोजगार पाने के लिए कितनी मशक्कत करते हैं घंटों लाइन में लगना, या फिर नौकरी की तलाश में दर-दर भटकते हैं फिर जाकर कहीं नौकरी मिलती है और अपना जीवन सुखी बनाते हैं लेकिन क्या आपने कभी सुना है कि कोई नौकरी छोड़ने के लिए अपने को ही नुकसान पहुंचा ले लेकिन गुजरात के सूरत शहर में एक अजीबो गरीब वाक्या पेश आया है यहां एक युवक ने नौकरी छोड़ने के लिए अपने हाथ की चार उंगलियां ही काट लीं।

पुलिस के मुताबिक ३२ साल के मयूर तरापरा ने यह कदम इसलिए उठाया क्योंकि वह अपने रिश्तेदार की डायमंड कंपनी से कंप्यूटर ऑपरेटर की नौकरी छोड़ना चाहता था, लेकिन नौकरी छोड़ना की बात कहने से वह डर रहा था। पुलिस ने बताया कि पहले मयूर ने यह कहकर गुमराह किया कि उसकी उंगलियां किसी और ने काट दी हैं, लेकिन जब सीसीटीवी फुटेज और तकनीकी सबूत खंगाले गए तो पता चला कि मयूर ने खुद ही अपनी उंगलियां काटी हैं। पुलिस ने बताया कि मयूर ने घटना से चार दिन पहले सिंगनपुर से एक तेज धार वाला चाकू खरीदा था। ८ दिसंबर की रात करीब १० बजे उसने अमरोली रिंग रोड पर बाइक खड़ी की और चाकू से अपने बाएं हाथ की चार उंगलियां काट लीं। खून बहने से रोकने के लिए उसने कोहनी के पास एक रस्सी बांध ली। इसके बाद उंगलियां और चाकू एक बैग में रखकर नाले में फेंक दिया था। पुलिस ने जांच में नाले से तीन उंगलियां और चाकू बरामद किया है। पुलिस के मुताबिक मयूर अपने रिश्तेदार की फर्म में अकाउंट्स एक्शन में काम करता था। उसने यह कदम इसलिए उठाया ताकि वह कंप्यूटर ऑपरेटर की नौकरी के लिए अयोग्य साबित हो जाए। अमरोली पुलिस आगे की जांच कर रही है। ताकि सच्चाई का पता चल सके।

लालू यादव ने राहुल गांधी का पत्ता काटा तो कांग्रेस उनके घर में आग लगा दी

पटना (एजेंसी): लालू प्रसाद यादव ने जब से इंडिया ब्लॉक की कमान ममता बनर्जी को सौंपने की वकालत की है, तभी से कांग्रेस के साथ राजद के रिश्तों में खटास आ गई है. कांग्रेस ने अब लालू परिवार में ही विवाद बढ़ाने की कोशिश की है. बिहार कांग्रेस के प्रभारी सचिव शाहनवाज आलम ने अब महागठबंधन की ओर से मुख्यमंत्री पद के लिए लालू परिवार में तीन दावेदार गिना दिए. उन्होंने ये बात एक निजी चैनल को दिए इंटरव्यू में कही. उन्होंने कहा कि २०२५ के विधानसभा चुनाव में पार्टी मजबूती के साथ लड़ेगी और इंडिया गठबंधन सत्ता में आएगी.

कांग्रेस नेता ने कहा कि मुख्यमंत्री की कुर्सी राजद के खाते में है. अब राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद पर निर्भर है कि वो किसे मुख्यमंत्री बनाते हैं. वे चाहे तो वे तेजप्रताप यादव को मुख्यमंत्री बना दें या मीसा भारती को, या फिर तेजस्वी यादव को. उन्हें कोई आपत्ति नहीं है. उन्होंने आगे कहा कि हमारी डिमांड है कि कांग्रेस कोटे से दो डिप्टी सीएम होना चाहिए. एक मुस्लिम समाज से और दूसरा अगड़ी जाति से. शाहनवाज आलम ने कहा कि मुस्लिम समाज इंडिया गठबंधन को वोट करता है, अगड़ी जाति भी हमें वोट करती है. ऐसे में हमारा दायित्व है कि दोनों को सत्ता में प्रतिनिधित्व दी जाए.

अब कांग्रेस की मुस्लिम डिप्टी सीएम की मांग से राजद का बेस वोटबैंक खिसक सकता है. बता दें कि बिहार में मुस्लिम-यादव सूबे में करीब १६-१६ फीसदी हैं. लालू यादव ने ९० के दशक में यादव-मुस्लिम का ऐसा राजनीतिक गठजोड़ बनाया, जिसके दम पर उन्होंने १५ साल तक बिहार पर राज किया. राजद पिछले १५ साल से सत्ता में नहीं है, लेकिन मुस्लिम-यादव ने उसका साथ नहीं छोड़ा है. वहीं कांग्रेस ने यह डिमांड करके जेडीयू को भी सकते में डाल दिया है.

बदमाश सलमान को मुठभेड़ में पुलिस ने पैर में मारी गोली

गाजियाबाद (ईएमएस): लंबे समय से एक बदमाश सलमान की पुलिस को तलाश थी। शालीमार गार्डन थाना पुलिस की बदमाश से मुठभेड़ हो गई। गोली लगने से घायल बदमाश को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। आरोपित के पास पुलिस ने दिल्ली से चोरी बाइक, तमंचा और कारतूस बरामद किया है।

उसका अस्पताल में इलाज चल रहा है। सहायक पुलिस आयुक्त शालीमार गार्डन सलोनी अग्रवाल ने बताया कि शालीमार गार्डन थाना पुलिस वजीराबाद रोड की तरफ से आने वाले रास्ते पर चेकिंग कर रही थी। तभी डीएवी कट वजीराबाद रोड की तरफ से एक बाइक पर संदिग्ध आता दिखाई दिया।

मणिपुर में 2 बिहारी मजदूरों की हत्या दो-दो लाख मुआवजे का ऐलान

पटना (एजेंसी): मणिपुर में पिछले साल शुरू हुई हिंसा अभी भी जारी है. शनिवार को हुए उपद्रवी हिंसा बिहार के दो मजदूर मारे गए. मरने वाले दोनों मजदूर बिहार के गोपालगंज के रहने वाले थे. मृतकों की पहचान १८ वर्षीय लक्ष्मण कुमार और १७ वर्षीय बेटा दशरथ सहनी के रूप में की गई है. दोनों मृतक गोपालगंज जिले के राजवाही गांव के रहने वाले थे. वहीं अब बिहार सरकार ने मृतकों के परिजनों के लिए मुआवजे का ऐलान किया है. इस बारे में बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स

पर पोस्ट करके जानकारी दी.

सीएम नीतीश कुमार ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा, मणिपुर में उपद्रवी हिंसा में बिहार के गोपालगंज जिले के रहने वाले लक्ष्मण कुमार और दशरथ कुमार की हत्या से मर्माहत हूं. यह घटना काफी दुःखद है. मृतकों के परिजनों के प्रति गहरी संवेदना है. मृत स्व लक्ष्मण कुमार और स्व दशरथ कुमार के परिजनों को मुख्यमंत्री राहत कोष से ०२-०२ लाख रू देने का निर्देश दिया है. साथ ही श्रम संसाधन विभाग एवं समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित योजनाओं से नियमानुसार अन्य लाभ दिलाने का निर्देश दिया है. दिल्ली में बिहार के स्थानिक आयुक्त को स्थिति की जानकारी लेने तथा हरसंभव सहायता उपलब्ध कराने एवं मृतकों के पार्थिव शरीर को उनके पैतृक गांव पहुंचाने के लिए भी आवश्यक व्यवस्था करने का निर्देश दिया है.

सहरसा में दुकानदार के सिर में गोली मारकर हत्या

सहरसा (एजेंसी): बिहार के सहरसा जिले में अपराधियों का तांडव रुकने का नाम नहीं ले रहा है. बेखौफ बदमाशों ने एक मेडिकल स्टोर में घुसकर दुकानदार की हत्या कर दी. बदमाशों ने दुकानदार के सिर में गोली मारकर आराम से फरार हो गए. जिससे युवक की मौके पर ही मौत हो गई. घटना बसनही थाना क्षेत्र के झिटकिया गांव की है. मृतक मेडिकल दुकानदार का नाम ४० वर्षीय रेवती रमण मंडल है, जो बसनही थाना क्षेत्र के झिटकिया गांव का रहने वाला था.

सरेशाम हुए इस घटना के बाद पूरे इलाके ने सनसनी फैल गई है. घटना के सम्बंध में बताया जाता है कि मृतक मेडिकल दुकानदार अपने दुकान में बैठा हुआ था तभी कुछ अज्ञात अपराधी आए और दुकानदार के सिर में गोली मारकर फरार हो गए. जिससे दुकानदार की घटना स्थल पर ही मौत हो गई. इधर मृतक के परिजनों ने पुराने जमीनी विवाद में हत्या की आशंका जाहिर की है. पीड़ि परिजनों का कहना है कि आपसी डियादी में पूर्व से ही ६ कट्ठा जमीन को लेकर विवाद चल रहा था.

वहीं घटना की सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की छानबीन करते हुए अपराधियों की तलाश में जुट गई है. उधर सहरसा पुलिस ने एडवोकेट दुलारचंद शर्मा हत्याकांड का खुलासा कर दिया है. दुलारचंद शर्मा की सिमरीबख्तियारपुर थाना क्षेत्र के पुरानी बाजार एनएच बायपास के समीप बीती २८ अक्टूबर की सुबह गोली मारकर हत्या की गई थी. पुलिस ने मुख्य आरोपी संतोष कुमार शर्मा को हिमाचल प्रदेश से गिरफ्तार किया है. पुलिस ने बताया कि पकड़े गए अभियुक्त संतोष कुमार ने अपने पिता की हत्या का बदला लेने के लिए इस घटना को अंजाम दिया था. संतोष के पिता उमेश शर्मा की हत्या अधिवक्ता दुलारचंद शर्मा ने ही करवाई थी.

दामाद की पिटाई से ससुर की मौत

सिवान (एजेंसी): बिहार के सिवान में एक बुजुर्ग व्यक्ति की पीट-पीट कर हत्या कर दी गई है. बुजुर्ग की हत्या से इलाके में सनसनी फैल गई. हत्या करने का आरोप दामाद पर लगा है. घटना को लेकर ग्रामीणों में आक्रोश बना हुआ है. घटना बड़हरिया थाना क्षेत्र के रसूलपुर गांव की है. मृतक का नाम जालिम बैठा है. बताया जा रहा है कि किसी बात को लेकर दामाद से कहा सुनी थी, उसके बाद दामाद ने पीट-पीट कर हत्या कर दी. घटना को अंजाम देकर आरोपी दामाद फरार हो गया. इस घटना को लेकर ग्रामीणों में आक्रोश बना हुआ है. वहीं ग्रामीण का कहना है कि कई बार कहने के बावजूद पुलिस मौके पर नहीं पहुंची है.

वहीं एक अन्य घटना में कथित दो बदमाशों को पीट-पीट कर मौत के घाट उतार दिया गया. घटना सराय थाना

क्षेत्र के मखदूम सराय लहेरा टोली मुहल्ले की है. मकान मालिक अनवर अली ने पुलिस को बताया है कि उनके घर में दो युवक घुस गए और पिस्टल दिखा कर पैसा मांगने लगे,तभी शोर करने पर मोहल्ले के लोग घर में घुस गए और दोनों अपराधी को रॉड एवं डंडा से मारकर हत्या कर दिया.

मृतकों की पहचान मुजफ्फरपुर जिले के बेला छपरा निवासी मोहम्मद क्लामुद्दीन के बेटे सैयद अली और सीवान के सराय थाना के पुरानी किला पोखरा मुहल्ला निवासी निजामुद्दीन के बेटे फकीरा के रूप में हुई है.

घटना की सूचना मिलते ही मौके पर सदर एसडीपीओ अजय कुमार सिंह दलबल के साथ जांच करने पहुंचे.जहां से एक पिस्टल बरामद किया गया.पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया. घटनास्थल को संरक्षित कर फ्रड्ड टीम को सूचित किया गया है.फिलहाल पुलिस पूरे मामले की तफ्तीश में जुटी हुई है.

तेजस्वी यादव सुपौल में कार्यकर्ताओं को भरेंगे जोश

सुपौल (एजेंसी): बिहार के नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी प्रसाद यादव रविवार कार्यकर्ताओं के साथ कार्यकर्ता दर्शन सह संवाद कार्यक्रम में भाग लेंगे. सुपौल के बंधन रिसोर्ट गार्डन में कार्यकर्ता दर्शन सह संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया है. बताया जा रहा है कि करीब ११ बजे से यह कार्यक्रम शुरू होगा. जिसमे जिले भर के तमाम राजद कार्यकर्ता और नेता संवाद में भाग लेंगे. इसको लेकर सारी तैयारी पूरी कर ली गयी है. तेजस्वी यादव देर शाम ही सुपौल पहुंच गए हैं.

सुपौल पहुंचते ही सर्किट हाउस में तेजस्वी यादव का कार्यकर्ताओं ने जोरदार स्वागत किया है. कार्यकर्ताओं में भारी उत्साह देखा जा रहा है. मालूम हो कि रात तेजस्वी सुपौल सर्किट हाउस में रात्रि प्रवास किया है. जहां देर रात तक कार्यकर्ता उनसे मिलते रहे. आज सुबह करीब ११ बजे तेजस्वी यादव कार्यकर्ता दर्शन सह संवाद कार्यक्रम में शामिल होकर कार्यकर्ताओं से विचार विमर्श करेंगे. जहां आगामी विधानसभा चुनाव के लिए बूथ स्तर तक की रणनीति पर विमर्श किया जाएगा.

बता दें कि तेजस्वी यादव की यह यात्रा सुपौल से शुरू होकर भागलपुर में संपन्न होगी. इस दौरान वो कोसी-सीमांचल क्षेत्र के जिलों का दौरा करेंगे. अपनी ८ दिनों की इस यात्रा के दौरान तेजस्वी यादव कुल ४४ विधानसभा क्षेत्रों में राजद के नेताओं और कार्यकर्ताओं के साथ बातचीत करेंगे. चुनाव और संगठन को लेकर आपस में मंथन किया जाएगा.

इससे पहले तेजस्वी यादव ने बड़ा दांव खेल दिया है. तेजस्वी ने वादा किया है कि अगर हमारी सरकार बनेगी तो हम करोड़ों माताएं और बहनों के लिए माई-बहिन मान योजना की शुरुआत करेंगे और आर्थिक रूप से कमजोर महिलाओं को २५०० रूपये देंगे. तेजस्वी ने कहा कि हम लगातार यात्रा पर घूम रहे हैं, हमारे कार्यकर्ता से सारी जानकारी मिल रही है. लोग बेरोजगारी महंगाई से जूझ रहे हैं.

माई-बहिन मान योजना चुनावी घोषणा नहीं प्रतिबद्धता : मनोज झा

पटना (एजेंसी): राज्यसभा के सांसद और राजद नेता मनोज झा ने बिहार में विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव की 'माई बहिन मान योजना' की घोषणा को चुनावी नहीं बल्कि प्रतिबद्धता बताया है. उन्होंने शनिवार को कहा, आज हमारे नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने दरभंगा में 'माई बहिन मान योजना' की घोषणा की.

यह घोषणा नहीं प्रतिबद्धता है. एक ऐसे राज्य में जहां खुशहाली का मतलब कुछ रह नहीं गया था. इस योजना से एक बुनियाद पड़ेगी और महिला समृद्ध होगी, वह सुखी होगी तो परिवार खुशहाल होगा.उन्होंने आग्रह करते हुए कहा कि लोग इसे सिर्फ एक चुनावी घोषणा के रूप में नहीं देखें. युवाओं के लिए भी उनकी जो पहले प्रतिबद्धता थी, उसमें भी नए आयाम जोड़े जाएंगे, जिनमें से कुछ की घोषणाएं की जा चुकी है. उन्होंने कहा कि आने वाले दिनों में व्यापक ब्लूप्रिंट के माध्यम से सारी तैयारी मुकम्मल करने के बाद वे (तेजस्वी यादव) युवाओं के लिए भी अलग से उनकी जो व्यवस्था उनके मन में है, वह सामने लाएंगे. यह हमारे लिए प्रतिबद्धता है. तेजस्वी यादव ने साफ कहा है कि उनका किसी से कोई राजनीतिक विरोध नहीं है. बिहार से बेरोजगारी कैसे खत्म हो, महिला सशक्तीकरण कैसे हो, खुशहाली कैसे हो, बस इसके लिए संघर्ष है. आत्ममुग्धता नहीं, आत्मकेंद्रित विमर्श नहीं.

इससे पहले बिहार में विपक्ष के नेता और पूर्व उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने सरकार बनने पर 'माई बहिन मान योजना' शुरू करने की घोषणा की. उन्होंने दरभंगा में घोषणा करते हुए कहा कि अगर बिहार में महागठबंधन की सरकार बनती है तो सरकार 'माई-बहिन मान योजना' शुरू करेगी, जिसके तहत महिलाओं के उत्थान के लिए प्रति माह २,५०० रुपए दिए जाएंगे. दरभंगा में पत्रकारों से चर्चा के दौरान उन्होंने कहा कि बिहार का नवनिर्माण महिलाओं की समृद्धि के बिना नहीं होगा. इस योजना के तहत बिहार की प्रत्येक महिला के बैंक खाते में प्रत्येक महीने २,५०० रुपए हस्तांतरित किए जाएंगे. यह योजना महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने में मदद करेगी.

2025 में दूल्हा बनेंगे चिराग पासवान मां को बेसब्री से है इंतजार

पटना (एजेंसी): केंद्रीय मंत्री और लोक जनशक्ति पार्टी रामविलास के प्रमुख चिराग पासवान की गिनती देश के चर्चित बैचलर्स में होती है. आए दिन उनकी शादी को लेकर सवाल उठते रहते हैं. लेकिन हर बार वो इस सवाल को टाल देते है.

बता दें कि बिहार के हाजीपुर सीट से सांसद चिराग पासवान मोदी ३ कैबिनेट में खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री हैं. अपने लुक और स्टाइल की वजह से वो हमेशा से चर्चा में रहते हैं. युवाओं में खासकर लड़कियों के बीच उनकी फैन फॉलोइंग है. राजनीति में सफल होने के बाद हर किसी को उनके शादी का इंतजार है. उनकी मां, बड़ी मां हर किसी को उम्मीद है कि जल्द ही चिराग दूल्हा बनेंगे.

इस बीच बीते दिनों चिराग पासवान ने अपनी शादी को लेकर बड़ी बात कही थी. दरअसल एक कार्यक्रम में शिरकत करने के दौरान चिराग

पासवान से ये सवाल किया गया था कि क्या २०२४ के अंत तक चिराग शादी करेंगे? चिराग पासवान ने इस सवाल पर तुरंत की हंसते हुए नहीं में जवाब दिया. अब २०२४ भी खत्म होने को है. ऐसे में कयास लगाए जा रहे हैं कि २०२५ में चिराग पासवान दूल्हा बन सकते हैं. चिराग के परिवार के लोगों के साथ साथ उनकी पार्टी के कार्यकर्ताओं को भी उनकी शादी का बेसब्री से इंतजार है.

वहीं चिराग की शादी को लेकर उनके साथ चट्टान की तरह हमेशा साथ खड़ी रहने वाली उनकी मां रीना पासवान ने एक इंटरव्यू में कहा था कि 'आप लोगों की तरह मै भी चिराग की शादी का इंतजार कर रही हूं, फिलहाल वो बहुत सारे कामों में व्यस्त है, जब भी उससे मैं शादी की बात करती हूं वो हंस देता है.

इसके साथ ही उन्होंने कहा कि ईश्वर करे वो जल्द शादी करे.' बता दें कि चिराग पासवान की बड़ी मां राजकुमारी देवी ने भी उन्हें जल्द दूल्हा बनने का आशीर्वाद दिया है.

वंदे भारत के खाने में मिला कीड़ा आईआरसीटीसी ने लगाया जुर्माना

प्रयागराज (ईएमएस): प्रीमियम ट्रेन वंदे भारत को जरुरत के मुताबिक सवारियां नहीं मिल रहीं है। जो गिने चुने लोग इसमें सफर करते हैं वे इसकी सेवाओं से संतुष्ट नहीं हैं।

यहां आए दिन खाने में कीड़े, कॉकरोच और छिपकलियां मिलने की खबरें आ रहीं हैं। मात्र तीन माह के अंतराल में वाराणसी से नई दिल्ली जा रही वंदे भारत (२२४१५) के अंदर फिर से खाने में कीड़ा मिला है। ट्रेन के अंदर कैटरिंग द्वारा यात्री को परोसे गए खाने में कीड़ा मिलने पर यात्री ने शिकायत परिवाद पुस्तिका में अपनी शिकायत दर्ज कराई है।

पहले भी एक सितंबर को भी इसी वंदे भारत में यात्री ने नाश्ते में आमलेट मांगा था और जब उसने आमलेट खाना शुरू किया तो उसमें काकरोच नजर आया था। इससे पहले आगरा हजरत निजामुद्दीन वंदे भारत, शिरडी से मुंबई जा रही वंदे

भारत में भी खाने में काकरोच मिल चुका है। आइआरसीटीसी (इंडियन रेलवे कैटरिंग टूरिज्म) ने इसका संज्ञान लेते हुए ठेकेदार पर खराब गुणवत्ता का खाना परोसने के लिए जुर्माना लगाया है। वंदे भारत में भोजन का ठेका दिल्ली की आरके एसोसिएट्स के पास है।

विकास कुमार नाम के यात्री को प्रयागराज से नई दिल्ली जाना था। वह कोच संख्या - सी तीन के सीट नंबर २५ पर यात्रा कर रहे थे। उनकी सीट पर ही कैटरिंग द्वारा भोजन परोसा गया। जब उन्होंने खाना शुरू किया तो अचानक सब्जी में उन्हें कीड़ा दिखा।

यात्री ने इसकी शिकायत की तो आसपास बैठे यात्रियों ने भी सब्जी में कीड़ा देखकर अपना नाश्ता व भोजन चेक किया और देखते ही देखते हंगामा मच गया।

आनन फानन टीटीई व आइआरसीटीसी के स्टाफ ने यात्री विकास को समझाने बुझाने की कोशिश की। विवाद बढ़ता देख विकास की शिकायत दर्ज कर ली गई।

बारिश होगी और यूपी-दिल्ली समेत कई राज्यों में गिरेगा पारा

नई दिल्ली(ईएमएस): बर्फबारी की वजह से उत्तर भारत में शीतलहर अपने तेवर दिखा रही है। बड़े इलाके में अभी कोहरे की मार ना पड़ने के बावजूद ठंड में कोई कमी नहीं है। मौसम विभाग के मुताबिक आंध्र प्रदेश, केरल, तमिलनाडु और अंडमान निकोबार के कुछ हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। इसके अलावा दक्षिण के ज्यादातर हिस्से में मौसम साफ रहेगा। लक्षद्वीप में ही हल्की बारिश हो कती है। इसके अलावा मैदानी इलाकों में भी बूंदाबांदी की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता।

यूपी के कई जिलों मे न्यूनतम तापमान ३ डिग्री तक पहुंच गया। वहीं राजधानी दिल्ली का न्यूनतम तापमान भी शनिवार को ४ डिग्री दर्ज किया गया। मौसम विभाग का कहना है कि अभी शीतलहर का प्रकोप बना रहेगा। वहीं पहाड़ों में बर्फबारी में इजाफा होगा जिससे पारा और लुढ़क सकता है। इसके अलावा दक्षिण के राज्यों में हल्की से मध्यम बारिश का अनुमान है। पंजाब और मध्य प्रदेश के कुछ हिस्सों में शीतलहर बेहद तेज हो सकती है। इसके अलावा हिमाचल प्रदेश, विदर्भ, बिहार, झारखंड, हरियाणा, चंडीगढ़, यूपी, छत्तीसगढ़, ओडिशा, पश्चिमी राजस्थान, पूर्वी राजस्थान में शीतलहर का कहर जारी रहेगी। असम, मेघालय, नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में इस सप्ताह घने कोहरे की मार पड़ सकती है।

हरियाणा और पंजाब के कई हिस्सों में रविवार को भी शीतलहर जारी रहेगी। फरीदकोट में न्यूनतम तापमान एक डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम विभाग ने यह जानकारी दी। मौसम विभाग के आंकड़ों के मुताबिक शनिवार को पंजाब में फरीदकोट सबसे ठंडा स्थान रहा। आंकड़ों के अनुसार, पंजाब के पठानकोट में न्यूनतम तापमान २.३ डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि गुरदासपुर में २.८ डिग्री और बठिंडा में ३.४ डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। इसके मुताबिक, अमृतसर में न्यूनतम तापमान ३.४ डिग्री सेल्सियस, लुधियाना में ७.८ डिग्री सेल्सियस और पटियाला में ६ डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

राम मंदिर बनाने वालों का सम्मान हुआ : सीएम योगी

लखनऊ (ईएमएस): मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ कहा कि आपने देखा होगा कि २२ जनवरी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी राम मंदिर का निर्माण करने वाले श्रमिकों का सम्मान कर रहे थे। एक तरफ जहां पीएम उन पर फूल बरसा रहे थे, वहीं दूसरी तरफ, इससे पहले की स्थिति ऐसी थी कि ताजमहल का निर्माण करने वाले श्रमिकों के हाथ काट दिए गए थे। उन्होंने कहा कि इतिहास में बढ़िया कपड़ा उद्योग में काम करने वाले श्रमिकों के भी हाथ काट दिए गए थे, जिससे एक पूरी परंपरा और विरासत नष्ट हो गई।

यूपी के सीएम ने कहा, आज भारत अपने श्रमबल का सम्मान करता है, उन्हें हर तरह की सुरक्षा देता है। दूसरी तरफ ऐसे शासक भी थे, जिन्होंने मजदूरों के हाथ काट दिए और बढ़िया कपड़े की विरासत को नष्ट कर दिया, परंपरा को पूरी तरह नष्ट कर दिया।

पहली से पंद्रहवीं शताब्दी के बीच विश्व की अर्थव्यवस्था में भारत के ऐतिहासिक योगदान के बारे में बात करते हुए सीएम योगी ने कहा, पहली शताब्दी से लेकर १५वीं शताब्दी तक यूरोप से जुड़े विद्वान भी स्वीकार करते हैं कि उस समय विश्व अर्थव्यवस्था में भारत की हिस्सेदारी ४० प्रतिशत से अधिक थी और १५वीं शताब्दी तक यही स्थिति रही।

मुंबई के बीकेसी स्थित जियो वर्ल्ड कन्वेंशन सेंटर में १३ दिसंबर को विश्व हिंदू आर्थिक मंच की शुरुआत हुई और यह १५ दिसंबर तक चलेगा। सीएम ने भारत को पहचान के संकट से बाहर निकालने के लिए प्रधानमंत्री मोदी की सराहना की। उन्होंने संभल में मिले मंदिर की पृष्ठभूमि में कहा, आज जो लोग आतंकवाद को बढ़ावा दे रहे हैं और उसका पोषण कर रहे हैं, ये लोग हमारी विरासत पर दावा करते हैं, जब वे कहीं नहीं थे, उनके बीज भी नहीं फूटे थे, तब भी हमारी विरासत थी।

स्वास्थ्य सेवा में बदलाव लाया जाएगा : मंत्री इरफान

गोविंदपुर (ससे) : स्वास्थ्य मंत्री डॉ इरफान अंसारी ने कहा कि झारखंड की स्वास्थ्य सेवा में बदलाव लाया जाएगा। गरीबों तक स्वास्थ्य सेवा पहुंचाई जाएगी। उन्होंने कहा कि भाजपा शासन में स्वास्थ्य विभाग की दुर्दशा हो गई थी, जिसे सुधारा जाएगा। वह रविवार को बलियापुर रोड गोविंदपुर में अपने अभिनंदन समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि चुनाव परिणाम के बाद दूरबीन लेकर खोजने से भी भाजपाई नहीं मिल रहे हैं। घुसपैठिया कहने वाले भाजपा नेताओं को जनता ने खदेर दिया। झारखंड में २७ आदिवासी और १८ मुस्लिम है और सरकार में पर्याप्त प्रतिनिधित्व दिया गया है। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य क्षेत्र में

धनबाद बढ़िया है, परंतु यहां भी गड़बड़ी है।

जिसे ठीक करेंगे। सरकारी अस्पतालों की दशा सुधारी जाएगी। अध्यक्षता याकूब अंसारी एवं संचालन यासीन अंसारी ने किया मंत्री ने फूड गार्डन रेस्टोरेंट का उद्घाटन किया। इस अवसर पर झामुमो नेता मोबिन अंसारी, एजाज अहमद, मोइन अंसारी, अनवर अंसारी पैगाम अली, दिल मोहम्मद, माथुर अंसारी आनंद जायसवाल, नूर मोहम्मद, अब्दुल कयूम काजी, पंकज सिंह, अभिजीत सिंह, महिबुल रहमान, फारूक अंसारी, गुलाम मुंतका, इमरान अंसारी, अरशद, जाकिर परवेज अंसारी आदि मौजूद थे।

विधायक चद्रदेव महतो से मिले ग्रामीण चिकित्सक

बलियापुर (ससे) : झारखंड ग्रामीण चिकित्सक संघ का एक प्रतिनिधिमंडल रविवार को सिंदरी विधायक चन्द्रदेव महतो से मिला। ग्रामीण चिकित्सकों के साथ अपमान जनक व्यवहार एवं कानूनी पहलुओं पर विस्तृत रूप चर्चा की। मौके पर अध्यक्ष राजेश कुमार महतो, रूपेश कुमार महतो, मदन चन्द्र प्रमाणिक, नवीन चन्द्र महतो, जितेन्द्र नाथ मंडल, श्रीमंत महतो, हुबलाल रजवार आदि मौजूद थे।

स्कोर्पियो-बाइक टक्कर में दो बाइक सवार घायल

बलियापुर (ससे) : सिंदरी बलियापुर मुख्य सड़क मार्ग गुरीटांड़ मोड़ के पास रविवार को बाइक एवं स्कोर्पियो के बीच हुई टक्कर में बाइक पर सवार दो युवक घायल हो गया। लोगों ने दोनों घायलों को गंभीर अवस्था में शहीद निर्मल महतो मेमोरियल अस्पताल धनबाद में भर्ती कराया। पुलिस ने दुर्घटना ग्रस्त स्कोर्पियो एवं बाइक को जब्त कर बलियापुर थाना ले आई।

टाटा डीएवी में शिक्षक-अभिभावक सभा

जोड़ापोखर (ससे) : रविवार को टाटा डीएवी स्कूल प्रांगण में १०वीं और १२ वीं के अभिभावकों और शिक्षकों के बीच केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड द्वारा आयोजित परीक्षा में बच्चों के अच्छे परीक्षा परिणाम कैसे हो इस विषय पर एक सभा आयोजित की गई। सर्वप्रथम विद्यालय के प्राचार्य अनुज कुमार मिश्रा ने आगंतुक अभिभावकों का स्वागत किया। इसके पश्चात् उन्होंने आज तक विद्यालय द्वारा छात्रों के स्वर्णिम भविष्य के लिए किए गए प्रयासों की चर्चा की।

बिना रुकावट अनवरत कक्षा, शून्य काल में आयोजित कक्षा, अतिरिक्त १ बजे से २ बजे तक चलने वाली कक्षा, सोमवार को होने वाली साप्ताहिक परीक्षा, शिक्षक द्वारा छात्रों के व्यक्तिगत शंका समाधान, सजाविहीन व्यवहार, प्यार और केयर तथा उच्च मूल्य आदि के विषय में विद्यालय द्वारा किए गए प्रयासों से अभिभावकों को अवगत कराया। आने वाले १६ दिसंबर से २० जनवरी २०२५ तक के लिए विद्यालय ने जो व्यवस्था बनाई है इसकी भी जानकारी अभिभावकों को दी गई।

जिसमें निम्नलिखित बातें थीं आवश्यकता अनुरूप कक्षाओं का वर्गीकरण, अतिरिक्त कक्षा, बच्चों की उपस्थिति, तीन भागों में कक्षा की व्यवस्था आदि विषय की बात की गई। प्राचार्य ने यह कहा कि इसके लिए शिक्षक सह अभिभावकों का सहयोग अपेक्षित है।

आप सरकार ने पेंडिंग सभी रिपोर्ट एलजी को भेजी

नई दिल्ली(ईएमएस): दिल्ली की आम आदमी पार्टी सरकार ने लंबित कैग की १४ रिपोर्टें उपराज्यपाल कार्यालय को भेज दी हैं। उपराज्यपाल सचिवालय ने इन रिपोर्टों के मिलने की पुष्टि की है। दिल्ली विधानसभा में नेता विपक्ष ने हाईकोर्ट में याचिका दाखिल कर दिल्ली सरकार को लंबित इन १४ कैग रिपोर्टों को दिल्ली विधानसभा के पटल पर रखने के लिए निर्देश देने की मांग की गई थी।

एलजी कार्यालय ने नोट में कहा, सरकार ने अपनी छवि बचाने के लिए सुनवाई से ठीक एक दिन पहले ११ दिसंबर को दोपहर ३:३० बजे जल्दबाजी में १२ रिपोर्ट भेजीं और बाद में सुनवाई समाप्त होने के बाद १२ दिसंबर को शाम ७.५० बजे दो शेष रिपोर्ट एलजी सचिवालय को भेजीं। रिपोर्ट में दावा किया गया कि ये रिपोर्ट वित्त मंत्री आतिशी के पास करीब ५०० दिनों तक पड़ी रहीं। दिल्ली सरकार ने अभी तक सीएजी रिपोर्ट पेश करने के लिए विधानसभा सत्र की तारीख घोषित नहीं की है।

राज निवास ने शनिवार को जानकारी देते हुए बताया कि दिल्ली सरकार ने डेढ़ साल से अधिक की देरी के बाद नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) की सभी १४ लंबित रिपोर्टें विधानसभा में पेश करने के लिए एलजी को उनकी मंजूरी के लिए भेज दी हैं। दिल्ली विधानसभा में विपक्ष के नेता विजेंद्र गुप्ता ने पहले ही 'आप' सरकार से विधानसभा का विशेष सत्र बुलाने के लिए कहा है, जो अगले साल फरवरी में अपना ५ साल का कार्यकाल पूरा कर रही है, ताकि कैग रिपोर्टों को पेश किया जा सके।

ग्रामीणों के बीच कंबल वितरण

बलियापुर (ससे) : कालाझोर बस्ती घडबाड पंचायत में बैंक ऑफ इन्डिया एससी/एस टी/ओबीसी कर्मचारी संगठन धनबाद अंचल के बैनर तले १०५ ग्रामीणों के बीच कंबल एवं नाश्ते का वितरण किया गया। कार्यक्रम के आरम्भ में जामतारा शाखा के वरीय प्रबन्धक अनुप रजक ने ग्रामीणों को बैंक के योजना के बारे में बताया, कार्यक्रम को एजीएस रतन रजक ने संगठन के द्वारा की जाने वाली विभिन्न योजना के बारे में जानकारी दी, मनाईटांड़ शाखा के शंकर दास ने ग्रामीणों को नशा से दूर रहने को कहा।

कार्यक्रम में रतन रजक, देवव्रत कुमार, सुनील राउत, अनुप रजक, दीपक कुमार, आशा लता टुडू, अंजु हेम्ब्रम, रूपम, गणेश कुमार बागती, आशिष शरण, शंकर दास, सुभाष बालमिकी, प्रवीण नायक, रमीज राजा, विश्वजीत कुमार, उत्तम रविदास उपस्थित थे। आज के इस कार्यक्रम का समापन स्कूल के शिक्षक शिव शंकर जी के द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ सम्पन्न हुआ।

ईवीएम का रोना बंद कर चुनाव नतीजों को करें कुबूल

श्रीनगर (ईएमएस): इंडिया ब्लॉक के एक महत्वपूर्ण सहयोगी ने कांग्रेस की लाइन से खुद को अलग कर लिया है। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री और नेशनल कॉन्फ्रेंस के उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला ने इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन पर कांग्रेस पार्टी की आपत्ति को सिरे से खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि जब उसी ईवीएम से आपके १०० से अधिक सांसद चुनकर आते हैं तो आप इसे अपनी पार्टी की जीत के रूप में सेलिब्रेट करते हैं, तो आप कुछ महीनों बाद पलट कर यह नहीं कह सकते कि हमें ईवीएम से वोटिंग पसंद नहीं है, क्योंकि अब चुनाव परिणाम वैसे नहीं आ रहे जैसा हम चाहते हैं।

उमर अब्दुल्ला की यह टिप्पणी भाजपा की लाइन से मैच करती है। भाजपा भी कहती है कि विपक्षी दल जब जीतते हैं तो ईवीएम को ठीक मानते हैं और जब हारते हैं तो ईवीएम को दोषी ठहरा देते हैं। जब अब्दुल्ला से कहा गया कि उनकी यह टिप्पणी ऐसी मालूम पड़ रही है, जैसे भाजपा प्रवक्ता विपक्ष के आरोपों को डिफेंड कर रहा हो, तो उन्होंने प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि भगवान न करे! नहीं, यह बस इतना ही है... जो सही है वह सही है।

मैं सच को सच और गलत को गलत कहता हूं

उन्होंने कहा कि वह पार्टी लाइन फॉलो करने की बजाय सच को सच और गलत को गलत कहना पसंद करते हैं। उमर अब्दुल्ला ने सेंट्रल विस्टा जैसी बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के लिए अपने समर्थन को अपनी स्वतंत्र सोच का उदाहरण बताया। उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि दिल्ली में सेंट्रल विस्टा बहुत अच्छा प्रोजेक्ट है। मेरा मानना है कि नए संसद भवन का निर्माण कराना एक शानदार विचार था। हमें नए संसद भवन की आवश्यकता थी। पहले वाली पार्लियामेंट बिल्डिंग पुरानी हो चुकी थी और मौजूदा जरूरतों के हिसाब से फिट नहीं थी।

उप राष्ट्रपति ने ग्वालियरवासियों को दी अनूठी सौगात

भोपाल (ईएमएस): उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने ग्वालियर में देश के पहले जियो साइंस म्यूजियम (भू-विज्ञान संग्रहालय) का रविवार को उदघाटन किया।

ग्वालियर के ऐतिहासिक महाराज बाड़ा पर हैरीटेज बिल्डिंग विक्टोरिया मार्केट में स्थापित अत्याधुनिक जियो साइंस म्यूजियम के उदघाटन अवसर पर राज्यपाल मंगुभाई पटेल, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, केन्द्रीय संचार व पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया, केन्द्रीय कोयला एवं खान राज्य मंत्री सतीश चंद्र दुबे, विधानसभा अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर, ग्वालियर जिले के प्रभारी एवं जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट एवं सांसद भारत सिंह कुशवाह भी मौजूद थे। इस अवसर पर उप राष्ट्रपति की धर्मपत्नी सुदेश धनखड़ विशेष रूप से उपस्थित रही।

उप राष्ट्रपति ने पट्टिका का अनावरण कर एवं म्यूजियम के प्रवेश द्वार पर फीता काटकर देश के पहले अत्याधुनिक जियो

साइंस म्यूजियम का उदघाटन किया। साथ ही ग्वालियरवासियों को इस अनूठी सौगात की बधाई एवं शुभकामनायें दीं। उन्होंने सभी अतिथियों के साथ म्यूजियम की विभिन्न गैलरियों में दर्शाए गए भू-विज्ञान से संबंधित चित्रों, कलाकृतियों एवं जानकारियों को देखा एवं म्यूजियम की सराहना की।

जियो साइंस म्यूजियम में दो गैलरियों के माध्यम से भू-विज्ञान के बारे में लाइट इफेक्ट के साथ आकर्षक ढंग से जानकारी संजोई गई है। एक गैलरी में पृथ्वी के विकास को दर्शाया गया है, जिसमें उल्लेख है कि पृथ्वी अपने मूल स्वरूप में किस प्रकार आई और कौन-कौन सी चीजों से मिलकर पृथ्वी बनी है। वर्तमान में जो पृथ्वी है, असल में वह कैसी दिखती है। पृथ्वी के भीतर लावा किस तरह से तैयार होता है और ज्वालामुखी फूटने से किस तरह पर्वतों का निर्माण होता है। यह सब जानकारियां बखूबी ढंग से संग्रहालय में दर्शायी गई हैं। यहाँ आने वाले पर्यटन भूकम्प का अनुभव भी कर सकेंगे।

इसके अलावा वायु मण्डल और महासागर के बारे में भी वर्णन है। लाइट इफेक्ट और अत्याधुनिक मशीनी तकनीक से बड़े बखूबी ढंग से यह सब प्रदर्शित किया गया है। जियो साइंस म्यूजियम की दूसरी गैलरी में मानव जाति और मानव सभ्यता के विकास को बड़े बखूबी ढंग से प्रदर्शित किया गया है।

इसमें यह भी दर्शाया गया है कि धरती पर डायनासोर की उत्पत्ति और विलुप्ति हुई। साथ ही मानव की उत्पत्ति कैसे हुई और कैसे उसका जीवनक्रम आगे बढ़ा।

बागपत ईपीई तक सफर होगा टोल फ्री

नई दिल्ली(ईएमएस): दिल्ली-सहारनपुर हाईवे पर सफर करने वाले लोगों को जल्द ही गुड न्यूज मिल सकती है। दिल्ली-सहारनपुर हाईवे पर बागपत ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे (ईपीई) तक सफर टोल फ्री होगा। इसे लेकर सैद्धांतिक सहमति बन चुकी है। इसके लिए अभी नोटिफिकेशन कर औपचारिक घोषणा होनी बाकी है। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआइ) ने एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि दिल्ली-बागपत के बीच आवागमन पर लोगों को जेब ढीली नहीं करनी होगी। बागपत ईपीई से करीब १५० मीटर आगे एक टोल है, उसे पार करने पर ही टोल वसूली शुरू होगी।भारतमाला परियोजना के तहत इस हाईवे का निर्माण किया गया है। इसका दिल्ली में एनएच-नौ अक्षरधाम मंदिर से लेकर बागपत ईपीई तक करीब ३२ किलोमीटर का हिस्सा बनकर तैयार है। इसमें करीब २४५० करोड़ रुपये की लागत आई है।इसी हिस्से के उद्घाटन की तैयारियां भी चल रही हैं। इसी बीच तय किया गया है कि इस हिस्से पर टोल नहीं रहेगा। पहले दिल्ली से लोनी बॉर्डर तक टोल फ्री करने का प्रविधान किया जा रहा था। लोनी से आगे टोल लगना था, इसके लिए टोल प्लाजा भी बना दिया गया था।अब निर्णय में फेरबदल करने की तैयारी हो रही है। इससे लोगों को सहूलियत होगी कि दिल्ली से बागपत तक इस सड़क पर सुहाने सफर के लिए टोल के खर्च से बच जाएंगे। जो सहारनपुर या देहरादून जाएगा या वहां से आएगा, उसे टोल देना होगा।

झालावाड़ का विष्णु दे गया 4 लोगों को जिंदगी, ऑर्गन डोनेशन

जयपुर,(ईएमएस): राजस्थान में एक युवक चार लोगों को नई जिंदगी दे गया। दरअसल, १० दिसंबर को झालावाड़ के पीपाजी के रहने वाले विष्णु (३३) का झगड़ा के बाद ब्रेनडेड हो गया था। परिवार ने १३ दिसंबर को ऑर्गन डोनेशन की सहमति दी थी। इस युवक से ४ लोगों को जीवनदान मिला। जयपुर और जोधपुर में होने वाले ट्रांसप्लांट के लिए ऑर्गन पहली बार हेलिकॉप्टर से पहुंच जा रहे हैं। रविवार सुबह करीब ११.३० बजे झालावाड़ से ऑर्गन लेकर हेलिकॉप्टर जयपुर के एसएमएस मेडिकल कॉलेज पहुंचा।

एक ऑर्गन बॉक्स को ग्रीन कॉरिडोर बनाकर एसएमएस हॉस्पिटल पहुंचाया गया। जोधपुर एम्स के स्पोर्ट्स ग्राउंड में हेलिकॉप्टर की लैंडिंग करीब १२.४५ मिनट पर हुई। यहां से एक किलोमीटर दूरी पर हॉस्पिटल में ऑर्गन को शिफ्ट किया गया। जयपुर में दो मरीजों को और जोधपुर में एक मरीज को ऑर्गन ट्रांसप्लांट किया जाएगा। जयपुर के एसएमएस हॉस्पिटल में हार्ट लंग और किडनी का ट्रांसप्लांट आज ही किया जाएगा। इसमें करीब १२ घंटे का समय लगेगा। ऑपरेशन के दौरान ओटी में करीब २५ डॉक्टर की टीम होगी जो ऑपरेशन को करेगी। जयपुर में हार्ट और लंग एसएमएस हॉस्पिटल बांगड़ में एक पेशेंट को लगाई जाएगी। जोधपुर एम्स में लिवर और एक किडनी ट्रांसप्लांट के लिए ट्रांसपोर्ट की जाएगी। इन्हें भी ऑपरेट करने में करीब १२ घंटे लगेंगे। जबकि एक किडनी जयपुर के एसएमएस हॉस्पिटल के एसएसबी सुपर स्पेशलिस्ट बिल्डिंग में एक अन्य पेशेंट को लगाई जाएगी।

जल्द से जल्द जम्मू-कश्मीर का राज्य का दर्जा बहाल किया जाए : सीएम उमर

नई दिल्ली,(ईएमएस) ; सीएम उमर अब्दुल्ला ने कहा कि जम्मू-कश्मीर में लेफ्टिनेंट गवर्नर के साथ सत्ता शेयर करना विनाश की रेसिपी की तरह है। उन्होंने कहा कि डबल पावर सेंटर सिस्टम कभी काम नहीं करेगा। उमर ने यह बात एक साक्षात्कार में कही।

सीएम उमर ने कहा कि मैं बस इतना कहना चाहता हूं कि किसी भी जगह डबल पावर सेंटर होना आपदा का कारण बन सकता है। अगर कई पावर सेंटर हैं तो कोई भी संगठन ठीक से काम नहीं कर सकता है। यही कारण है कि हमारी खेल टीम में एक कप्तान होता है, दो नहीं। उमर ने केंद्र सरकार से अपना वादा निभाने की बात भी कही। उन्होंने कहा कि जल्द से जल्द जम्मू-कश्मीर का राज्य का दर्जा बहाल किया जाए। केंद्र सरकार ने ५ अगस्त २०१९ को जम्मू-कश्मीर के स्पेशल स्टेटस को खत्म कर दिया था। इस दौरान इसे दो केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में बांट दिया गया था।

उमर अब्दुल्ला ने दिल्ली का उदाहरण देते हुए कहा कि यहां कि सरकार लेफ्टिनेंट गवर्नर के साथ पावर शेयीर करती है। ये कड़वा और विवादास्पद अनुभव है। दिल्ली छोटा राज्य है, जबकि जम्मू और कश्मीर एक बड़ा और रणनीतिक एरिया है। उन्होंने कहा कि पिछले दो महीनों में जब से मैं सीएम बना हूं मुझे अभी तक एक भी ऐसा उदाहरण नहीं मिला जहां जम्मू-कश्मीर को केंद्र शासित प्रदेश होने से कोई लाभ मिला हो। ऐसा एक भी उदाहरण नहीं है जहां शासन या विकास का काम जम्मू-कश्मीर को केंद्र शासित प्रदेश होने के कारण मिला हो।

सीएम उमर ने कहा कि जम्मू-कश्मीर में चुनाव केवल सुप्रीम कोर्ट के हस्तक्षेप के कारण ही हो सके। हमारे लिए दुर्भाग्य की बात है कि जम्मू-कश्मीर राज्य का दर्जा के सवाल पर सुप्रीम कोर्ट ने जितना अस्पष्ट फैसला दिया।

पेरासिटामोल ज्यादा खाने से ब्लीडिंग और अल्सर की संभावना

नई दिल्ली (ईएमएस): बुखार की दवा पेरासिटामॉल का ज्यादा उपयोग किए जाने से अल्सर और ब्लीडिंग जैसी बीमारियां घेर सकती हैं। इसके अलावा किडनी, हार्ट और हाई ब्लड प्रेशर का भी जोखिम बढ़ जाता है।

ब्रिटेन की नाटीघम यूनिवर्सिटी के शोध में यह जानकारी सामने आई है। यह शोध अर्थराइटिस केयर एंड रिसर्च में प्रकाशित हुआ है। शोधकर्ताओं ने ६५ वर्ष या इससे अधिक उम्र के १.८० लाख लोगों का अध्ययन किया।

जनवरी से दौड़ेगी दिल्ली व श्रीनगर के बीच ट्रेन

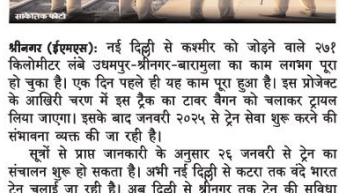

श्रीनगर (ईएमएस): नई दिल्ली से कश्मीर को जोड़ने वाले २७१ किलोमीटर लंबे उधमपुर-श्रीनगर-बारामुला का काम लगभग पूरा हो चुका है। एक दिन पहले ही यह काम पूरा हुआ है। इस प्रोजेक्ट के आखिरी चरण में इस ट्रैक का टावर वैगन को चलाकर ट्रायल लिया जाएगा। इसके बाद जनवरी २०२५ से ट्रेन सेवा शुरू करने की संभावना व्यक्त की जा रही है।

सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार २६ जनवरी से ट्रेन का संचालन शुरू हो सकता है। अभी नई दिल्ली से कटरा तक वंदे भारत ट्रेन चलाई जा रही है। अब दिल्ली से श्रीनगर तक ट्रेन की सुविधा मिलेगी। इस ट्रैक पर २४ घंटे काम चल रहा था, जो अब पूर्ण हो चुका है। नॉर्दर्न रेलवे के जनसंपर्क अधिकारी हिमांशु शेखर के अनुसार ८०० किलोमीटर का यह सफर १३ घंटे में पूर्ण होगा। किराया २००० रूपये से लेकर ४००० रूपये के बीच में होगा। जो नई ट्रेन संचालित होगी। इसके ११ स्टॉपेज होंगे।

नई दिल्ली से अंबाला, कैंट, लुधियाना, पठानकोट, जम्मू तवी, कटरा,सवालकोट, बनिहाल, काजीकुंड, अवंतीपुरा, श्रीनगर और अंतिम स्टेशन बारामूला होगा। इस ट्रेन में एसी ३ एसी १ कोच होंगे। ट्रेन में गर्म पानी के टैंक भी रखे जाएंगे। ट्रेन में स्लीपर कोच लगाने के बारे में भी विचार किया जा रहा है। अभी हवाई जहाज का किराया ५००० से लेकर १२००० रूपये तक होता है। जो रेल सफर में अधिकतम ४००० होगा। नॉर्दर्न रेलवे का मानना है, इस ट्रेन के चलने के बाद श्रद्धालु माता वैष्णो देवी मंदिर और जम्मू कश्मीर तक की यात्रा करेंगे। इससे जम्मू कश्मीर का पर्यटन बड़ी तेजी के साथ बढ़ेगा। अभी जम्मू से श्रीनगर जाने के लिए ६ घंटे का समय कार से लगता है।

वरुण धवन के सवाल पर शाह ने राम व रावण में बताया अंतर

नई दिल्ली(ईएमएस) : फिल्म अभिनेता वरुण धवन को एक टीवी कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री अमित शाह से सवाल पूछने का मौका मिल गया। इस दौरान जो स्थित बनी उससे ठहाके भी लगे शाह ने जो बात कहीं वो काफी वजनदार थी। दरअसल, शाह उनसे कहते हैं कि पत्रकार मत बन जाना इन लोगों की तरह। इस पर वरुण हंसते हुए कहते हैं नहीं सर। वरुण ने अपनी बात को आगे बढ़ाते हुए कहा, आपने काफी कुछ कहा है जिसे सुनकर मैं काफी प्रभावित हुआ हूं।

मुझे बस एक ही सवाल पूछना था आपसे, भगवान राम में और रावण में सबसे बड़ा अंतर क्या था?वरुण धवन के सवाल का जवाब देते हुए अमित शाह ने कहा, कुछ लोगों के लिए खुद की दिलचस्पी (ड्यूटी) धर्म से तय होता है। कि मुझे करना चाहिए या नहीं। कुछ लोगों के लिए धर्म खुद के इंटरेस्ट से तय होता है। बस इतना ही अंतर है राम और रावण में। राम धर्म की व्याख्या के अनुसार जीवन जीते थे। रावण ने धर्म को अपनी व्याख्या के अनुसार बदलने का प्रयास किया। इसके बाद वरुण कहते हैं कि एक अपने अहंकार के लिए बोला था कि तो मेरे दिमाग में एक चीज आई थी कि जो रावण था उसे ज्ञान का अहंकार था और भगवान राम को अहंकार का ज्ञान था।

ठंड ने यूपी में तोड़ा बीस साल का रिकॉर्ड, किसान की मौत

नई दिल्ली,(ईएमएस): उत्तर भारत के राज्यों में तेज ठंड का दौर जारी है। यूपी में २० साल बाद दिसंबर के दूसरे सप्ताह में कोल्डवेव चल रही है। यहां तीसरे या चौथे हफ्ते तक शीतलहर चलती है। तेज ठंड के कारण शनिवार को चित्रकूट के एक किसान की मौत हो गई। यूपी में सबसे ज्यादा ठंड अयोध्या में पड़ रही है। यहां तापमान ३ डिग्री तक पहुंच गया है।

वहीं मध्य प्रदेश में सबसे कम तापमान शहडोल में १.५ डिग्री दर्ज किया गया। राजधानी भोपाल में भी रात का पारा ४ डिग्री से नीचे पहुंच गया। मौसम विभाग ने कहा कि दिसंबर में १० साल में दूसरी बार इतना कम पारा दर्ज किया गया है। राजस्थान में ११ शहरों में सीजन का सबसे कम तापमान दर्ज किया गया है। मध्यप्रदेश और राजस्थान के कुल १५ शहरों में शनिवार को तापमान ४ डिग्री से नीचे रिकॉर्ड किया गया है।

मौसम विभाग ने कहा है कि इन राज्यों में २-३ दिन तक ठंड का दौर जारी रहेगा। रविवार को बिहार-हरियाणा समेत १४ राज्यों में कोल्डवेव का अलर्ट जारी किया गया है। पंजाब और मध्यप्रदेश में सीवियर कोल्डवेव की चेतावनी दी गई है। जम्मू-कश्मीर के कई जिलों में तापमान माइनस में चल रहा है। मौसम विभाग ने बताया कि बर्फबारी के कारण यहां न्यूनतम तापमान में गिरावट आई है। जोजिला में तापमान माइनस २२ डिग्री रिकॉर्ड किया गया। वहीं, श्रीनगर में माइनस ३.४ डिग्री, पहलगाम में माइनस ४.०, गुलमर्ग में माइनस ३.८ डिग्री तापमान रिकॉर्ड किया गया।

मौसम विभाग के मुताबिक सोमवार को तमिलनाडु, पुडुचेरी में ७ सेंटीमीटर से ज्यादा बारिश होगी। इन राज्यों में बिजली गिरने का भी अनुमान लगाया गया है। जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, राजस्थान और मध्य प्रदेश में घना कोहरा छाया रहेगा। पश्चिम बंगाल के तटों के आसपास ५५ किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चलेगी।

वहीं १७ दिसंबर को तमिलनाडु, पुडुचेरी में १२ सेंटीमीटर से ज्यादा बारिश होगी कर्नाटक और आंध्र प्रदेश में ७ सेंटीमीटर से ज्यादा बारिश हो सकती है। हरियाणा और यूपी में घने कोहरे का अलर्ट जारी किया गया है। इन राज्यों में विजिबिलिटी भी घट सकती है। राजस्थान में कोल्डवेव का अलर्ट है। यहां कई शहरों में तापमान पांच डिग्री के नीचे रहने की उम्मीद है।

१८ दिसंबर की बात करें तो तमिलनाडु, पुडुचेरी, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश के अलावा केरल में बिजली गिरने के साथ बारिश के आसार हैं। राजस्थान के कुछ इलाकों में शीतलहर चलेगी। तापमान में बढ़ोतरी की उम्मीद नहीं है। नॉर्थ ईस्ट के राज्यों में भी ठंड बढ़ सकती है। यहां तापमान में गिरावट आ सकती है।

जयराम महतो की पार्टी पर विस चुनाव के दौरान विदेशों से फंड लेने का आरोप, चुनाव आयोग ने लिया संज्ञान

रांची (एजेंसी): डुमरी विधायक जयराम महतो की पार्टी पर विधानसभा चुनाव के दौरान विदेशी फंडिंग का आरोप लगा है. पश्चिम बंगाल के रहने वाले राहुल बनर्जी नाम के व्यक्ति द्वारा शिकायत किये जाने के बाद चुनाव आयोग ने संज्ञान लिया है. आयोग ने बोकारो डीसी को पत्र लिख कर आवश्यक कार्रवाई करने को कहा है.

चुनाव में विदेशों से धन आया था

बोकारो डीसी को लिखे पत्र में चुनाव आयोग ने बताया है कि पश्चिम बंगाल निवासी राहुल बनर्जी ने ईमेल के जरिए राज्य चुनाव आयोग से शिकायत की है कि झारखंड में हुए विधानसभा चुनाव में झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा ने अवैध तरीके से विदेशी फंडिंग के जरिए धन मंगाया था, जिसका इस्तेमाल चुनाव

में किया गया. पत्र में लिखा है कि चुनाव में विदेशी धन का इस्तेमाल नहीं किया जा सकता, यह चुनाव आचार संहिता का पूरी तरह उल्लंघन है. पत्र के जरिए चुनाव आयोग से यह भी शिकायत की गयी है कि ज्यादातर विदेशी धन सऊदी अरब से लाया गया था. इस संबंध में ईमेल में क्यूआर कोड और भेजी गयी राशि का ब्योरा भी दिया गया है.

शिकायतकर्ता ने साक्ष्य भी उपलब्ध कराये हैं

पत्र में यह भी कहा गया है कि जयराम महतो की पार्टी के खिलाफ विदेशी फंडिंग की शिकायत करने वाले राहुल बनर्जी ने आयोग को तमाम साक्ष्य भी उपलब्ध कराये हैं, जिनसे पता चलता है कि सऊदी में रहने वाले एक दर्जन लोगों ने झारखंड में हुए विधानसभा चुनाव में मदद के लिए जयराम की पार्टी को पैसे भेजे थे. शिकायत पत्र में पैसे भेजने वालों के नाम और भेजी गयी रकम का भी जिक्र किया गया है. चुनाव में इस्तेमाल के लिए जयराम महतो की पार्टी द्वारा विदेशी फंड जुटाने के लिए जारी किये गये क्यूआर कोड को भी शिकायत पत्र के साथ संलग्न किया गया है.

प्रदर्शन में भाग लेनेवाले सीजीएल छात्रों पर होगी कार्रवाई : रांची जिला प्रशासन

रांची (एजेंसी): रांची जिला प्रशासन ने जेएसएससी कार्यालय घेराव के छात्रों के प्रस्तावित कार्यक्रम को लेकर संदेश जारी किया है. जिसमें कहा गया है झारखंड राज्य कर्मचारी चयन आयोग के कार्यालय नामकुम के पास एसडीओ के द्वारा धारा १६३ के तहत निषेधाज्ञा जारी किया है, जिसके तहत विरोध प्रदर्शन, धरना आदि करना गैरक़ानूनी है. आप सभी से अपील की जाती है कि, किसी भी प्रकार के आक्रामक प्रदर्शन में भाग लेने से बचें. ऐसी गतिविधियां न केवल कानून व्यवस्था के लिए समस्या उत्पन्न करती हैं, बल्कि आपकी शिक्षा, भविष्य और कैरियर पर भी गहरा प्रभाव डाल सकती हैं.

अगर आप किसी हिंसक या गैरक़ानूनी गतिविधि में शामिल पाए जाते हैं, तो आपके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जा सकती है. यह कार्रवाई आपके शैक्षणिक रिकॉर्ड और भविष्य में नौकरी पाने की संभावनाओं को गंभीर रूप से प्रभावित कर सकती है. आजकल अधिकांश नौकरियों में पुलिस वेरिफिकेशन की आवश्यकता होती है, और कोई भी नकारात्मक रिकॉर्ड आपके करियर के रास्ते में रुकावट बन सकता है एवं न सिर्फ़ सरकारी नौकरियों बल्कि निजी कंपनियों में भी नौकरी अथवा ठेके प्राप्त करने में बाधक बन सकता है.

आपकी प्राथमिकता आपकी पढ़ाई और उज्ज्वल भविष्य होना चाहिए। किसी भी समस्या या शिकायत के लिए शांतिपूर्ण और कानूनी उपाय अपनाएं। आक्रामकता से न तो कोई समाधान मिलेगा और न ही यह आपके या समाज के हित में है. यदि आपको परीक्षा से संबंधित कोई भी शिकायत है तो इसके लिए शांतिपूर्ण तरीके से अपनी बात रखें न कि किसी भी प्रकार की उग्रता का प्रदर्शन करें . आप राष्ट्र एवं राज्य के कर्णधार हैं। कृपया संयम बरतें, शांति बनाए रखें और अपने लक्ष्य पर ध्यान केंद्रित करें। अतः किसी भी प्रकार के बहकावे में न आकर वैधानिक प्रक्रिया का पालन करें.

कन्या पाठशाला की छात्राओं से छेड़खानी करने का आरोपी फिरोज गिरफ्तार

रांची (एजेंसी): कोतवाली थाना क्षेत्र स्थित कन्या पाठशाला की छात्राओं से छेड़खानी करने का आरोपी फिरोज अली गिरफ्तार हुआ है. कोतवाली डीएसपी प्रकाश सोय के नेतृत्व में पुलिस की टीम ने रविवार की देर शाम कार्रवाई करते हुए फिरोज अली को लोअर बाजार इलाके से गिरफ्तार किया. फिरोज अली है हिंदपीढ़ी के नाला रोड के गली नंबर आठ का रहने वाला है. पुलिस को फिरोज अली के बारे में सूचना देने वाले को पुलिस ने इनाम देने की घोषणा की थी.

सीएम ने लिया था संज्ञान, कड़ी कार्रवाई का निर्देश दिया था

कन्या पाठशाला स्कूल के छात्राओं के साथ छेड़खानी मामले में सीएम हेमंत सोरेन ने संज्ञान लिया था. सीएम ने रांची पुलिस को आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करते हुए सूचित करने का आदेश दिया था. सीएम के आदेश के बाद पुलिस के आईजी और डीआईजी शनिवार को मौके पर जांच करने पहुंचे थे. गौरतलब है कि बीते कई दिनों से मनचले रांची के कन्या पाठशाला स्कूल के बाहर बच्चियों के साथ छेड़खानी कर रहे थे. मनचले सुबह सात बजे से सन्नाटा गली का फायदा उठाकर उनके साथ गलत हरकत करने की भी कोशिश करते थे. इस डर से बच्चियों मे स्कूल आना बंद कर दिया था. इस मामले को लेकर स्कूल के शिक्षक थाना भी गये थे, लेकिन कोई कारवाई नहीं की गयी. यह पूरी वारदात सीसीटीवी में कैद हुई है. फुटेज में साफ दिख रहा है कि एक बदमाश लड़कियों के साथ कैसे बदसलूकी कर रहा है.

बिरसा मुंडा केंद्रीय कारा में लगी जेल अदालत

रांची (एजेंसी): झालसा के निर्देशानुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकार, रांची की ओर से रविवार को बिरसा मुंडा केंद्रीय कारा होटवार, रांची में जेल अदालत-सह-विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया. इसका आयोजन जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव कमलेश बेहरा की अध्यक्षता में किया गया. विभिन्न न्यायालयों में लंबित वाद निष्पादन के निमित बिरसा मुण्डा केन्द्रीय कारा होटवार, में संसीमित बंदियों का आवेदन जेल अदालत के लिये समर्पित किया गया था. जिसमें १ बंदी को जेल अदालत का लाभ देते हुए कारामुक्त किया गया.

जेल अदालत में लगा कैंप

जेल अदालत सह विधिक जागरूकता शिविर में बंदियो को झालसा के निर्देश पर चिकित्सीय सेवा उपलब्ध कराने के को लेकर प्रत्येक जेल अदालत में सदर अस्पताल से प्रतिनियुक्ति चिकित्सक की देखरेख में जांच एवं इलाज किया जायेगा, जिसका शुभारम्भ रविवार से कारा में कैप आयोजित कर किया गया. जेल अदालत में सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकार, रांची द्वारा बंदियों की समस्या को सुना गया एवं बंदियों से आवेदन लेकर उक्त समस्या का तुरंत निराकरण के लिये मौजूद एलएडीसी एवं सदस्यों को निर्देशित किया गया. मौके पर कमलेश बेहरा, सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकार, रांची, अक्षत श्रीवास्तव, कारापाल, न्यायिक दण्डाधिकारी, काराकर्मी बिरसा मुण्डा केन्द्रीय कारा होटवार, रांची एवं डिप्टी एलएडीसी तथा न्यायालयकर्मी तथा बंदीगण उपस्थित थे.

कमजोर वर्ग के विद्यार्थियों को मिलेगी स्कॉलरशिपः अब्दाली

रांची (एजेंसी): शाहीन ग्रुप ऑफ इंस्टिट्यूशन रांची शाखा, इरबा में शुरू हो रहा है. इंस्टिट्यूशन ने इंटेलेक्चुअल मीट का आयोजन किया. इंटेलेक्चुअल मीट में शहीन ग्रुप ऑफ इंस्टिट्यूशन की शैक्षणिक पद्धति इसकी विशेषताएं और झारखंड के विद्यार्थियों के लिए उपलब्ध मौके पर चर्चा की गई. मौके पर इंस्टिट्यूशन के रांची शाखा अध्यक्ष अब्दुल हसीब अंसारी ने कहा कि यहां केजी से क्लास ७ तक सीबीएसई पैटर्न में पढ़ाई होगी. साथ ही क्लास ११ व १२ का इंटीग्रेटेड नीट का बैच भी चलेगा. लड़के व लड़कियों के लिए अलग-अलग आवासीय कैंपस भी उपलब्ध है. हमारा मकसद है झारखंड के छात्रों को विकसित करना जिससे वह समाज को कैसे आगे बढ़ाएं. शाहीन ग्रुप के साजिद अंसारी ने कहा कि झारखंड में दीनी माहौल में विश्वस्तरीय शिक्षा उपलब्ध होगी.

शाहीन ग्रुप के हेड अबू तल्हा अब्दाली यूपीएससी, नीट, जेइइ की तैयारी भी कराई जायेगी. कमजोर वर्ग के विद्यार्थियों को स्कॉलरशिप की सुविधा दी जायेगी. उन्होंने कहा कि शहीन ग्रुप की शाखाएं देश भर में १८ जगह हैं. ग्रामीण व शहरी शिक्षा के बीच के अंतर को खत्म करना ही हमारा मकसद है. सीईओ जावेद अहमद ने कहा कि यह स्कूल ५ एकड़ आसारी, रहीम अंसारी, डॉ अतिकुर रहमान, नईम अंसारी मौजूद थे.

लाना ही हमारा मकसद है. हमारा मकसद है कि शहीन ग्रुप का इंस्टीट्यूशन हब आफ एकेडमिक एक्सीलेंस रांची और झारखंड का बने. मौके पर रांची व झारखंड के मो शाहिद अहमद अंसारी अध्यक्ष मेदांता ग्रुप, मो जावेद मंसूरी सदर सिमरिया अंजुमन, शरीफ अंसारी, मो को खत्म करना ही हमारा हसीम, मास्टर मोइज, मुंतजिर अहमद रजा, अब्दुल कुद्दुस

जेएसएससी सीजीएल परीक्षा परिणामों की जांच कराए सरकारः आइसा

रांची (एजेंसी): झारखंड में जेएसएससी सीजीएल परीक्षा परिणामों को लेकर छात्रों में गहराते असंतोष और आक्रोश ने राज्य की परीक्षा प्रणाली और सरकार की नीतियों पर सवाल खड़े कर दिए हैं. ऑल इंडिया स्टूडेंट्स एसोसिएशन (आइसा) के राज्य सचिव त्रिलोकी नाथ ने कहा कि यह आंदोलन केवल परीक्षा की पारदर्शिता और निष्पक्षता सुनिश्चित करने के लिए नहीं है, बल्कि युवाओं की बेरोजगारी और भविष्य की अनिश्चितता के खिलाफ व्यापक संघर्ष का प्रतीक है. आइसा ने सीजीएल परीक्षा प्रक्रिया की स्वतंत्र जांच और युवाओं के साथ संवाद स्थापित करने की मांग की. साथ ही, उन्होंने रोजगार के नए अवसर सृजित करने और स्थानीय नीति लागू करने पर जोर दिया है. युवाओं के इस आंदोलन को झारखंड के उज्ज्वल भविष्य के लिए एक महत्वपूर्ण कदम बताते हुए संगठन ने सरकार से ठोस कार्रवाई की अपील की है.

छात्रों की गिरफ्तारी का तुगलकी फरमान वापस ले राज्य सरकारः बाबूलाल

रांची (एजेंसी): भाजपा प्रदेश अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी ने राज्य सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि सरकार लोकतांत्रिक विरोध की आवाज को दबाने का प्रयास कर रही है.

उन्होंने एसएससी-सीजीएल परीक्षा में धांधली का आरोप लगाते हुए मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को इसकी साजिश के लिए जिम्मेदार ठहराया. मरांडी ने कहा कि पहले झूठे आश्वासन देकर मामले को दबाने की कोशिश हुई और

अब आंदोलनकारी छात्रों की गिरफ्तारी का आदेश देकर उनकी आवाज को कुचलने की साजिश की जा रही है. उन्होंने सरकार से इस आदेश को तत्काल वापस लेने और परीक्षा की सीबीआई जांच कराने की मांग की.

उन्होंने चेतावनी दी कि झारखंड का युवा अन्याय और दमनकारी नीतियों का सख्त जवाब देना जानता है.

पत्थर व कोयला कारोबारी को धमकी देने वाले अलग-अलग गिरोह के तीन अपराधी गिरफ्तार

रांची (एजेंसी): झारखंड एटीएस की टीम ने कार्रवाई करते हुए पत्थर और कोयला कारोबारी को धमकी देने वाले अलग-अलग गिरोह से जुड़े तीन अपराधियों को गिरफ्तार किया है. एटीएस एसपी ऋषभ कुमार झा को मिली को सूचना के आधार पर एटीएस की टीम ने छापेमारी करते हुए बिहार के सिवान का रहने वाला अभय कुमार मिश्रा, रांची के पिठोरिया रहने वाला अब्दुल करीम और हजारीबाग के बड़कागांव का रहने वाला प्रमोद कुमार साव को गिरफ्तार किया है.रविवार को एटीएस एसपी ऋषभ झा प्रेस कॉन्फ्रेंस करिए जानकारी दी. इन अपराधियों के पास से दो पिस्टल, दो गोलियां और छह मोबाईल फोन बरामद किए गए हैं. इन सभी पर रामगढ़ और हजारीबाग समेत राज्य के अन्य जिलों के थानों में कई मामले दर्ज हैं.

बरियातू थाना क्षेत्र के हरिहर सिंह रोड निवासी क्रशर संचालक शैलेंद्र प्रताप नारायण सिंह उर्फ अनूप सिंह से देवा गिरोह के सदस्य अविनाश तिवारी ने २० लाख रुपए की रंगदारी मांगी थी. इस मामले में झारखंड एटीएस की टीम ने कार्रवाई करते हुए इस घटना में शामिल अभय कुमार मिश्रा और अब्दुल करीम को गिरफ्तार किया.

एटीएस टीम के द्वारा पडिय गिरोह के सक्रिय अपराधकर्मियों के विरूद्ध लगातार छापामारी की जा रही है. इस क्रम में मदानीनगर काण्ड संख्या २२३/२४ के अप्राथमिकी अभियुक्त प्रमोद कुमार साव को हजारीबाग और एटीएस टीम के द्वारा संयुक्त छापामारी कर गिरफ्तार किया गया है. प्रमोद साव हजारीबाग के बड़कागांव थानाक्षेत्र में घटित हत्या और फायरिंग की घटना का वांछित अपराधी था.

राज्य गठन की तिथि से सरकार आंदोलनकारियों को दे सम्मानः पुष्कर

रांची (एजेंसी): झारखंड आंदोलनकारी संघर्ष मोर्चा की बैठक रविवार को तुपकाडीह में केंद्रीय अध्यक्ष विदेशी महतो के आवास में हुई. मुख्य अतिथि के रुप में शामिल मोर्चा के संस्थापक एवं प्रधान सचिव पुष्कर महतो ने कहा कि झारखंड आंदोलनकारियों को अपने अधिकारों की रक्षा के लिए स्वयं आवाज बनना होगा. हमारा इतिहास संघर्षों का रहा है, इसलिए अपने पहचान व सम्मान के लिए संघर्ष के बल पर नई इबारत लिखना है. झारखंड आंदोलनकारी कोई मामूली नागरिक नहीं हैं. इस राज्य को संघर्ष एवं शहादत देकर बनाने वाले प्रमुख लोगों में एक है. कहा कि राज्य सरकार झारखंड आंदोलनकारी को राजकीय मान सम्मान अलग पहचान रोजी रोजगार नियोजन की सौ फीसदी गारंटी, जेल जाने की बाध्यता को समाप्त करते हुए राज्य गठन की तिथि से सम्मान पेंशन राशि ५०-५० हजार रुपये सरकार देने का काम करे. आंदोलनकारियों को भी सम्मान के साथ जीने का अधिकार है. मौके पर केंद्रीय अध्यक्ष विदेशी महतो ने कहा कि झारखंड अलग राज्य गठन के मूल्य अभी अधूरे हैं. शहीदों के सपनों को मंजिल तक पहुंचाना है. विदेशी ने कहा कि १८ दिसंबर को झारखंड आंदोलन के अमर पुरोधा विनोद बिहारी महतो की पुण्यतिथि एवं २५ दिसंबर को शहीद निर्मल महतो की जयंती तथा १ जनवरी २०२५ को खरसावां गोलीकांड के शहीदों को नमन व श्रद्धांजलि कार्यक्रम लोहिया आश्रम तुपकाडीह में मनाई जाएगी. ३ जनवरी २०२५ को मारंग गोमके जयपाल सिंह मुंडा की जयंती को झारखंड आंदोलनकारी दिवस के रूप में जिला स्तर पर भव्यता के साथ मनाया जायेगा. मौके पर ठाकुर राम महतो, संतोष कुमार महतो, फकीरा हेमंत साहू, जगन महतो, मौजूद थे.

पृष्ठ एक का शेषांश

नहीं रहे मशहूर तबला वादक---

जिनमें से तीन इस साल की शुरुआत में ६६वें ग्रैमी पुरस्कार में मिले थे. हुसैन ने अपने तबले के साथ एक्टिंग में भी हाथ आजमाया. उन्होंने १२ फिल्मों में अभिनय किया. साल १९८३ में ब्रिटिश फिल्म हीट एंड डस्ट से उन्होंने फिल्मों में डेब्यू किया. फिल्म में शशि कपूर जैसे नामचीन अभिनेता उनके साथ थे.

मुंबई में जन्मे, ११ साल की उम्र में पहली प्रस्तुति

उस्ताद जाकिर हुसैन का जन्म ९ मार्च १९५१ को मुंबई में हुआ था. उनके पिता उस्ताद अल्लाह रक्खा भी पेशे से तबलावादक थे. उन्होंने मुंबई के माहिम में स्थित सेंट माइकल स्कूल से पढ़ाई की और फिर मुंबई के सेंट जेवियर्स कॉलेज से ग्रेजुएशन की. महज ११ साल की उम्र में पहली बार उन्होंने ऑडियंस के सामने अपनी पहली प्रस्तुति दी थी.

महाराष्ट्र में महायुति का ---

नाराजगी जाहिर करते हुए शिवसेना के उपनेता और विदर्भ संयोजक पद से इस्तीफा दे दिया है। शपथ ग्रहण समारोह से पहले ही शिंदे गुट मंत्री पद को लेकर नाराजगी दिखा रहा था। दरअसल शिंदे गुट में कई लोग मंत्री पद के इच्छुक थे। सूत्रों की मानें तो इस बार महायुति में ढाई साल का फॉर्मूला तय किया गया है। इसलिए उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने अपने मंत्रियों से हलफनामा लिखवाकर लिया है कि वे ढाई साल बाद मंत्री पद छोड़ देंगे। वहीं शिंदे की शिवसेना में पिछली सरकार में रहे तीन मंत्रियों अब्दुल सत्तार, तानाजी सावंत तथा दीपर केसरकर को नए मंत्रिमंडल में मंत्री पद नहीं मिला है।

अप्रैल 2025 से शुरू---

जनगणना और आर्थिक गणना में १० लाख कर्मचारी और ४ लाख से ज्यादा सुपरवाइजर गणना के काम में लगेंगे। इसके पहले पहले आर्थिक गणना १९७७ में हुई थी। उसके बाद १९८०, १९९०, १९९८ और २००५ में हुई थी। अंतिम छठी आर्थिक गणना २०१३ में हुई थी। जिसकी रिपोर्ट सार्वजनिक की गई थी। उसके बाद से आर्थिक गणना की कोई रिपोर्ट जारी नहीं हुई है। इस बार जनगणना और आर्थिक गणना के काम में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एआई का उपयोग किया जा रहा है। जिसके कारण यह माना जा रहा है, इसमें गलतियां कम होंगी। समय भी कम लगेगा। इस बार की आर्थिक गणना पहले की तुलना में कई मायनों में ज्यादा महत्वपूर्ण साबित होगी। इस बार की आर्थिक गणना में राज्य, जिला, गांव और वार्ड स्तर तक की जानकारी का संकलन बेहतर तरीके से संभव होगा। ग्रामीण और शहरी अंचलों के रोजगार को लेकर भी सटीक जानकारी प्राप्त होगी। इस बार जिओ टेगिंग के माध्यम से विकास का ढांचा बनाने में केंद्र एवं राज्य सरकारों को महत्वपूर्ण मदद मिलेगी।

अतुल सुभाष सुसाइड केस---

निकिता सिंघानिया, निशा सिंघानिया और अनुराग सिंघानिया की तरफ से अंतरिम जमानत के लिए अर्जी लगाई गई है। बता दें कि पत्नी और ससुराल वालों पर प्रताड़ित करने और न्याय व्यवस्था में खामी का आरोप लगाकर सुसाइड करने वाले एआई इंजीनियर अतुल सुभाष ने डेढ़ घंटे के वीडियो के साथ २३ पेज का सुसाइड नोट भी छोड़ा था।

इसमें उन्होंने शादी की शुरुआत से लेकर पत्नी से विवाद के बाद खुद पर लगे एक-एक केस और सुसाइड की ओर ढकेलने वाले हर प्वाइंट को विस्तार से समझाया था। अतुल ने आत्महत्या से पहले खुद पर दहेज उत्पीड़न से लेकर हत्या समेत कई मामले दर्ज करने से लेकर सुसाइड के लिए उकसाने का आरोप अपनी पत्नी निकिता सिंघानिया, सास निशा, पत्नी के भाई अनुराग और पत्नी के चाचा सुशील पर लगाया है।

बिहार के पूर्व मंत्री कृष्णानंद झा---

पहले पहली बार चंद्रशेखर प्रसाद सिंह की कैबिनेट में सिंचाई एवं राजभाषा मंत्री बने. उन्होंने तीन बार मधुपुर विधानसभा का प्रतिनिधित्व किया है. झारखंड के मंत्री संजय यादव व देवघर विधायक सुरेश पासवान ने देवघर स्थित उनके आवास पर पहुंचकर श्रद्धांजलि दी.

आदिवासी युवा महोत्सव के समापन में दिखी झारखंड की संस्कृति

रांची (एजेंसी): रांची विश्वविद्यालय के दीक्षांत मंडप में चल रहे दो दिवसीय आदिवासी युवा महोत्सव का समापन रविवार को हुआ.

मुख्य अतिथि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की, विशिष्ट अतिथि सांसद सुखदेव भगत, आईपीएस विजय आशीष कुजूर, सरोजिनी लकड़ा, सत्यप्रकाश प्रसाद व सोनू खलखो समेत अन्य शामिल थे. महोत्सव के दूसरे दिन जनजातीय भाषाओं में कई सांस्कृतिक कार्यक्रम हुए. मानव कल्याण और इंडीजीनस वेलफेयर सोसाइटी के संयुक्त प्रयास से कार्यक्रम आयोजित किया गया. इसके अलावा झारखंड राज्य कला संस्कृति, युवा एवं खेलकूद विभाग का सहयोग भी रहा.

आदिवासी समाज की भाषा संस्कृति को आगे बढ़ाने के लिए कार्यक्रम आयोजित किए गए, जहां झारखंड की ३२ जनजाति आदिवासी समुदाय एक मंच पर दिखाई दिए. एक दूसरे के भाषा संस्कृति, खान पान, पहनावा ओढावा इत्यादि से रूबरू हुए.

अंकिता बेक की टीम ने युवा महोत्सव में युवाओं को झूमाया

आदिवासी हॉस्टल की ओर से मुंडारी, हो, उरांव, संथाली नृत्य की प्रस्तुति दी गई. खड़िया स्टूडेंट्स एसोसिएशन ने खड़िया नृत्य प्रस्तुत किया. आदिवासी वीर ने म्यूजिकल ड्रामा की प्रस्तुत की. अंकिता बेक की टीम ने सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति दी. इसमें आदिवासी समुदाय के परिधान दिखे. कुडुख भाषा में नृत्य प्रस्तुत किए गए. इसके अलावा युवा मॉडल्स ने रैंप पर आदिवासी पहनावे को प्रस्तुत की गई. मौके पर मुख्य संस्थापक एवं संरक्षक अमरनाथ लकड़ा, अध्यक्ष बिपिन टोप्पो, कार्यकारी अध्यक्ष शशि पन्ना, महासचिव अनिल उरांव, सचिव अमित मुंडा, कमिस्नर मुंडा, संयोजक अनुपमा कुजूर, आरती कच्छप,अविनाश बाड़ा समेत अन्य शामिल थे.

खूबसूरत ट्रेन नजारे की यात्रा पर जाना चाहते हैं, तो इन 5 साउथ इंडिया के रेल रुट मजा लें

हम सभी कहीं भी किसी यात्रा पर जाते हैं, तो ट्रेन से जरुर जाते हैं। ट्रेन यात्रा के समय खिड़की वाली सीट होना एक अलग ही अनुभव प्रदान करता है। ट्रेन में बैठे-बैठे खूबसूरत दृश्य देखने का एक अलग ही मजा होता है। अगर आप साउथ इंडिया की ट्रिप पर जा रहे हैं तो इन खूबसूरत ट्रेन रुट्स के बारे में एक बार जरुर जान लें।सबसे अच्छे वेकेशन पैकेज

प्रत्येक दिन लाखों लोग ट्रेन में सफर जरुर करते हैं। ट्रेन से सफर तय करने का सबसे बेहतरीन साधन है। अगर आपको भी ट्रेन से सफर करना पसंद है तो आज हम आपको इस लेख में बताएंगे कि साउथ इंडिया की खूबसूरत ट्रेन रुट्स के बारे में, जहां आप भी कर सकते हैं सफर। जब आप इन ट्रेन रुट्स से गुजरेंगे तो आपको ऐसा लगेगा कि एक पल के लिए यहीं ठहर जाएं।

बैंगलुरु से गोकर्ण

कर्नाटक के गोकर्ण सिर्फ वहां के लोगों के लिए ही नहीं बल्कि देश के शिव भक्तों और समुद्र तट के प्रेमियों के लिए किसी जन्नत से कम नहीं जगह। जब बैंगलुरु से गोकर्ण के लिए सीधी ट्रेन जाती है, तो रास्ते में आपको हरे-भरे काँफी बागानों और सुंदर पुलों का नजारा देखने को मिलेगा। इस ट्रेन रुट का पूरा रास्ता आपके घने हरे-भरे जंगलों से जाता है। यदि आप इस रुट से यात्रा का प्लान कर रहे हैं, तो कारवार एक्सप्रेस से यात्रा का प्लान बना सकते हैं। यह ट्रेन हफ्ते में 3 दिन चलती है।

वर्कला से कन्याकुमारी

गौरतबल है कि कन्याकुमारी साउथ इंडिया में सबसे खूबसूरत जगहों में से एक है। केरल के वर्कला से शुरू होकर कन्याकुमारी तक जाने वाले इस ट्रेन रुट पर प्राकृतिक नजारे से भरे हुए हैं। इस रुट पर आप ट्रैवल करने के लिए खूब पसंद करेंगे। इस ट्रेन रुट पर सफर करने के दौरान ऐसा लगेगा कि आधे से ज्यादा खूबसूरत वादियों को कवर कर लिया है। आपको बता दें कि आइलैंड एक्सप्रेस वर्कला से कन्याकुमारी तक चलती है। यह ट्रेन करीब 4 घंटों में 127 किलोमीटर की दूरी तय करती है। सबसे अच्छे वेकेशन पैकेज

मेट्टूपालयम से ऊटी

ऊटी हिल स्टेशन तमिलनाडु का सबसे खूबसूरत है। इस हिल स्टेशन पर कई खूबसूरत ट्रेन रुट्स है, जहां आप प्राकृतिक खूबसूरती देख सकते हैं। यहां पर आप शांत वातावरण के साथ ही हरे-भरे पेड़-पौधे देखने को मिलेंगे, जिससे आपको काफी सुकून मिलेगा। आपको बता दें कि, नीलगिरि माउंटेन रेलवे, एक यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल की लिस्ट में भी शामिल है। वहीं, मेट्टूपालयम से ऊटी ट्रेन करीब 4.75 घंटों में 46 किलोमीटर की दूरी तय करती है।

दुनियाभर में छा गया भारत का यह गांव

इसकी खासियत और प्राकृतिक सुंदरता देख आप भी चौंक जाएंगे

,भारत का कल्चरल और जियोग्राफिकल बायोडायवर्सिटी, देश के छोटे-छोटे गांवों में भी समाहित है. हाल ही में कुछ गांवों ने टूरिस्टों के बीच अपनी एक खास पहचान बनाई है. इनमें से एक है धुड़मारास गांव. जी हां, छत्तीसगढ़ के धुड़मारास को संयुक्त राष्ट्र विश्व पर्यटन संगठन द्वारा सर्वश्रेष्ठ पर्यटन गांव उन्नयन कार्यक्रम के लिए चुना गया है. बस्तर जिले में स्थित इस धुड़मारास गांव को यूएन ने बेस्ट टूरिज्म विलेज की लिस्ट में जगह दिया है. यह गांव संयुक्त राष्ट्र संघ के 60 देशों के बेस्ट 20 गांव में शामिल हुआ है. यदि आपको इस गांव के बारे में नहीं पता तो इस खबर के माध्यम से विस्तार से जानिए...

दुनिया के टॉप 20 गांव में सिलेक्शन

बस्तर जिले के कांगेर घाटी राष्ट्रीय उद्यान में स्थित धुड़मारास गांव दुनिया भर के उन 20 गांवों में से एक है जिसे सर्वश्रेष्ठ पर्यटन गांव उन्नयन कार्यक्रम में भाग लेने के लिए चुना गया है. धुड़मारास को इसकी अद्भुत सांस्कृतिक विरासत, प्राकृतिक सुंदरता और सतत पर्यटन विकास की क्षमता के कारण चुना गया है. यह गांव छत्तीसगढ़ के आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र बस्तर में मौजूद है. यह गांव प्रकृति के गोद में बसा हुआ है. पहाड़ों और नदी के बीच घने जंगल में बसा हुआ है. यह गांव गूगल मैप पर नजर नहीं आता है और ना ही इसे राजस्व या वन गांव का दर्जा मिला है. इसके बावजूद इस गांव ने अपने सामूहिक परिश्रम और एकजुटता का परिचय दिया है, जो पर्यटकों को प्रकृति के गहराई में ले चलता है.

विश्व स्तर पर पर्यटन गांव के रूप में इस गांव की पहचान स्थापित होने का तात्पर्य यह भी है कि लंबे समय के बाद बस्तर में अंतरराष्ट्रीय पर्यटकों की संख्या में इजाफा हुआ है. यह धुड़मारास गांव जगदलपुर से सुकमा रोड कांगेरवेल्ली नेशनल पार्क के सरहदी इलाके में मौजूद है. गांव में पहुंचते ही पर्यटकों को एक स्वागत द्वार दिखता है. जिसमें लिखा गया है धुरवा डेरा. धुरवा इस क्षेत्र में निवास करने वाली जनजाति है. और डेरा उनके रहने के स्थान को कहा जाता है. इस डेरे के भीतर होम स्टेय बनाया गया है. होम स्टेय का दीवार बांस की चटाई और लाल ईंट से निर्माण किया गया है. वहीं होम स्टेय में पत्थर की छावनी बनाई गई है. जहां स्थानीय लोगों के साथ देश विदेश से पहुंचने वाले पर्यटक ठहरते हैं. इसके अलावा पर्यटकों के लिए जंगलों में मिलने वाले व्यंजनों से भोजन तैयार करके परोसा जाता है. इसके साथ ही गांव के सभी स्थानीय लोगों के द्वारा प्रकृति की सुरक्षा और बिना छेड़छाड़ के अलग अलग एक्टिविटी भी कराई जाती है.

मेहमान नवाजी के लिए भी काफी मशहूर

गांव के बीच से बहती कांगेर नदी यहां के नजारे को मनमोहक बना देती है. बस्तर के लोग मेहमान नवाजी के लिए भी काफी मशहूर हैं. यहां के स्थानीय लोग अपने घरों को पर्यटकों के लिए उपलब्ध करवा रहे हैं, ठहरने की सुविधा उपलब्ध करवाने से उन्हें रोजगार मिल रहा है. गांव के युवा पर्यटकों को आसपास के क्षेत्रों की सैर कराते हैं. स्थानीय खानपान के अंतर्गत पर्यटकों को बस्तर के पारम्परिक व्यंजन परोसे जाते हैं. गांव के युवाओं की ईको टूरिज्म डेवलपमेंट कमेटी कांगेर नदी में कयाकिंग और बम्बू राफ्टिंग की सुविधाएं पर्यटकों को उपलब्ध करवाती है, जिससे इस कमेटी को अच्छी खासी आमदनी हो रही है. यह पर्यटन समिति अब अपनी आमदनी से गांव में पर्यटकों के लिए वेटिंग रूम और टॉयलेट जैसी बेसिक सुविधाएं विकसित कर रहे हैं. यह गांव अब बस्तर के अन्य गांवों के लिए प्रेरणा स्रोत बन गया है. यही कारण है कि कांगेर घाटी नेशनल पार्क के नागलसर और नेतानार में भी ईको-टूरिज्म को भी बढ़ावा मिल रहा है.

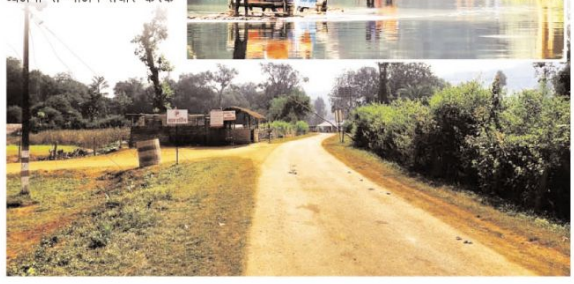

गांव गूगल मैप में भी नहीं आता नजर

इसके अलावा यह भी बताया कि इस गांव को सभी ने छोड़ दिया है. यह गांव गूगल मैप में भी नजर नहीं आता है. यह गांव कोटमसर ग्राम पंचायत का आश्रित गांव है. लेकिन न इसे राजस्व ग्राम का दर्जा है, न सामान्य वन ग्राम और न ही कांगेर वैली ग्राम का दर्जा है. जिसके कारण स्थानीय आदिवासी शासकीय योजनाओं का लाभ बेहतर तरीके न नहीं ले पा रहे हैं. हालांकि इसे राजस्व ग्राम बनाने की लड़ाई ग्रामीण लड़ रहें हैं. जिसका पहला प्रकाशन भी हो गया है. इसके साथ ही यह बघेल बताया कि प्लास्टिक बैग को इकट्ठा किया जा रहा है और एक साथ सभी को रीसाइक्लिंग के लिए फैक्ट्री भेजा जाएगा. इस तरह इको टूरिज्म को बढ़ावा दिया जा रहा है. इस कारण धुड़मारास को बीते दिनों बेहतर गांव के नाम पर दिल्ली में सम्मानित किया गया था. वहीं अब संयुक्त राष्ट्र विश्व पर्यटन संगठन ने बेहतरीन गांव के लिए 60 देशों के 20 गांवों में इस धूड़मारास को शामिल किया है.

पलायन की समस्या के चलते उठाया कदम

कम्युनिटी फॉरेस्ट रिसोर्स मैनेजमेंट कमेटी के सदस्य मानसिंह बघेल ने बताया कि इस पर्यटन गांव की शुरुआत होम स्टेय से हुई. जिसके बाद पलायन की समस्या को देखते हुए धीरे धीरे गांव में पर्यटन और एक्टिविटी को विस्तार किया गया. ताकि स्थानीय युवा इस गांव से पलायन करके अन्य स्थानों का रुख न करें. इसके साथ ही इस गांव में 40 परिवार निवासरत हैं. और प्रत्येक घर से एक सदस्य इस समिति में शामिल है. रोजगार के साथ ही गांव को प्रकृति के क्षेत्र में विकसित किया जा रहा है. इस पर्यटन गांव में पर्यटकों के लिए बम्बू राफ्टिंग, कयाकिंग, ट्रेकिंग, बर्ड वाचिंग जैसी सुविधाएं भी शामिल हैं. ताकि प्रकृति को पर्यटक करीब से महसूस करें. इस गांव में कांगेर नदी बहती है. जो आगे जाकर शबरी नदी में मिल जाती है. इसी नदी में बम्बू राफ्टिंग और कयाकिंग कराया जाता है. दोनों के लिए एक सीमा निर्धारित किया गया है. उस सीमा के आगे स्थानीय लोगों का पूजा क्षेत्र मौजूद है. दोनों एक्टिविटी के दौरान पर्यटक काफी शांति महसूस करते हैं और चिड़ियों की चहचहाट भी सुनाई देती है.

पर्यटकों को खूब भा रहा यह गांव

पर्यटकों ने बताया कि पहली बार वे धूड़मारास घूमने आये.उन्हें यह प्रकृति के बीच घने जंगलो में बसा गांव काफी अच्छा लगा. बम्बू राफ्टिंग और कयाकिंग का अनुभव काफी अच्छा था. शहर के शोर शराबे से दूर धूड़मारास में एक अलग सी शांति मिली. इसके साथ ही पहाड़ी मैना और अन्य पक्षियों की चहचहाट भी सुनाई दी. एक अलग ही अनुभव हुआ. निश्चित ही जिस उद्देश्य से इस गांव का चयन यूएन ने किया है. ठीक वैसा ही यह पर्यटन गांव है और निश्चित ही आगामी दिनों में बस्तर की पहचान बड़े पर्यटन स्थलों के रूप में शिमला, मनाली और कश्मीर की तर्ज पर की जाएगी.

अंडे जितना प्रोटीन देती है ब्रोकली, खाने से मिलती है जबरदस्त ताकत

ब्रोकली, जो गोभी की तरह दिखने वाली सब्जी है, शाकाहारी लोगों के लिए एक बेहतरीन विकल्प है। इसमें प्रोटीन की भरपूर मात्रा पाई जाती है, जो सेहत को मजबूत और बीमारियों से दूर रखने में मदद करती है। आइए जानते हैं ब्रोकली के फायदे और इसे अपनी डाइट में शामिल करने के कारण।

ब्रोकली : प्रोटीन का बढ़िया स्रोत

प्रोटीन सेहत को बनाए रखने के लिए बेहद जरूरी है। जबकि मांसाहारी लोग अंडे और मांस से प्रोटीन की जरूरत पूरी करते हैं, शाकाहारी लोगों के लिए ब्रोकली एक शानदार विकल्प है। यूएसडीए के अनुसार, एक अंडे में करीब 6 ग्राम प्रोटीन होता है, जबकि 100 ग्राम ब्रोकली में लगभग 3 ग्राम प्रोटीन पाया जाता है।

हालांकि, अंडे की तुलना में ब्रोकली में कैलोरी कम होती है। यह वजन घटाने और फिट रहने के लिए भी उपयोगी है। इसके अलावा, ब्रोकली में लगभग 2.6 ग्राम डाइटरी फाइबर पाया जाता है, जो पाचन तंत्र को दुरुस्त रखने और वजन कम करने में मदद करता है।

कैंसर से बचाव में मददगार

ब्रोकली एक प्रकार की क्रूसिफेरस सब्जी है, जिसमें कई एंटीऑक्सीडेंट्स मौजूद होते हैं। ये एंटीऑक्सीडेंट्स शरीर में कैंसर पैदा करने वाले सेल्स को डैमेज होने से रोकते हैं। नियमित रूप से ब्रोकली का सेवन करने से कैंसर का खतरा काफी हद तक कम किया जा सकता है।

हड्डियों के लिए वरदान

ब्रोकली में कैल्शियम और कोलेजन अच्छी मात्रा में पाए जाते हैं, जो हड्डियों को मजबूत बनाने में सहायक होते हैं। इसके साथ ही, इसमें मौजूद विटामिन ए हड्डियों के घनत्व को बनाए रखने में मदद करता है और ऑस्टियोपोरोसिस जैसी बीमारियों को रोकने में कारगर है।

इम्यूनिटी बढ़ाने में फायदेमंद

सर्दियों के मौसम में इम्यूनिटी मजबूत रखना बेहद जरूरी है। ब्रोकली में विटामिन ए भरपूर मात्रा में होता है, जो एक शक्तिशाली एंटीऑक्सीडेंट है। यह सर्दी-खांसी जैसी सामान्य समस्याओं से बचाने और इम्यून सिस्टम को मजबूत करने में मदद करता है।

कैसे करें ब्रोकली का सेवन?

सलाद के रूप में : ब्रोकली को कच्चा या हल्का उबालकर सलाद में शामिल किया जा सकता है।

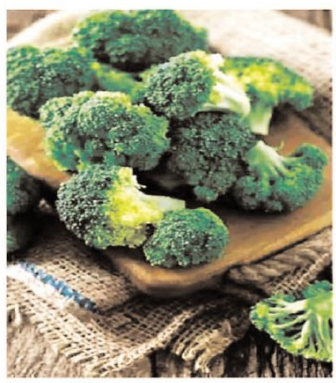

सूप : ब्रोकली सूप विटामिन और मिनरल्स का अच्छा स्रोत है।

सब्जी : इसे अन्य सब्जियों के साथ पका सकते हैं।

हल्का भूनकर या बेक कर इसे स्नैक्स के रूप में खा सकते हैं।

ब्रोकली को डाइट में शामिल करना क्यों जरूरी है?

ब्रोकली का सेवन शाकाहारी लोगों के लिए प्रोटीन और पोषक तत्वों की कमी को पूरा करने का एक आसान तरीका है। इसे अपनी डाइट में शामिल करने से न केवल प्रोटीन की जरूरत पूरी होती है, बल्कि वजन नियंत्रण, इम्यूनिटी बढ़ाने और बीमारियों से बचाव में भी मदद मिलती है।

ब्रोकली खाने से आप स्वस्थ रह सकते हैं और लंबे समय तक बीमारियों से दूर रह सकते हैं। इसे अपनी डेली डाइट में शामिल करना न भूलें।

चैम्पियंस ट्रॉफी 2025 के लिए हाइब्रिड मॉडल को लेकर पीसीबी में असंतोष

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत द्वारा सीमा पार जाने से इनकार करने के बाद पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) द्वारा 2025 चैंपियंस ट्रॉफी की मेजबानी हाइब्रिड प्रारूप में करने के फैसले से संगठन में असंतोष पैदा हो गया है। सूत्रों ने के मुताबिक पाकिस्तान द्वारा इस फैसले को स्वीकार करने के तरीके से कई सदस्य नाखुश हैं। अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के लिए हाइब्रिड मॉडल के प्रस्ताव की पुष्टि की है जिसमें भारत दुबई में अपने मैच खेलेगा, जबकि पाकिस्तान बाकी टूर्नामेंट की मेजबानी करेगा। मुआवजे के तौर पर पाकिस्तान को कोलंबो में 2026 टी20 विश्व कप में अपने मैच खेलने की अनुमति दी गई है। पाकिस्तान को 2027 के बाद आईसीसी महिला आयोजन की मेजबानी का अधिकार भी दिया गया है।

पीसीबी द्वारा इस फॉर्मूले को स्वीकार करने के साथ ही हाइब्रिड मॉडल को लेकर पीसीबी के भीतर लड़ाई शुरू हो गई है। सूत्रों ने बताया कि कुछ सदस्यों ने नाराजगी जताते हुए कहा कि पीसीबी प्रमुख मोहसिन नकवी को आईसीसी की रणनीति से दूर रहना चाहिए।

पाकिस्तान के पूर्व कप्तान राशिद लतीफ उन लोगों में से एक हैं जो पीसीएच द्वारा हाइब्रिड मॉडल पर सहमति जताने के तरीके से खुश नहीं हैं। उन्होंने कहा कि 2027 के बाद महिला क्रिकेट टूर्नामेंट की पेशकश करना हाइब्रिड मॉडल में सीटी 2025 की मेजबानी के लिए कोई मुआवजा नहीं है।

विजय हजारे ट्रॉफी में खेलते नजर आएंगे मोहम्मद शमी, इस टीम में हुए शामिल

नई दिल्ली(एजेंसी)। तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी को आगामी विजय हजारे ट्रॉफी के लिए बंगाल की 20 सदस्यीय टीम में शामिल किया गया है। शमी ने हाल ही में सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में बंगाल के लिए सभी नौ मैचों में खेलते हुए 7.85 की इकॉनमी से 11 विकेट लिए। टूर्नामेंट के दौरान उनके घुटने में सूजन आ गई जिससे टेस्ट क्रिकेट के लिए उनकी तैयारी में बाधा आई। वह ऑस्ट्रेलिया में चल रही टेस्ट सीरीज के लिए अपनी फिटनेस हासिल करने करने का प्रयास कर रहे है। शमी के अलावा तेज गेंदबाज मुकेश कुमार भी सुदीप कुमार घरामी की अगुवाई वाली बंगाल की टीम का हिस्सा हैं। मुकेश फिलहाल ऑस्ट्रेलिया में तेज गेंदबाजी रिजर्व के तौर पर हैं।

विश्व शतरंज चैम्पियन भारत के डी गुकेश को फीडे प्रेसिडेंट ने सौंपी ट्रॉफी और स्वर्ण पदक

सिंगापुर (एजेंसी)। भारत के डी गुकेश को 18वें विश्व शतरंज चैम्पियन बने हुए अभी करीब 42 घंटे बीत चुके है पर हर भारतीय शतरंज प्रेमी के अंदर उनका विश्व चैम्पियन बनने का लम्हा हर क्षण गूंज रहा है। गुकेश ने आखिरी क्लासिकल मुकाबले में चीन के डिंग लीरेन को पराजित करते हुए इतिहास के सबसे युवा विश्व चैम्पियन बनने का गौरव अपने नाम कर लिया। उन्होने सबसे युवा विश्व चैम्पियन बनने का रूस के गैरी कास्पारोव का रिकॉर्ड तीन साल से भी अधिक के अंतर से तोड़ दिया। गुकेश ने आखिरी मैच में कभी कभी खेल को ना रोकने की अपनी इच्छाशक्ति के दम पर जीत हासिल की , डिंग की रक्षात्मक खेल कर टाईब्रेक पर जाने की सोच ने उन्हे अंत में गलती करने पर जैसे मजबूर कर दिया। मैच एक बाद गुकेश ने डिंग की तारीफ करते हुए उन्हे एक योद्धा बताया और दुनिया को यह भी एक संदेश दे दिया की वह सिर्फ एक शानदार शतरंज खिलाड़ी , विश्व चैम्पियन ही नहीं बल्कि एक शानदार इंसान भी है जो अपने विरोधी का भी सम्मान करते है ।

विमेंस प्रीमियर लीग 2025 मिनी ऑक्शन

सिमरन शेख को 1.90 करोड़ में गुजरात ने खरीदा

बेंगलुरु (एजेंसी)। विमेंस प्रीमियर लीग 2025 के लिए मिनी ऑक्शन बेंगलुरु में जारी है। मुंबई की ऑलराउंडर सिमरन शेख पर सबसे बड़ी बोली लगी, उन्हें 1.90 करोड़ रुपए में गुजरात जायंट्स ने खरीदा। अनकैप्ड बैटर जी कमलिनी, प्रेमा रावत और वेस्टइंडीज की ऑलराउंडर डिएंड्रा डॉटिन की बोली भी एक करोड़ रुपए को पार गई। पहले राउंड में 7 और दूसरे राउंड में 5 प्लेयर्स बिकीं। स्नेह राणा, हीथर नाइट, किम गार्थ और पूनम यादव जैसी बड़ी प्लेयर्स को खरीदार नहीं मिला। ऑक्शन में 124 प्लेयर्स के नाम आएंगे, जिनमें टीमों के पास 19 खिलाड़ियों की जगह ही खाली है। टूर्नामेंट का तीसरा सीजन जनवरी के आखिरी सप्ताह में शुरू होगा।

बेस प्राइस में बिक गईं 5 खिलाड़ी

स्कॉटलैंड की बैटर सारा ब्रायस पहली बार विमेंस प्रीमियर लीग खेलेंगी - सेकेंड राउंड में 5 खिलाड़ी बेस प्राइस में बिक गईं। सारा ब्रायस को दिल्ली, संस्कृति गुप्ता को मुंबई, जोशिथा वीजे को बेंगलुरु ने 10-10 लाख रुपए में खरीदा। यूपी वॉरियर्स ने आरुषी गोयल और क्रांति गौड़ को 10 लाख रुपए की बेस प्राइस में शामिल किया।

अनकैप्ड कमलिनी को 16 गुना ज्यादा कीमत मिली

पहले राउंड में 4 प्लेयर्स करोड़पति बनीं - राउंड-1 में 36 प्लेयर्स के नाम आए, इनमें से 4 की बोली 1 करोड़ रुपए को पार कर गई। सिमरन शेख को 1.90 करोड़ और डिएंड्रा डॉटिन को 1.70 करोड़ रुपए में गुजरात ने खरीदा। वहीं मुंबई ने 1.60 करोड़ रुपए में अनकैप्ड जी कमलिनी को खरीद लिया। बेंगलुरु ने 1.20 करोड़ रुपए में प्रेमा रावत को खरीदा। मुंबई ने फिर 30 लाख रुपए में नदीन डी क्लर्क को भी खरीदा। वहीं दिल्ली कैपिटल्स ने एन चरणी को 55 लाख और नंदिनी कश्यप को 10 लाख रुपए में खरीदा। टीम ने सिमरन शेख, जी कमलिनी और प्रेमा रावत के लिए भी बोली लगाई थी। यूपी वॉरियर्स ने अब तक कोई प्लेयर नहीं खरीदी।

प्रेमा रावत भी करोड़पति बनीं - प्रेमा रावत को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने बेस प्राइस से 12 गुना ज्यादा कीमत देकर खरीद लिया। उनकी बेस प्राइस 10 लाख रुपए थी, बेंगलुरु के अलावा दिल्ली ने भी उनके लिए बोली लगाई। आखिर में आरसीबी ने रावत को 1.20 करोड़ रुपए में खरीद लिया। दिल्ली ने 55 लाख रुपए में एन चरणी को खरीदा।

सिमरन शेख मिनी ऑक्शन में सबसे महंगी बिकीं - मुंबई से घरेलू क्रिकेट खेलने वाली ऑलराउंडर सिमरन शेख मिनी ऑक्शन में सबसे महंगी रहीं। उन्हें गुजरात जायंट्स ने 1.90 करोड़ रुपए में खरीदा। उनकी बेस प्राइस 30 लाख रुपए थी। उनके लिए दिल्ली कैपिटल्स ने भी बोली लगाई, लेकिन गुजरात ने आखिर में बाजी मार ली। दिल्ली ने फिर नंदिनी कश्यप को 10 लाख रुपए में खरीद लिया।

बेस प्राइस से 16 गुना ज्यादा कीमत में बिकी कमलिनी - तमिलनाडु की युवा बैटर पहली बार विमेंस प्रीमियर लीग (विमेंस प्रीमियर लीग) खेलेंगी। तमिलनाडु से खेलने वालीं 16 साल की बैटर जी कमलिनी के लिए मुंबई इंडियंस ने 16 गुना ज्यादा कीमत लगा दी। उनकी बेस प्राइस महज 10 लाख रुपए थी, उन्हें मुंबई ने 1.60 करोड़ रुपए में खरीदा। उनके लिए दिल्ली कैपिटल्स ने भी बोली लगाई थी।

नदीन डी क्लर्क को मुंबई ने खरीदा - साउथ अफ्रीका की ऑलराउंडर नदीन डी क्लर्क को बेस प्राइस में ही मुंबई इंडियंस ने खरीद लिया। उनकी शुरुआती कीमत 30 लाख रुपए थी, क्लर्क के लिए मुंबई के अलावा किसी और टीम ने बोली नहीं लगाई।क्लर्क के बाद किम गार्थ, शुभा सतीश, सुष्मा वर्मा, प्रत्यूषा सिंह, तेजल हसबनीस, ओलॉ प्रेंडरगास्ट और एलाना किंग अनसोल्ड हो गईं।

स्नेह राणा को नहीं मिला खरीदार - पहले सीजन में गुजरात जायंट्स की कप्तानी करने वालीं स्नेह राणा को तीसरे सीजन में कोई खरीदार नहीं मिला। उनकी बेस प्राइस महज 30 लाख रुपए थी। उनके साथ लॉरेन बेल के लिए भी किसी ने बोली नहीं लगाई।

हीथर नाइट और पूनम यादव अनसोल्ड - पहले सेट के ऑक्शन में 2 बड़ी प्लेयर्स अनसोल्ड रहीं। इंग्लैंड की कप्तान हीथर नाइट और भारत की लेग स्पिनर पूनम यादव को कोई खरीदार नहीं मिला। उनके साथ हीथर ग्राहम, डार्सी ब्राउन, डैनिले गिब्सन, माया बाउचर, सारा ग्लेन और शिनेले हेनरी पर भी किसी टीम ने बोली नहीं लगाई।

डिएंड्रा डॉटिन बनीं करोड़पति - वेस्टइंडीज की ऑलराउंडर डिएंड्रा डॉटिन का नाम ऑक्शन में सबसे पहले आया। 50 लाख रुपए की बेस प्राइस से उनके लिए यूपी वॉरियर्ज और गुजरात जायंट्स में बिडिंग वॉर होने लगी। उन्हें आखिर में 1.70 करोड़ रुपए में गुजरात ने खरीदा लिया।

सेट-1 में उतरीं 20 खिलाड़ी

लॉरेन बेल, माया बाउचर, डार्सी ब्राउन, लॉरेन चीटल, नदीन डी क्लर्क, डिएंड्रा डॉटिन, किम गार्थ, डैनिले गिब्सन, साराह ग्लेन, हीथर ग्राहम, तेजल हसबनीस, शिनेले हेनरी, एलाना किंग, हीथर नाइट, प्रत्यूशा सी, ओलॉ प्रेंडरग्रास्ट, स्नेह राणा, शुभा सतीश, सुष्मा वर्मा और पूनम यादव का नाम सेट-1 में आया।

हेड और स्मिथ के शतक, बुमराह के 5 विकेट, ऑस्ट्रेलिया 405/7

गाबा (एजेंसी)। विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल की राह में आगे बढ़ने के लिए गाबा के मैदान पर भारत और ऑस्ट्रेलिया की टीमें आमने सामने हो चुकी हैं। दोनों टीमों के एक एक बदलाव हुआ है। ऑस्ट्रेलियाई टीम में जख्मी इन-फॉर्म जोश हेजलवुड की वापसी हो गई है तो वहीं, अश्विन की जगह रविंद्र जडेजा को मौका दिया गया है। टेस्ट के पहले दिन बारिश ने रुकावटें पैदा की। मैच देरी से शुरू हुआ। 14वें ओवर में ऐसी बारिश शुरू हुई कि खेल करवाया ही नहीं जा सका। फिलहाल क्रीज पर उस्मान ख्वाजा 19 तो मैकस्वीनी 4 रन बनाकर अविजित हैं। दूसरे दिन ट्रेविड हेड और स्टीव स्मिथ के शतक की बदौलत ऑस्ट्रेलिया ने 7 विकेट के नुकसान पर 405 रन बनाकर दिन की समाप्ति की। ओपनरों उस्मान ख्वाजा (21) और नाथन मैकस्वीनी (9) के बाद तीसरे नम्बर पर उतरे मार्नस लाबुशेन (12) जब कुछ कर नहीं पाए तो हेड और स्मिथ ने टीम को वापसी करवाई। भारतीय गेंदबाजों में जसप्रीत बुमराह का एक बार फिर

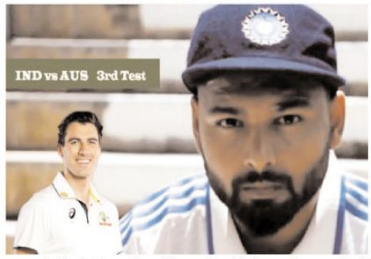

जलवा देखने को मिला और उन्होंने पारी में 5 विकेट पूरी किए।उस्मान ख्वाजा और मैकस्वीनी एक बार फिर से ओपनिंग के लिए आए। बुमराह ने शुरुआत से ही कसी हुई गेंदबाजी की लेकिन वह विकेट नहीं निकाल पाए। इस दौरान मोहम्मद सिराज और आकाशदीप ने भी जोर लगाया लेकिन ख्वाजा ने सारे हमले निरस्त कर दिए। बारिश के कारण छठे ओवर में खेल रुका भी था। फिर 14वें ओवर में बारिश होने के बाद मैच शुरू ही नहीं हो पाया।

मैच से जुड़े महत्वपूर्ण आंकड़े

- सीरीज में जसप्रीत बुमराह का औसत प्रति विकेट 11.25 रन रहा है। भारत के लिए अगला सर्वश्रेष्ठ 19.77 के साथ मोहम्मद सिराज है।
- ट्रैविस हेड का इस सीरीज में औसत 80 और स्ट्राइक रेट 94 है।

ऑस्ट्रेलिया के लिए अगला सर्वश्रेष्ठ औसत एलेक्स कैरी (24) का है।

- पैट कमिंस का गाबा में शानदार रिकॉर्ड है। वह 7 टेस्ट मैचों में 18.22 की औसत से 40 विकेट ले चुके हैं।
- गाबा में 2020-21 की प्रसिद्ध जीत से भारत के पास केवल 4 खिलाड़ी हो सकते हैं- रोहित, गिल, पंत और सिराज। यदि वाशिंगटन खेलता है तो यह 5 हो सकते हैं।

दोनों टीमों की प्लेइंग 11

भारत-यशस्वी जयसवाल, केएल राहुल, शुबमन गिल, विराट कोहली, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), रोहित शर्मा (कप्तान), रवींद्र जडेजा, नितीश कुमार रेड्डी, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज, आकाश दीप

ऑस्ट्रेलिया - उस्मान ख्वाजा, नाथन मैकस्वीनी, मार्नस लाबुशेन, स्टीवन स्मिथ, ट्रैविस हेड, मिशेल मार्श, एलेक्स कैरी (विकेटकीपर), पैट कमिंस (कप्तान), मिशेल स्टार्क, नाथन लियोन, जोश हेजलवुड

स्टीव स्मिथ ने शतकीय पारी खेलकर बनाया रिकॉर्ड

मार्क वॉ को पछाड़ा, सचिन-विराट की बराबरी की

ब्रिसबेन (ऑस्ट्रेलिया) (एजेंसी)। स्टार ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज स्टीव स्मिथ मार्क वॉ को पीछे छोड़कर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के इतिहास में छठे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी बन गए हैं। स्मिथ ने ब्रिसबेन में भारत के खिलाफ तीसरे टेस्ट के दौरान यह उपलब्धि हासिल की। स्मिथ ने भारत के खिलाफ तीसरे टेस्ट के दूसरे दिन 190 गेंदों पर 10 चौकों की मदद से 101 रनों की शानदार पारी खेलकर फॉर्म में वापसी की। यह 25 पारियों में उनका पहला शतक था, जो उनके करियर में तीन अंकों तक पहुंचने से पहले का सबसे लंबा अंतराल था। इससे पहले उनका सबसे लंबा अंतराल 22 पारियों का था जो उनके डेब्यू से लेकर उनके पहले टेस्ट शतक तक का था।

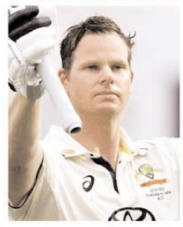

स्मिथ ने 344 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 47.58 की औसत से 16,561 रन बनाए हैं, जिसमें 45 शतक, 80 अर्द्धशतक और 239 का उच्चतम स्कोर शामिल है।

जसप्रीत बुमराह ने कपिल देव का रिकॉर्ड तोड़ा

विदेशी परिस्थितियों में भारत के अग्रणी गेंदबाज बने

ब्रिस्बेन (ऑस्ट्रेलिया) (एजेंसी)। तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने 2024 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखा, उन्होंने दो महत्वपूर्ण गेंदबाजी माइलस्टोन में दिग्गज ऑलराउंडर कपिल देव को पीछे छोड़ दिया जिससे विदेशी परिस्थितियों में भारत के सर्वश्रेष्ठ तेज गेंदबाज के रूप में उनका दावा और मजबूत हो गया।

ब्रिस्बेन में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरे टेस्ट के दूसरे दिन बुमराह ने स्टीव स्मिथ और ट्रैविस हेड के विकेट चटकाए। दोनों शतकवीरों को आउट करते हुए उन्होंने 25 ओवर में 2.90 की इकॉनमी रेट से 5/72 के आंकड़े के साथ दिन का अंत किया। इससे पहले उन्होंने उस्मान ख्वाजा, नाथन मैकस्वीनी और मिशेल मार्श के विकेट भी चटकाए। यह एशिया के बाहर बुमराह का 10वां 5 विकेट हॉल है, जिसने कपिल के एशिया के बाहर 9 पांच विकेट हॉल को पीछे छोड़ दिया।

बुमराह ने ऑस्ट्रेलिया में तीन, दक्षिण अफ्रीका में तीन और वेस्टइंडीज तथा इंग्लैंड में दो-दो बार 5 विकेट लिए हैं। दूसरी ओर, कपिल ने ऑस्ट्रेलिया में 5, इंग्लैंड और वेस्टइंडीज में दो-दो बार 5 विकेट लिए हैं। साथ ही, यह बुमराह का (दक्षिण अफ्रीका, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया) परिस्थितियों में 8 पांच विकेट है, जिसने कपिल को एक बार फिर पीछे छोड़ दिया जिनके नाम सेना देशों में 7 बार पांच विकेट लेने का रिकॉर्ड था।

यह पांच विकेट लेने का रिकॉर्ड बुमराह को दुष्ट विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के इतिहास में तीसरा सबसे ज्यादा पांच विकेट लेने वाला गेंदबाज बनाता है, जो ऑस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस (दोनों ने नौ बार पांच विकेट लिए हैं) के साथ बराबरी पर है। केवल ऑस्ट्रेलिया के नाथन लियोन (10) और भारतीय स्पिन दिग्गज रविचंद्रन अश्विन (11) के पास सबसे ज्यादा 5 विकेट लेने का रिकॉर्ड है उन्होंने चार बार 5 विकेट लिए हैं। उन्होंने 12 टेस्ट मैचों में 15.20 की औसत और 6/45 के सर्वश्रेष्ठ आंकड़े के साथ इस साल किसी भी गेंदबाज द्वारा सर्वाधिक 58 विकेट लिए हैं। उन्होंने अपने चारों 5 विकेट टेस्ट मैचों में लिए हैं।

मैच की बात करें तो भारत ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। पहले दिन लगभग 13 ओवर तक कोई विकेट नहीं गिरने के बाद भारत दूसरे दिन तरोताजा होकर लौटा और उस्मान ख्वाजा (54 गेंदों में तीन चौकों की मदद से 21 रन), नाथन मैकस्वीनी (9) और मार्नस लाबुशेन (12) को जल्दी से आउट कर ऑस्ट्रेलिया का स्कोर 75/3 कर दिया।

बुमराह के स्पैल से बचकर भाग्यशाली रहा, शतकीय पारी के बाद बोले ट्रेविस हेड

ब्रिस्बेन (एजेंसी)। ट्रेविस हेड भारत के खिलाफ एक और शतक जड़कर खुश हैं लेकिन ऑस्ट्रेलिया के इस बाएं हाथ के बल्लेबाज ने माना कि तीसरे टेस्ट के दूसरे दिन वह जसप्रीत बुमराह के शानदार स्पैल से बचकर भाग्यशाली रहे। हेड ने 152 रन की पारी खेली जो भारत के खिलाफ उनकी पिछली छह पारियों में तीसरा शतक था। उन्होंने शतकवीर स्टीव स्मिथ (101) के साथ मिलकर ऑस्ट्रेलियाई टीम को सात विकेट पर 405 रन के विशाल स्कोर तक पहुंचाया।

हेड ने मेजबान प्रसारक से कहा, 'मैं बुमराह के अच्छे स्पैल से बचकर थोड़ा भाग्यशाली रहा। वह शुरुआत में स्टंप के बेस पर गेंद फेंकते हैं। मुझे लगता है कि यह प्रतिक्रिया करने के बारे में है। उनके पास अच्छी बाउंसर है। उनके पास शानदार विकेट लेने वाली गेंदें हैं। मैं मानता हूं कि उनके खिलाफ सकारात्मक रहना महत्वपूर्ण है। इसका मतलब यह नहीं है कि मुझे उनके खिलाफ रन बनाने की जरूरत है बल्कि यह मेरे फॉरवर्ड डिफेंस के साथ सक्रिय रहने के बारे में है।

हेड ने भारत पर अपना दबदबा बनाए रखने से खुश हैं। उन्होंने पिछले साल ओवल में डब्ल्यूटीसी फाइनल में शतक बनाया था और फिर बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के दूसरे टेस्ट में एडिलेड में शतक बनाया था। हेड ने कहा, 'हम भारत के साथ बहुत अधिक खेलते हैं। रन बनाना अच्छा है। इस हफ्ते भी रन बनाना विशेष है। मुझे लगा कि मैंने एडिलेड और पर्थ में अच्छी बल्लेबाजी की।

उन्होंने कहा, 'भारत का सामना करना बहुत चुनौतीपूर्ण है। उनके खिलाफ जितना संभव हो उतना सकारात्मक रहना चाहिए। हेड ने स्मिथ की भी प्रशंसा की जिनके साथ उन्होंने चौथे विकेट के लिए 200 से अधिक रन की साझेदारी की और ऑस्ट्रेलिया को मजबूत स्थिति में पहुंचाया। उन्होंने कहा, 'मैंने हमेशा स्टीव के बारे में इस बात का आनंद लिया है। मैंने महसूस किया है कि जब वह लय में होता है और अच्छी बल्लेबाजी करता है तो मेरी ओर किसी का ध्यान नहीं जाता। मुझे लगा कि वह सही में अच्छा खेल रहा था।

यह 30 वर्षीय खिलाड़ी टेस्ट में अपना पहला दोहरा शतक बनाने के लिए आगे बढ़ रहा था लेकिन वह इस उपलब्धि से चूकने से बहुत दुखी नहीं दिखे। उन्होंने कहा, 'मैं सिर्फ रन बनाने की कोशिश कर रहा हूं। अगर खेल में रन बनाने का मौका मिलता है तो मैं रन बनाना चाहता हूं। मैं यहां मील के पत्थर हासिल करने के लिए नहीं आया हूं, मैं वाकई लड़कों के लिए अच्छा खेलना चाहता हूं। मुझे टीम से लगाव है। मैं जो करता हूं, उसका आनंद लेता हूं। मैं वही करने की कोशिश करता हूं, जिसकी टीम को जरूरत है।

मोहम्मद इरफान का भी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास, इमाद-आमिर भी कर चुके हैं किनारा

कराची (एजेंसी)। पाकिस्तान क्रिकेट टीम के तेज गेंदबाज मोहम्मद इरफान ने भी आखिरकार अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणा कर दी है। 7 फीट लंबे इरफान ने पाकिस्तान के लिए 60 वनडे मुकाबले खेले हैं। उनका वनडे डेब्यू सितंबर 2010 में इंग्लैंड के खिलाफ हुआ था। वह पहली बार भारत के सामने दिसंबर 2012 में टी20 मुकाबला खेले थे। उन्हें टेस्ट में भी दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ डेब्यू करने का मौका मिला। उन्होंने संन्यास लेने की घोषणा एक्स पर पोस्ट डालकर की। उन्होंने लिखा- मैंने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने का फैसला किया है। मैं अपने साथियों, कोचों के प्रति अपनी गहरी कृतज्ञता व्यक्त करना चाहता हूं, आपके प्यार, उत्साहवर्धन और अविस्मरणीय यादों के लिए धन्यवाद। और मैं उस खेल का समर्थन करना और जश्न मनाना जारी रखूंगा जिसने मुझे सबकुछ दिया है। पाकिस्तान जिंदाबाद। इससे पहले पाकिस्तान के अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद आमिर ने शनिवार को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने के अपने फैसले की घोषणा की। आमिर ने एक्स पर लिखा- सावधानीपूर्वक विचार करने के बाद, मैंने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने का कठिन निर्णय लिया है। ये निर्णय कभी भी आसान नहीं होते हैं लेकिन अपरिहार्य हैं। मुझे लगता है कि अगली पीढ़ी के लिए कमान संभालने और पाकिस्तान क्रिकेट को नई ऊंचाइयों पर ले जाने का यह सही समय है। अपने देश का प्रतिनिधित्व करना मेरे जीवन का सबसे बड़ा सम्मान रहा है और हमेशा रहेगा।

सिराज पर निशाना साधने वालों को गावस्कर का जवाब, ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट 'पंडितों' का दोहरा चरित्र दिखाया

ब्रिस्बेन (एजेंसी)। भारतीय दिग्गज सुनील गावस्कर ने एडीलेड में दिन रात्रि टेस्ट में ट्रेविस हेड के साथ विवाद में मोहम्मद सिराज पर निशाना साधने को लेकर ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट 'पंडितों' के दोहरे चरित्र की आलोचना की है। पांच मैचों की श्रृंखला के दूसरे टेस्ट में बाएं हाथ के बल्लेबाज हेड ने शतक पूरा करने के बाद डीप स्क्वायर लेग पर छक्का लगाया जिसके बाद सिराज ने उन्हें बोल्ड कर दिया और ड्रेसिंग रूम की ओर जाने का इशारा किया था।

हेड ने दावा किया कि उन्होंने आउट होने के बाद सिराज से कहा था कि 'अच्छी गेंदबाजी की' लेकिन भारतीय गेंदबाज ने इस दावे से इनकार किया। सिराज पर मैच फीस का 20 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया और हेड को फटकार लगाई गई जबकि दोनों खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने एक-एक डिमेरिट अंक भी दिया। गावस्कर ने 'सिडनी मॉर्निंग हेराल्ड' में कटाक्ष करते हुए लिखा, 'सिराज के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट के 'पंडितों' से कड़ी प्रतिक्रिया मिल रही है। ऐसी प्रतिक्रिया वहीं दे रहे जिन्हें मैदान पर इस तरह के व्यवहार के लिए जाना जाता है।

उन्होंने लिखा, 'इससे ऑस्ट्रेलियाई

उन्होंने लिखा, 'यह लोग हालांकि अगले सत्र में की एशेज के दौरान ऑस्ट्रेलिया के किसी तेज गेंदबाज की इंग्लैंड के प्रशंसक नाराज हो सकते हैं कि सिराज ने शानदार शतक बनाने वाले स्थानीय खिलाड़ी को आक्रामक इशारा किया। गावस्कर ने दोहरे चरित्र पर कटाक्ष किया कि कैसे यही लोग अपने खिलाड़ियों के असभ्य व्यवहार का समर्थन करते हैं। बल्लेबाज के खिलाफ इस तरह की हरकत का समर्थन करेंगे। मीडिया में कुछ सुझाव थे कि ऑस्ट्रेलिया के खिलाड़ियों को को फिर से पहले की तरह बेहद आक्रामक रवैया अपनाना चाहिए।

गावस्कर हालांकि सिराज के गुस्से से आश्चर्यचकित थे क्योंकि आईपीएल ने खिलाड़ियों के बीच कटुता को कम कर दिया था। उन्होंने कहा, 'सिराज का गुस्सा आश्चर्यजनक था क्योंकि इंडियन प्रीमियर लीग ने ऑस्ट्रेलिया के क्रिकेटरों और कोचों को करीबपति बनाने के अलावा एक काम किया है और वह काम है पहले से मौजूद कटुता को काफी हद तक कम करना।%

संक्षिप्त समाचार

आयोवा-नेब्रास्का में बर्फीले तूफान का कहर; सड़कें बन गईं बर्फ

न्यूयार्क , एजेंसी। अमेरिका के आयोवा एवं पूर्वी नेब्रास्का में बर्फीले तूफान के कारण सड़कों पर बर्फ जम गई और कई वाहनों के फिसलने की घटनाओं के कारण 'इंटरस्टेट 80 राजमार्ग को अस्थायी रूप से बंद करना पड़ा। क्षेत्र में आयोजित होने वाले कई कार्यक्रम शुक्रवार शाम को बर्फीले तूफान की दस्तक के बाद रद्द करने पड़े। पूर्वी नेब्रास्का में सड़कों पर जमी बर्फ के कारण हुई एक दुर्घटना में एक महिला की मौत हो गई। 'वाशिंगटन काउंटी शेरिफ कार्यालय ने बताया कि 57 वर्षीय महिला 'हाईवे-30 पर अपने वाहन पर से नियंत्रण खो बैठी और सामने से आ रहे ट्रक से टकरा गई। ट्रक के चालक को मामूली चोटें आई हैं। अन्य स्थानों पर 96 किलोमीटर प्रतिघंटा की रफ्तार से हवाएं चलने के कारण सैन फ्रांसिस्को में तूफान की पहली बार चेतावनी जारी की गई। मौसम विभाग के अनुसार, सैन फ्रांसिस्को में तेज हवाओं के कारण कार और सड़कों पर कुछ पेड़ गिर गए। सैन फ्रांसिस्को में 2005 के बाद से कोई तूफान नहीं आया है। कैलिफोर्निया के मोंटेरे में मौसम विभाग के कार्यालय में मौसम विज्ञानी रोजर गैस ने कहा, ''यह सैन फ्रांसिस्को में संभावित तूफान की पहली चेतावनी है। मेरा मानना है कि 2005 में चेतावनी के लिए रडार पर कोई स्पष्ट संकेत नहीं था।

पाकिस्तान में भी फैंस ने राज कपूर पर बरसाया प्यार, ऐतिहासिक 'कपूर हाउस में मनाई 100वीं जयंती

पेशावर, एजेंसी। पाकिस्तानी सांस्कृतिक और फिल्म प्रेमी बॉलीवुड के दिग्गज फिल्म निर्माता एवं अभिनेता राज कपूर की 100वीं जयंती मनाने के लिए शनिवार को पेशावर के 'कपूर हाउस में इकट्ठा हुए और इस दौरान उन्होंने केक काटकर उनकी जयंती मनाई। आयोजन में शामिल लोगों ने राज कपूर और बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता दिलीप कुमार के पैतृक घरों के जीर्णोद्धार के लिए 10 करोड़ रुपये आवंटित करने की विश्व बैंक की घोषणा का भी स्वागत किया। प्रसिद्ध किस्सा खवानी बाजार के पास स्थित दोनों घरों को पेशावर के भारतीय सिनेमा से गहरे संबंधों के प्रतीक के रूप में माना जाता है। 'कल्चरल हेरिटेज काउंसिल (सीएचसी) और पुरातत्व निदेशालय खैबर पख्तूनख्वा द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित इस समारोह में कपूर की विरासत को याद करने के लिए बड़े पैमाने पर कार्यक्रम आयोजित करने का आह्वान किया गया। कार्यक्रम में मौजूद लोगों ने कपूर के पाकिस्तान से संबंधों पर बल दिया और सिनेमा पर उनकी अमिट छाप की प्रशंसा की। कपूर का जन्म 14 दिसंबर 1924 को पेशावर के ढाकी नलबंदी में हुआ था और 1988 में उनका निधन हो गया।

इमरान खान ने की प्रदर्शनकारियों के खिलाफ सरकार की कार्रवाई की आलोचना

इस्लामाबाद, एजेंसी। जेल में बंद पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के प्रदर्शनकारियों के खिलाफ मौजूदा सरकार की कार्रवाई पर अपनी पीड़ा व्यक्त की है। खान ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा कि जलियांवाला बाग हत्याकांड की तरह, न तो हम और न ही लोग इस्लामाबाद नरसंहार की त्रासदी को कभी भूल पाएंगे। सौ साल बाद भी लोग जनरल डायर द्वारा किए गए नरसंहार को याद करते हैं, हालांकि उस समय न तो कैमरे थे और न ही मीडिया।

आस्ट्रेलिया में क्रिसमस की जबरदस्त तैयारी, जगमगाते शहर, जश्न और खेल की परंपरा शामिल

सिडनी, एजेंसी।
'बॉक्सिंग डे टेस्ट, 'सिडनी .होबर्ट यॉट रेस या फिर परिवार के साथ बीच क्रिकेट, हर आस्ट्रेलियाई के क्रिसमस कैलेंडर में शामिल है कोई खेल और उनके खेल प्रेम की झलक इस त्योहार की तैयारियों में भी नजर आ रही है। सिडनी से लेकर मेलबर्न और ब्रिसबेन तक हर शहर में क्रिसमस की तैयारियां चरम पर हैं। संगीत कन्सर्ट, तोहफों का आदान प्रदान, पारंपरिक खान -पान और रात में नदी के किनारे जगमगाती रोशनी के बीच डिनर- इन दिनों हर शहर में यही नजारा है। शाम को पार्क में या बीच पर लोग परिवार के साथ क्रिकेट, वॉलीबॉल या फिर फुटबॉल खेलते दिखेंगे। चंडीगढ से पहली बार यहां घूमने आई दीपना अरोड़ा ने कहा,'' मैंने इतना खूबसूरत क्रिसमस कहीं नहीं देखा। हर जगह इतनी रोशनी है और लोगों में जबर्दस्त उत्साह है। हर कोई परिवार के साथ है और यह जश्न नये साल तक चलता रहेगा क्योंकि तीन जनवरी से यहां भारत और आस्ट्रेलिया के बीच पांचवां टेस्ट भी खेला जाना है। दक्षिणी गोलार्ध में होने के कारण आस्ट्रेलिया में क्रिसमस गर्मियों में पड़ता है और इसी दौरान रहता है क्रिकेट का भी मौसम। लिहाजा खेलों के दीवाने आस्ट्रेलियाई लोगों के लिये तो यह सोने पे सुहागा है । क्रिकेट देखने के अलावा खूबसूरत बीच पर परिवार के साथ

क्रिकेट खेलते या तैराकी का मजा लेते भी लोग बड़ी संख्या में दिख जायेंगे । क्रिसमस के अगले दिन मेलबर्न का 'बॉक्सिंग डे टेस्ट तो दुनिया भर में मशहूर है ही, वहीं सिडनी से होबर्ट तक इसी दिन शुरू होने वाली 1170 किलोमीटर की यॉट रेस (नाव की दौड़) भी क्रिसमस परंपरा में शामिल है जिसकी शुरूआत 1945 में हुई थी। इस साल भी आस्ट्रेलिया के क्रूसिंग यॉट क्लब द्वारा आयोजित 78वीं रेस में भाग लेने के लिये 112 यॉट तैयार हैं और रेस दो जनवरी को होबर्ट में खत्म होगी जहां इसके स्वागत की तैयारियां जोरों पर हैं। ब्रिसबेन में क्वींस स्ट्रीट मॉल पर दर्जनों बेकरी से आती केक की खुशबू हवा में तैर रही है। युवाओं का कोई ग्रुप सैंटा क्लाज के कपड़ों में रेस्त्रां में बैठकर गप्पे लड़ा रहा है तो एक किनारे पर कोई कलाकार वायलिन बजा रहा है या फिर कहीं गीतों के जरिये क्रिसमस की कहानी सुनाई जा रही है। रात में शहर के मशहूर सिटी हॉल पर लाइट और साउंड शो 'सांटास एसओएस = अ क्रिसमस रेस्क्यू चल रहा है । गाबा पर भारत और आस्ट्रेलिया के बीच तीसरा टेस्ट खेला जा रहा है लेकिन बारह वर्ष के एलेन को इसकी टिकट नहीं मिल सकी और अब वह अपने दादाजी के साथ साउथबैंक पर क्रिकेट खेलने जाना चाहते हैं । एलेन ने कहा,'' मैं अपने दादाजी से कह रहा हूं कि हम वीकेंड पर क्रिकेट खेलते हैं। मेरे लिये क्रिसमस का मतलब अपने दादा- दादी के साथ समय बिताना है और हम इस दौरान खूब मस्ती करते हैं, खूब खेलते हैं। मुझे साल भर इसका इंतजार रहता है। फ्रांसीसी मूल की मेलिना को आस्ट्रेलिया में क्रिसमस ज्यादा अच्छा लगता है क्योंकि इस दौरान यहां गर्मी का मौसम रहता है । उन्होंने कहा,'' यूरोप में इस समय बर्फ गिरती है लेकिन आस्ट्रेलिया में क्रिसमस गर्मियों में होता है और इसलिये मुझे बहुत पसंद है। साउथ बैंक पर देर रात तक पूल में बच्चे, बूढे सभी यहां तैराकी करते दिखते हैं और फिर परिवार, दोस्तों के साथ नदी किनारे बने रेस्त्रां में डिनर करते हैं। बहुत अच्छा लगता है । मेलबर्न का व्यस्त फेडरेशन स्क्वेयर इन दिनों क्रिसमस स्क्वेयर बना हुआ है जहां तरह- तरह के फूड स्टॉल, सैंटा वर्कशॉप और 16 मीटर ऊंचा क्रिसमस ट्री आकर्षण का केंद्र है। हार्बर एस्प्लेनेड पर लाल और नीले रंगों से लिखा 'मैरी क्रिसमस चमक रहा है और क्रिसमस का अगला दिन भी विक्टोरियावासियों के लिये खास है। क्रिसमस के अगले दिन नजरें दुनिया के दूसरे सबसे बड़े क्रिकेट मैदान मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड पर लगी होंगी जहां इस बार भारत और आस्ट्रेलिया के बीच चौथा टेस्ट खेला जायेगा। इसके बाद आस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस ग्रैंडस्लैम शुरू हो जायेगा। के हनुमानगढ के रहने वाले सुमित जैन पिछले 15 साल से मेलबर्न में बसे हैं । उन्होंने कहा,''यह छुट्टियों का और हमारे लिये तो क्रिकेट का समय है। अपने आस्ट्रेलियाई दोस्तों के साथ क्रिसमस जश्न में शामिल होने के बाद अगले दिन हम टेस्ट मैच देखने जायेंगे।

अपराधी को 100 साल की सजा, पैरोल के लिए 2120 में होगा योग्य

लास वेगास, एजेंसी।
किसी अपराधी को आपने कितने साल की सजा मिलते हुए देखा है 10 साल, 20 साल या फिर उम्रभर की सजा? लेकिन अमेरिका में एक कोर्ट ने एक अपराधी को 100 साल की सजा सुनाई है। साथ ही यह भी कहा गया है कि अगर वह अपराधी 100 साल तक सजा काटता है तो वह साल 2120 में पैरोल के लिए योग्य हो सकता है। यह घटना लास वेगास की है जहां एक जज ने 32 साल के क्रिस्टोफर मैकडॉनेल को 2020 में थैंक्सगिविंग के दौरान दो राज्यों में गोलीबारी करने के अपराध में 100 साल की सजा सुनाई। इस गोलीबारी में नेवादा में एक व्यक्ति की मौत हो गई थी।क्रिस्टोफर मैकडॉनेल पर हत्या, हत्या का प्रयास, हत्या की साजिश, अवैध रूप से बंदूक रखने और हथियार से संबंधित 20 से अधिक आरोप थे। कोर्ट ने उसे 100 साल की सजा सुनाई और कहा कि अगर वह 100 साल तक जीवित रहता है तो उसे 2120 में पैरोल के लिए विचार किया जाएगा।

11 घंटे तक चली थी गोलीबारी 26 नवंबर 2020 को क्रिस्टोफर मैकडॉनेल उसके भाई शॉन मैकडॉनेल और शॉन की पत्नी कायले लुईस ने लास वेगास में 11 घंटे तक अंधाधुंध गोलीबारी की थी। इस गोलीबारी में लास वेगास के पास हेंडरसन में एक स्टोर में 22 साल के केविन मेंडिओला जूनियर की मौत हो गई जबकि एक व्यक्ति घायल हो गया।

गोलीबारी के बाद इन तीनों ने लगातार गोलीबारी की और एक कार पलटने के बाद इन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। अधिकारियों के मुताबिक ड्राइवर कायले लुईस थी जबकि दोनों भाई गाड़ी की खिड़की से अंधाधुंध फायरिंग कर रहे थे। एरिजोना पुलिस ने किया था पीछा एरिजोना के सार्वजनिक सुरक्षा विभाग के अधिकारियों ने टेक्सास लाइसेंस प्लेट वाली गाड़ी का पीछा किया। कार दुर्घटनाग्रस्त होने के बाद सैनिकों ने असॉल्ट-स्टाइल राइफलों से हमला किया और शॉन मैकडॉनेल को घायल कर दिया। इसके बाद गोलीबारी रुक गई और तीनों अपराधी गिरफ्तार हो गए। इस मामले में शॉन मैकडॉनेल और कायले लुईस का ट्रायल अभी बाकी है।

बांग्लादेश आयोग का दावा-लोगों को गायब करने के पीछे शेख हसीना का हाथ

मेजर व वरिष्ठ पुलिस अधिकारी भी शामिल

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार द्वारा गठित जांच आयोग ने अपनी अंतिम रिपोर्ट में कहा है कि उसे लोगों को कथित रूप से गायब किए जाने की घटनाओं में पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना की संलिप्तता का पता चला है। लोगों के लापता होने की घटनाओं की जांच के लिए गठित आयोग ने अनुमान लगाया है कि ऐसे मामलों की संख्या 3,500 से अधिक है। कार्यवाहक प्रधानमंत्री मोहम्मद यूनुस के मुख्य सलाहकार के कार्यालय की प्रेस शाखा ने शनिवार रात एक बयान में कहा, ''आयोग को इस बात के सबूत मिले हैं कि पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के निर्देश पर लोगों को गायब किया गया। इसमें कहा गया है कि अपदस्थ प्रधानमंत्री के रक्षा सलाहकार मेजर जनरल (सेवानिवृत्त) तारिक अहमद सिद्दीकी, राष्ट्रीय दूरसंचार निगरानी केंद्र के पूर्व महानिदेशक और बर्खास्त मेजर जनरल जियाउल अहसन , वरिष्ठ पुलिस अधिकारी मोनिरुल इस्लाम एवं मोहम्मद हारुन-ओर-रशीद और कई अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी इन घटनाओं में शामिल पाए गए। सेना और पुलिस के ये सभी पूर्व अधिकारी फरार हैं। ऐसा माना जा रहा है कि वे छात्रों के नेतृत्व वाले विद्रोह के बाद पांच अगस्त को हसीना की अवामी लीग सरकार के सत्ता से बाहर होने के बाद देश से बाहर चले गए थे। लोगों को गायब किए जाने की घटनाओं की जांच करने वाले पांच सदस्यीय आयोग ने शनिवार देर रात मुख्य सलाहकार को उनके आधिकारिक आवास यमुना पर ''सत्य का खुलासा शीर्षक से अपनी अंतरिम रिपोर्ट सौंपी जिसके बाद यह बयान जारी किया गया। बयान के अनुसार, आयोग के अध्यक्ष एवं उच्चतम न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश मैनुल इस्लाम चौधरी ने यूनुस को बताया कि जांच के दौरान उन्हें एक ''व्यवस्थित तरीके की जानकारी मिली जिसके कारण इन घटनाओं का पता नहीं चल सका। चौधरी ने कहा, ''लोगों को गायब करने या न्यायेतर हत्या करने वाले व्यक्तियों को भी पीड़ितों की जानकारी नहीं होती थी। 'रैपिड एक्शन बटालियन (आरएबी) और अन्य कानून प्रवर्तन एजेंसी ने लोगों को जबरन ले जाने, उन्हें प्रताड़ित करने और हिरासत में रखने की घटनाओं को अंजाम देने के लिए एक-दूसरे के साथ मिलकर काम किया। आरएबी में सेना, नौसेना, वायु सेना और पुलिस के लोग शामिल होते हैं। आयोग ने आतंकवाद रोधी अधिनियम, 2009 को खत्म करने या उसमें व्यापक संशोधन करने के साथ-साथ आरएबी को खत्म करने का प्रस्ताव भी रखा। मानवाधिकार कार्यकर्ता और आयोग के सदस्य सज्जाद हुसैन ने कहा कि उन्होंने इस तरह की घटनाओं के कारण लोगों के लापता होने की 1,676 शिकायतें दर्ज की हैं।

यूक्रेन में मौत बरसा रही किम जोंग की सेना ! 2 घंटे में प्लियोखोवो गांव पर किया कब्जा

कीव, एजेंसी।
रूस-यूक्रेन युद्ध में उत्तर कोरियाई सैनिक रूस के समर्थन में खतरनाक तरीके से सक्रिय हो गए हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, उत्तर कोरियाई सैनिकों ने कुर्स्क क्षेत्र के प्लियोखोवो गांव पर केवल 2 घंटे में कब्जा करते हुए 300 से अधिक यूक्रेनी सैनिकों को मार गिराया। इस दौरान किसी भी सैनिक को बंदी नहीं बनाया गया। उत्तर कोरियाई सैनिकों ने 6 दिसंबर को कुर्स्क के प्लियोखोवो गांव में जोरदार हमला किया। रूसी टेलीग्राम चैनल रोमानोलाइट के अनुसार, इस हमले में केवल 2 घंटों के भीतर 300 यूक्रेनी सैनिक मारे गए, और गांव पर पूरी तरह से कब्जा कर लिया गया। रिपोर्ट में कहा गया कि उत्तर कोरियाई

सैनिकों ने बिना किसी रहम के यह हमला किया। रूस समर्थक नेता ओलेग त्सायोर्व ने इस हमले की पुष्टि करते हुए कहा कि, यह हमला हुआ है, लेकिन मैं इस पर ज्यादा जानकारी साझा नहीं कर सकता। हालांकि, यूक्रेनी सरकार की ओर से इस घटना पर कोई टिप्पणी नहीं आई है। दक्षिण कोरिया और अमेरिका की रिपोर्ट्स के मुताबिक, किम जोंग उन ने रूस के समर्थन में हजारों उत्तर कोरियाई सैनिक भेजे हैं। उत्तर कोरियाई सैनिकों की रूस में उपस्थिति और उनकी लड़ाई के तरीकों ने रूस-उत्तर कोरिया के रिश्तों को एक नई ऊंचाई पर पहुंचा दिया है। इस साल जून में पुतिन और किम जोंग उन के बीच एक महत्वपूर्ण समझौता हुआ था जिसका रूस को फायदा मिल रहा हैष रूस को अतिरिक्त सैनिक मिल रहे हैं, जो युद्ध में मददगार साबित हो रहे हैं। इसके बदले में उत्तर कोरिया को रूस की उन्नत हथियार तकनीक मिल रही है। उत्तर कोरियाई सैनिकों की तैनाती और उनकी भूमिका ने रूस और उत्तर कोरिया के बीच संबंधों को और मजबूत कर दिया है। विशेषज्ञों का मानना है कि यह साझेदारी दोनों देशों के लिए रणनीतिक रूप से फायदेमंद हो सकती है।

नाटो चीफ की अंतिम चेतावनी- रुकने वाले नहीं हत्यारे पुतिन, यूक्रेन के बाद यूरोप की बारी

लंदन एजेंसी। नाटो महासचिव मार्क रुटे ने यूक्रेन युद्ध को लेकर रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने पुतिन को युद्ध में हुई तबाही के लिए जिम्मेदार ठहराते हुए कहा कि उनके हाथ खून से सने हैं। रुटे ने चेतावनी दी कि पुतिन यूक्रेन को बर्बाद करने के बाद भी नहीं रुकेंगे, और अगला निशाना यूरोप हो सकता है। रुटे ने स्पष्ट किया कि यदि पुतिन को रोका नहीं गया, तो जो आज यूक्रेन में हो रहा है, वह कल यूरोप में हो सकता है। उन्होंने यूरोपीय देशों को एकजुट होकर अधिक खर्च करने और रूस के खिलाफ मजबूत मोर्चा तैयार करने का आह्वान किया। मार्क रुटे ने कहा कि फरवरी 2022 से शुरू हुए इस युद्ध में अब तक 10 लाख से अधिक लोग हताहत हो चुके हैं। हर हफ्ते औसतन 10,000 लोग मारे जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि नाटो के 32 देश इस युद्ध के लिए पूरी तरह तैयार नहीं थे, लेकिन अब उन्हें अपनी रक्षा पर अधिक ध्यान देने की जरूरत है। रुटे ने ब्रसेल्स में कार्नेगी यूरोप थिंक टैंक के सुरक्षा विशेषज्ञों से कहा कि यह समय युद्धकालीन मानसिकता को बदलने का है। उन्होंने चेतावनी दी कि रूस का खतरा सिर्फ यूक्रेन तक सीमित नहीं रहेगा; पुतिन यूरोप की स्वतंत्रता को कुचलने की कोशिश कर रहे हैं। यूरोपीय देशों को इस खतरे को हल्के में नहीं लेना चाहिए। रुटे ने कहा कि रूस साइबर हमलों, हत्याओं, गोला-बारूद डिपो में विस्फोट और बाल्टिक क्षेत्र में हवाई यातायात बाधित करने जैसे हथकंडे अपना रहा है। उनका कहना है कि ये प्रयास नाटो देशों को यूक्रेन का समर्थन करने से रोकने और उन्हें अस्थिर करने के लिए किए जा रहे हैं। रुटे ने रूस और यूक्रेन के बीच किसी भी शांति समझौते का विरोध किया है। उनका मानना है कि ऐसा करने से पुतिन और ताकतवर हो जाएंगे, जिसका असर सिर्फ यूरोप पर नहीं, बल्कि पूरी दुनिया पर पड़ेगा। रुटे ने कहा कि नाटो देशों में रक्षा बजट बढ़ा है, और 23 देशों ने जीडीपी का 2 प्रतिशत अपने सैन्य खर्च में डालने का लक्ष्य हासिल कर लिया है। हालांकि, उन्होंने कहा कि इससे अधिक की आवश्यकता है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि अभी तैयारी नहीं की गई, तो भविष्य में भारी कीमत चुकानी पड़ेगी।

सीरिया में ब्लिंकन की विदेश नीति फेल, विद्रोही गुटों के बीच फंस गया अमेरिका

लगा रहा तुर्की-इजरायल के चक्कर

दश्मिक, एजेंसी।
सीरिया में अमेरिका की नीति कठिनाइयों से घिर गई है। राष्ट्रपति बशर अल-असद के शासन को खत्म करने के बाद वहां की स्थिति और जटिल हो गई है। तुर्की समर्थित विद्रोही गुट और अमेरिका समर्थित सीरियन डेमोक्रेटिक फोर्सेज) के बीच जारी संघर्ष ने समस्या को और गंभीर बना दिया है। इसके अलावा, ढ्ढस्ढ्ढस् के फिर से उभरने की आशंका क्षेत्रीय स्थिरता के लिए बड़ा खतरा है।

तुर्की समर्थित विद्रोही गुटों ने स्ठ्ठ्र के ठिकानों पर हमले शुरू कर दिए हैं। स्ठ्ठ्र, जो कुर्दिश ड्ढक्क मिलिशिया के नेतृत्व में है, ढ्ढस्ढ्ढस् के खिलाफ अमेरिकी गठबंधन का मुख्य भागीदार है। तुर्की ड्ढक्क को कुर्दिस्तान वर्कर्स पार्टी (क्काय) का हिस्सा मानता है, जिसे तुर्की ने आतंकवादी संगठन घोषित कर रखा है। तुर्की ने क्काय और ड्ढक्क दोनों को गैरकानूनी करार दिया है। इस कारण तुर्की और अमेरिका के बीच

गंभीर मतभेद सामने आ रहे हैं। अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने तुर्की के विदेश मंत्री हकान फिदान से अंकारा में मुलाकात की। दोनों नेताओं ने सीरिया में ढ्ढस्ढ्ढस् के खतरों से निपटने और स्थिरता लाने के प्रयासों पर सहमति जताई। ब्लिंकन ने कहा कि अमेरिका ढ्ढस्ढ्ढस् को दोबारा उभरने से रोकने के लिए प्रतिबद्ध है। अमेरिकी सेंट्रल कमांड के जनरल माइकल कुरिल्ला ने इजरायली सेना प्रमुख और रक्षा मंत्री से मुलाकात की। इस बातचीत में सीरिया की स्थिति और क्षेत्रीय सुरक्षा खतरों पर चर्चा हुई। जॉर्डन, इराक, और लेबनान का भी दौरा किया, ताकि क्षेत्र में सुरक्षा और स्थिरता सुनिश्चित की जा सके। अमेरिकी विदेश मंत्री ने यह स्पष्ट किया कि अमेरिका विद्रोही समूह हयात तहरीर अल-शाम (॥ञ्जस्) के संपर्क में है। ॥ञ्जस् ने हाल ही में असद को सत्ता से बेदखल करने वाले विपक्षी गठबंधन का नेतृत्व किया है। हालांकि, अमेरिका और कई अन्य देशों ने ॥ञ्जस् को आतंकवादी संगठन घोषित कर रखा है। सीरिया में वर्तमान परिस्थितियां अमेरिका की रणनीतिक कमजोरियों को उजागर करती हैं। तुर्की और स्ठ्ठ्र के बीच संघर्ष के कारण अमेरिकी गठबंधन पर दबाव बढ़ रहा है। संभावित पुनरुत्थान ने सुरक्षा चुनौतियों को और बढ़ा दिया है।

सुचिर बालाजी की आत्महत्या या साजिश ? चैट जीपीटी पर सवाल, इस्तीफा और फिर बंद कमरे में लाश

वाशिंगटन, एजेंसी। ओपन एआई के पूर्व कर्मचारी और भारतीय-अमेरिकन इंजीनियर सुचिर बालाजी का शव अमेरिका के सैन फ्रांसिस्को स्थित उनके अपार्टमेंट में मिला। पुलिस और चीफ मेडिकल एग्जामिनर ने इसे शुरुआती जांच में आत्महत्या बताया है। सुचिर, जो ओपन एआई के खिलाफ कॉपीराइट उल्लंघन के मामले में गवाह और आलोचक रहे थे, उनकी मौत ने टेक्नोलॉजी और कॉर्पोरेट जगत में हलचल मचा दी है। 26 वर्षीय सुचिर बालाजी ओपन एआई के साथ चार वर्षों तक काम करने के बाद, अगस्त 2024 में कंपनी से इस्तीफा दे चुके थे। उनका कहना था कि वे ऐसी तकनीक का हिस्सा नहीं बनना चाहते जो समाज को गर्त में ले जाए। अक्टूबर में न्यूयॉर्क टाइम्स को दिए एक साक्षात्कार में उन्होंने ओपन एआई पर गंभीर आरोप लगाए थे, जिसमें उन्होंने यूजर्स के डेटा के दुरुपयोग और नियमों की अनदेखी का मुद्दा उठाया। बालाजी ने ओपन एआई और इसके सबसे बड़े निवेशक, माइक्रोसॉफ्ट, पर कॉपीराइट उल्लंघन का आरोप लगाया था। 25 नवंबर को उनकी मौत से ठीक एक दिन पहले कोर्ट में उनका नाम इस मामले में दर्ज किया गया। आरोप था कि ओपन एआई बिना सहमति के पत्रकारों, लेखकों, और कंपनियों के डेटा का उपयोग कर रहा है। ओपन एआई ने बालाजी की मौत पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए उनके दोस्तों और परिवार के प्रति संवेदना जताई।

कहानी

बंदर और दो बिल्लियां

एक बार दो बिल्लियों को एक रोटी मिली और वो दोनों बिल्लियां उस रोटी के लिए निरंतर लड़ रही थी। पहली बिल्ली ने कहा वह रोटी उसकी है तो छोटी बिल्ली भी कैसे पीछे हटती उसने भी कहा कि वह रोटी उसकी है। वहाँ पास में एक पेड़ पर काफी देर से बैठा बंदर सब कुछ देख रहा था और इसलिए उसने सोचा कि क्यों न वह इन दोनों बिल्लियों की मदद करे ? वह बिल्लियों के पास गया और बोला कि वह रोटी को बराबर दो हिस्सों में करता है ताकि तुम दोनों को बराबर रोटी मिले। दोनों बिल्लियां इस बात पर राजी हो गईं पर जब बंदर ने रोटी के दो हिस्से किए तो एक टुकड़ा बड़ा और एक टुकड़ा छोटा हो गया। इसलिए उसने बड़ेवाले टुकड़े से थोड़ी सी रोटी तोड़ कर खा ली और इस बार रोटी का दूसरा हिस्सा बड़ा हो गया। यह कुछ देर तक चलता रहा और बंदर रोटी के दोनों टुकड़ों को बराबर करने के लिए लगातार उससे एक-एक बाईट खाता रहा। अंत में उसने पूरी रोटी खा ली। अब क्या था दोनों बिल्लियों को बहुत गुस्सा आया और उन्होंने बंदर से पूछा कि उसने ऐसा क्यों किया तो चालाक बंदर ने कहा कि यदि तुम दोनों खुद ही इस समस्या को सुलझाती तो ऐसा नहीं होता। पर तुम ऐसा नहीं कर सकी और तुम्हारे पास जो भी था वह भी तुमने खो दिया। बंदर खुशी-खुशी अपने घर चला गया और दोनों बिल्लियां भूखी रह गईं।

कहानियां अक्सर हमें हमारे बचपन में ले जाती हैं। किसी के लिए स्टोरीटेलिंग एक कला है तो किसी के लिए यह एक परंपरा है। बहुत पहले से लोग अपने बच्चों को कहानियां सुनाते रहे हैं और बच्चे उतने ही इंट्रेस्ट से कहानियों को सुनते भी आए हैं। ऊपर दी हुई कहानियां काफी लोकप्रिय हैं और आपका बच्चा भी इन कहानियों को बहुत पसंद करेगा इसलिए आप उसे यह कहानियां जरूर सुनाएं। कहानियों से बच्चों की कल्पनाएं व क्रिएटिविटी बढ़ती है और साथ ही बच्चे की वोकैब्युलरी में भी सुधार आता है। बच्चों के लिए ज्यादातर कहानियों में मॉरल भी होता है। इससे आपके बच्चे को वैल्यूज सीखने को मिलती हैं और उसमें सही-गलत पहचानने की समझ आती है। कहानियों मे ढेर सारा मनोरंजन भी होता है।

भगवान शिव के पहले शिष्य कौन थे

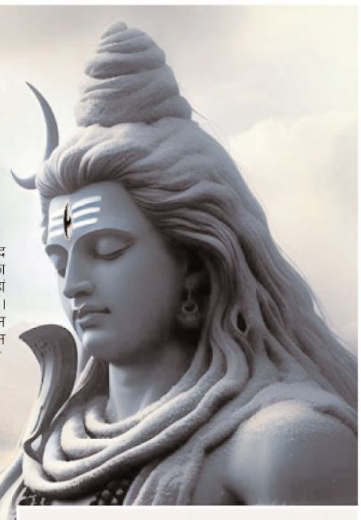

क्या शिव और शंकर एक हैं,

कौन थे महादेव के पहले शिष्य, कैसे हुई देवाधि देव की उत्पत्ति

भगवान शिव को सनातन संस्कृति देवों के देव महादेव कहा जाता है। इसके अलावा हिंदू धर्म को मानने वाले उन्हें भगवान शंकर भी कहते हैं। उनके महेश, रुद्र, गंगाधर, भोलेनाथ, गिरीश जैसे कई नाम हैं। तंत्र साधना करने वाले भगवान शंकर को भैरव भी कहते हैं। भगवान शंकर को सौम्य और रौद्र दोनों रूपों में पूजा जाता है। भगवान शिव को त्रिदेवों में संहार का देवता माना जाता है। वैसे तो भगवान शिव को हमेशा कल्याणकारी माना जाता है, लेकिन वे लय और प्रलय दोनों को अपने अधीन रखते हैं।

भगवान शिव सुर और असुर दोनों को समान दृष्टि से देखते हैं। इसलिए कथा-कहानियों में कई राक्षसों के उनकी कठिन तपस्या करने की जानकारियां मिलती हैं। भगवान शिव के कई अनन्य भक्तों में एक लंकाधिपति रावण भी हुए। कई राक्षसों ने उन्हें अपने तप से प्रसन्न कर मनवांछा वरदान पाया। सवाल ये उठता है कि भगवान शिव के भक्तों की कई कहानियां सुनी-सुनाई जाती हैं, लेकिन उनके पहले शिष्य की जानकारी बहुत कम उपलब्ध होती है। जानते हैं कि भगवान शंकर के पहले भक्त कौन थे

भगवान शिव के पहले शिष्यों की जानकारी पुराणों में मिलती है। पुराणों के मुताबिक, भगवान शिव के सबसे पहले शिष्यों में सप्तऋषियों की गिनती होती है। मान्यता है कि सप्तऋषियों ने भगवान शिव के ज्ञान का प्रचार धरती पर किया था। इसी की वजह से विभिन्न धर्म और संस्कृतियों की उत्पत्ति हुई। ये भी माना जाता है कि भगवान शिव ने ही गुरु शिष्य परंपरा की शुरुआत की थी। शिव के सबसे पहले शिष्यों में बृहस्पति, विशालाक्ष, शुक्र, महेंद्र, प्राचेतस मनु, सहस्राक्ष और भारद्वाज शामिल थे।

क्या एक हैं भगवान शिव और शंकर

ज्यादातर सनातन परंपरा के अनुयायी शिव और शंकर को एक ही मानते हैं। हालांकि, शिव पुराण में जिक्र किया गया है कि सबसे पहले एक प्रकाश पुंज की उत्पत्ति हुई। इस प्रकाश पुंज से ब्रह्मा और विष्णु की उत्पत्ति हुई। जब ब्रह्माजी ने पूछा कि आप कौन हैं तो पुंज से आवाज आई कि मैं शिव हूं। इस पर ब्रह्मा जी ने प्रकाश पुंज से साकार रूप लेने को कहा। फिर उस प्रकाश पुंज से शंकर की उत्पत्ति हुई। इस आधार पर कहा जा सकता है कि शिव और शंकर एक ही शक्ति के अंश हैं, लेकिन दोनों अलग हैं। दोनों फर्क इतना है कि शिव प्रकाश पुंज स्वरूप हैं और अब हम उनकी शिवलिंग के रूप में पूजी करते हैं, जबकि शंकर सशरीर देव स्वरूप हैं।

किसका ध्यान करते हैं भगवान शंकर

कुछ पुराणों में भगवान शंकर को शिव इसलिए कहते हैं, क्योंकि वे निराकार शिव के समान हैं। निराकार शिव को ही शिवलिंग के रूप में पूजा जाता है। ज्यादातर जगहों पर भगवान शंकर को योगी के रूप में दिखाया जाता है। कई जगह देखा जाता है कि भगवान शंकर खुद आंखें बंद किए ध्यान मुद्रा में बैठे हैं। कभी सोचा है कि आखिर देवाधिदेव महादेव किसका ध्यान कर रहे हैं। तो इसको लेकर अलग-अलग कथाएं हैं। रामचरित मानस में भगवान शिव और श्रीराम को एकदूसरे का उपासक बताया गया है। शिवपुराण में खुद भगवान शिव माता पार्वती को बताते हैं कि वह श्रीराम का ध्यान करते हैं। वहीं, कुछ पुराणों में बताया जाता है कि भगवान शंकर शिव का ध्यान करते रहते हैं। कुछ जगहों पर भगवान शंकर को शिवलिंग का ध्यान करते हुए भी चित्रित किया गया है। इससे भी साफ होता है कि शिव और शंकर दो अलग सत्ताएं हैं।

भगवान शिव की उत्पत्ति कैसे हुई

मान्यता है कि भगवान शिव स्वयंभू हैं यानी खुद ही प्रकट हुए हैं, लेकिन पुराणों में उनकी उत्पत्ति का विवरण मिलता है। विष्णु पुराण के अनुसार, जहां भगवान विष्णु ब्रह्माजी की नाभि से उत्पन्न हुए थे। वहीं, भगवान शिव विष्णु जी के माथे के तेज से उत्पन्न हुए। विष्णु पुराण के मुताबिक, माथे के तेज से उत्पन्न होने के कारण ही शिव-शंभू हमेशा योगमुद्रा में रहते हैं। वहीं, भगवान शिव से एक और मान्यता जुड़ी है कि नंदी और महाकाल भगवान शंकर के द्वारपाल हैं और रुद्रदेवता शंकर की पंचायत के सदस्य हैं।

शिवजी की कितनी पत्नियां हुईं

ज्यादातर जगहों पर भगवान शिव की दो पत्नियों का ही उल्लेख मिलता है। इनमें पहली देवी सती और दूसरी माता पार्वती। वहीं, अगर हिंदू पौराणिक कथाओं की मानें तो महादेव ने एक दो नहीं बल्कि चार विवाह किए थे। उनके सभी विवाह आदिशक्ति से ही हुए थे। भगवान शिव का पहला विवाह माता सती के साथ हुआ। वह प्रजापति दक्ष की बेटी थीं। माता सती के पिता ने जब भगवान शिव का अपमान किया तो उन्होंने यज्ञकुंड में खुद को भस्म कर अपने प्राणों की आहुति दे दी। इसके बाद उन्होंने हिमालय की बेटी पार्वती के रूप में जन्म लिया। माता पार्वती के रूप में आदिशक्ति ने भगवान शिव से दूसरा विवाह किया। धर्मग्रंथों में भगवान शिव की तीसरी पत्नी देवी उमा को बताया जाता है। वहीं, उनकी चौथी पत्नी मां महाकाली को बताया गया है।

सांस्कृतिक धरोहर, ऐतिहासिक मंदिरों और प्राकृतिक सुंदरता के लिए प्रसिद्ध है श्रीशैलम

बाणगंगा जलाशय मंदिर के निकट स्थित है और यहाँ के पानी की पवित्रता को लेकर मान्यता है। श्रद्धालु यहाँ स्नान करके अपने पापों का नाश करते हैं। यहाँ का प्राकृतिक सौंदर्य और शांति पर्यटकों को आकर्षित करता है। श्रीशैलम, आंध्र प्रदेश का एक प्रमुख धार्मिक और पर्यटन स्थल है, जो अपनी सांस्कृतिक धरोहर, ऐतिहासिक मंदिरों और प्राकृतिक सुंदरता के लिए प्रसिद्ध है। यह शहर भगवान शिव और देवी पार्वती के मंदिर के लिए जाना जाता है, जो भारतीय तीर्थयात्रियों के लिए अत्यधिक महत्वपूर्ण है। आइए जानते हैं श्रीशैलम के कुछ प्रमुख पर्यटन स्थलों के बारे में।

1. श्रीशैलम मंदिर

श्रीशैलम मंदिर भगवान शिव के 12 ज्योतिर्लिंगों में से एक है। यह मंदिर शैव और शक्ति भक्तों के लिए एक महत्वपूर्ण स्थल है। यहाँ का वास्तुकला अद्भुत है और मंदिर के चारों ओर का वातावरण भक्तों को आध्यात्मिक अनुभव प्रदान करता है।

2. बाणगंगा जलाशय

बाणगंगा जलाशय मंदिर के निकट स्थित है और यहाँ के पानी की पवित्रता को लेकर मान्यता है। श्रद्धालु यहाँ स्नान करके अपने पापों का नाश करते हैं। यहाँ का प्राकृतिक सौंदर्य और शांति पर्यटकों को आकर्षित करता है।

3. श्रीशैलम डेम

श्रीशैलम डेम कृष्णा नदी पर बना एक विशाल बांध है। यह पर्यटकों के लिए एक अद्भुत दृश्य प्रस्तुत करता है। यहाँ से नदी और आसपास के पहाड़ों का दृश्य मनमोहक होता है। पर्यटक यहाँ बोटिंग का आनंद भी ले सकते हैं।

4. राघवेंद्र स्वामी आश्रम

यह आश्रम संत राघवेंद्र स्वामी को समर्पित है और यहाँ भक्तों की एक बड़ी संख्या आती है। आश्रम का शांत वातावरण और साधना का स्थान भक्तों के लिए विशेष है।

5. किला श्रीशैलम

श्रीशैलम का किला ऐतिहासिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है। यहाँ की दीवारें और मीनारें एक समय की भव्यता को दर्शाती है। किले की चोटी से चारों ओर का दृश्य अद्भुत होता है और यहाँ से सूर्यास्त का दृश्य देखने लायक होता है।

6. मल्लिकार्जुन स्वामी मंदिर

यह मंदिर श्रीशैलम के निकट स्थित है और यहाँ की भव्यता और आस्था भक्तों को आकर्षित करती है। यह मंदिर भी भगवान शिव को समर्पित है और यहाँ विशेष उत्सव और मेले आयोजित होते हैं।

श्रीशैलम तक पहुँचने के लिए सड़क और रेल दोनों सुविधाएँ उपलब्ध हैं। निकटतम रेलवे स्टेशन मल्लिकार्जुनपुरम है, जबकि सबसे नजदीकी एयरपोर्ट हैदराबाद में है। यहाँ का मौसम पूरे साल यात्रा के लिए उपयुक्त होता है, लेकिन सर्दियों में यहाँ आना विशेष रूप से सुखद होता है।सबसे अच्छे वेकेशन पैकेज

देखा जाये तो श्रीशैलम एक ऐसा स्थान है जहाँ आप धार्मिकता, संस्कृति और प्राकृतिक सौंदर्य का अद्भुत अनुभव कर सकते हैं। यहाँ की यात्रा आपको न केवल आध्यात्मिक बल्कि सांस्कृतिक और ऐतिहासिक अनुभव भी प्रदान करेगी। यदि आप आंध्र प्रदेश में यात्रा की योजना बना रहे हैं, तो श्रीशैलम आपके लिए एक अनूठा गंतव्य है। यहाँ की यात्रा निश्चित रूप से आपके मन में अमिट यादें छोड़ जाएगी।

भगवान शिव को इन 5 राशियों के लोग होते हैं सबसे प्रिय

ज्योतिष शास्त्र में बताया गया है कि भगवान को 5 राशियां सबसे प्रिय होती हैं और भगवान शिव इन राशियों पर विशेष कृपा बरसाते हैं। शिव पुराण के अनुसार, भगवान शिव स्वभाव से बहुत भोले होते हैं और सच्चे मन से पूजा करने पर बहुत जल्द ही प्रसन्न हो जाते है। मान्यताओं के अनुसार मेष और मकर सहित 5 राशियों के लोग भगवान शिव को सबसे प्रिय होते हैं। सावन के महीने में इन राशियों के लोग शिवजी की पूजा से जुड़े कुछ उपाय करें तो भोलेनाथ उनकी हर इच्छा पूरी करते है। देखें कौन सी हैं ये 5 राशियां।

मेष राशि पर शिवजी की विशेष कृपा

मंगल के स्वामित्व वाली मेष राशि भगवान शिव की 5 प्रिय राशियों में से एक मानी जाती है। भोलेबाबा की कृपा से इनके सभी बिगड़े काम बन जाते हैं और उनके आशीर्वाद से करियर और कारोबार में तरक्की होती है। शिवजी इनके शुभ कार्य में आ रही हर बाधा को दूर करते हैं और इस राशि के लोग खूब नाम कमाते हैं। उपाय के रूप में आपको सावन में रोजाना ताबे के लोटे में गुड़ और लाल चंदन डालकर शिवलिंग का अभिषेक करना चाहिए।

कर्क राशि की हर इच्छा पूरी करेंगे महादेव

कर्क राशि के स्वामी चंद्रमा हैं जिनको भगवान शिव ने अपने मस्तक पर धारण किया हुआ है। इसलिए कर्क भी भगवान शिव की प्रिय राशियों में से एक मानी जाती है। कर्क राशि वालों की भोलेबाबा सदैव रक्षा करते हैं और उन्हें सदैव विपत्ति से बचाते हैं। इस राशि के लोग स्वभाव से बहुत सहनशील होते हैं, इसलिए इनके धैर्यपूर्ण स्वभाव की वजह से भगवान शिव इन्हें बहुत पसंद करते हैं। उपाय के रूप में आपको रोजाना सावन में चांदी के लोटे से शिवलिंग पर दूध चढ़ाना चाहिए।

तुला राशि पर कृपा बरसाते हैं महादेव

शुक्र के स्वामित्व वाली तुला राशि भगवान शिव की प्रिय राशियों में से एक मानी जाती है। इस राशि के लोग स्वभाव से बहुत आध्यात्मिक प्रकृति के माने जाते हैं और यही वजह है कि जो शिवजी इस राशि के लोगों के साथ हमेशा खड़े रहते हैं। शिवजी इनका हर बिगड़ा काम संवार देते हैं और सदैव इनके सिर पर सदैव हाथ रखते हैं। सावन में रोजाना आपको पानी में मिसरी डालकर जलाभिषेक करना चाहिए और ऊं नमः शिवाय मंत्र का जप करना चाहिए।

मकर राशि की हर मुराद सुनते हैं महादेव

मकर राशि के स्वामी शनि महाराज हैं। शनि भगवान शिव को अपना आराध्य मानते हैं और कहते हैं कि उन्होंने शिव जी की कृपा से ही दंडाधिकारी का पद प्राप्त किया था इसलिए शिवजी को मकर राशि भी बहुत प्रिय होती है। इस राशि के लोग स्वभाव से बहुत मेहनती होते हैं यही वजह है कि हर मुश्किल वक्त में भगवान शिव इनकी रक्षा करते हैं। उपाय के रूप में आपको सावन में रोजाना शिवलिंग पर जल में काले तिल डालकर शिवलिंग पर चढ़ाना चाहिए।

कुंभ राशि की सदैव रक्षा करते हैं महादेव

कुंभ राशि वाले भी भगवान शिव को सबसे प्रिय होते हैं। कुंभ राशि के लोग स्वभाव से बहुत सच्चे होते हैं और सदैव दूसरों की भलाई करने में लगे रहते हैं। कहते हैं कुंभ राशि वालों को भगवान शिव अकाल मृत्यु से बचाते हैं और उनको सदैव सुख समृद्धि से भरपूर रखते हैं। भगवान शिव के आशीर्वाद से भगवान शिव अपने जीवन में बड़ा मुकाम हासिल करते हैं। उपाय के रूप में सावन में रोजाना शिवलिंग पर गन्ने का रस चढ़ाएं।

जब धरती पर बढ़े पाप तब भगवान ने लिए ये अवतार

हिंदू धार्मिक ग्रंथों की मान्यताओं के अनुसार, धरती पर बढ़ते पापों को खत्म करने के लिए भगवान खुद संसार में अवतार के रूप में प्रकट होते है। अब तक भगवान विष्णु के इन अवतारों को जाना जाता है।।।

गीता में चौथे अध्याय के एक श्लोक में भगवान कृष्ण ने कहा है :

यदा यदा हि धर्मस्य ग्लानिर्भवति भारत ।
अभ्युत्थानमधर्मस्य तदात्मानं सृजाम्यहम् ॥

इसका मतलब है, हे भारत, जब-जब धर्म की हानि होने लगती है और अधर्म बढ़ने लगता है, तब-तब मैं स्वयं की रचना करता हूं, अर्थात् जन्म लेता हूं। मानव की रक्षा, दुष्टों के विनाश और धर्म की पुन :स्थापना के लिए मैं अलग-अलग युगों (कालों) में अवतरित होता हूं।

तो आइए जानें श्रीहरि के दशावतारों के बारे में :

1। मत्स्य अवतार :

मत्स्य अवतार भगवान विष्णु का पहला अवतार है। इस अवतार में विष्णु जी मछली बनकर प्रकट हुए थे। मान्यता के अनुसार एक राक्षस ने जब वेदों को चुरा कर समुद्र की गहराई में छुपा दिया था, तब भगवान विष्णु ने मत्स्य अवतार में आकर वेदों को पाया और उन्हें फिर स्थापित किया।

2। वराह अवतार :

वराह अवतार हिंदू धर्म ग्रंथों के अनुसार भगवान विष्णु के दस अवतारों में से तीसरा अवतार है। इस अवतार में भगवान ने सूअर का रूप धारण करके हिरण्याक्ष राक्षस का वध किया था।

3। कच्छप अवतार :

कूर्म अवतार को कच्छप अवतार भी कहते हैं। इसमें भगवान विष्णु कछुआ बनकर प्रकट हुए थे। कच्छप अवतार में श्री हरि ने क्षीरसागर के समुद्रमंथन में मंदर पर्वत को अपने कवच पर रखकर संभाला था। मंथन में भगवान विष्णु, मंदर पर्वत और वासुकि सर्प की मदद से देवताओं और राक्षसों ने चौदह रत्न पाए थे।

4। नृसिंह भगवान :

ग्रंथों के अनुसार भगवान विष्णु के दस अवतारों में से चौथा अवतार नृसिंह हैं। इस अवतार में लक्ष्मीपति नर-सिंह मतलब आधे शेर और आधे मनुष्य बनकर प्रकट हुए थे। इसमें भगवान का चेहरा शेर का था और शरीर इंसान का था। नृसिंह अवतार में उन्होंने अपने भक्त प्रहलाद की रक्षा के लिए उसके पिता राक्षस हिरणाकश्यप को मारा था।

5। वामन अवतार :

भगवान विष्णु पांचवां अवतार हैं वामन। इसमें भगवान ब्राम्हण बालक के रूप में धरती पर आए थे और प्रहलाद के पौत्र राजा बलि से दान में तीन पद धरती मांगी थी। तीन कदम में वामन ने अपने पैर से तीनों लोक नाप कर राजा बलि का घमंड तोड़ा था।

6 ।परशुराम :

विष्णु के अवतार परशुराम राजा प्रसेनजित की बेटी रेणुका और भृगुवंशीय जमदग्नि के पुत्र थे। दशावतारों में से वह छठवां अवतार थे। जमदग्नि के पुत्र होने की वजह से इन्हें जामदग्न्य भी कहते हैं। वह शिव के परम भक्त थे। भगवान शंकर ने इनकी भक्ति से प्रसन्न होकर परशु शस्त्र दिया था। इनका नाम राम था और परशु लेने के कारण वह परशुराम कहलाते थे। कहा जाता है इन्होंने क्षत्रियों का कई बार विनाश किया था। क्षत्रियों के अहंकारी विध्वंश से संसार को बचाने के लिए इनका जन्म हुआ था।

7 ।श्रीराम :

विष्णु के दस अवतारों में से एक मर्यादा पुरुषोतम भगवान श्रीराम हैं। महर्षि वाल्मिकि ने राम की कथा संस्कृत महाकाव्य रामायण में लिखी थी। तुलसीदास ने भक्ति काव्य श्री रामचरितमानस की रचना की थी। राम, अयोध्या के राजा दशरथ और उनकी पहली रानी कौशल्या के पुत्र थे।

8 ।श्री कृष्ण :

यशोदा नंदन श्री कृष्ण भी विष्णु के अवतार थे। भागवत ग्रंथ में भगवान कृष्ण की लीलाओं की कहानियां है। इनके गोपाल, गोविंद, देवकी नंदन, वासुदेव, मोहन, माखन चोर, मुरारी जैसे अनेकों नाम हैं। यह मथुरा में देवकी और वसुदेव के पुत्र के रूप में प्रकट हुए थे। श्री कृष्ण की महाभारत के युद्ध में बहुत बड़ी भूमिका थी। वह इस युद्ध में अर्जुन के सारथी थे। उनकी बहन सुभद्रा अर्जुन की पत्नी थी। उन्होंने युद्ध से पहले अर्जुन को गीता उपदेश दिया था।

9 ।भगवान बुद्ध :

भगवान विष्णु के दशावतारों में से एक बुद्ध भी हैं। इनको गौतम बुद्ध, महात्मा बुद्ध भी कहा जाता है। वह बौद्ध धर्म के संस्थापक माने जाते हैं। बौद्ध धर्म संसार के चार बड़े धर्मों में से एक है। इनका जन्म क्षत्रिय कुल के शाक्य नरेश शुद्धोधन के पुत्र के रूप में हुआ था। इनका नाम सिद्धार्थ रखा गया था। गौतम बुद्ध अपनी शादी के बाद बच्चे राहुल और पत्नी यशोधरा को छोड़कर संसार को मोह-माया और दुखों से मुक्ति दिलाने के मार्ग पर निकल गए थे।

10 । कल्कि अवतार :

कल्कि अवतार भगवान विष्णु का आखरी अवतार माना जाता है। कल्कि पुराण के अनुसार श्री हरि का कल्कि अवतार कलियुग के अंत में होगा। उसके बाद धरती से सभी पापों और बुरे कर्मों का विनाश होगा।